ಶುಭ್ ಲಾಭ್

शुभ लाभ DAILY

खबरें जो सोच बदल दे

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

राज्य की कांग्रेस सरकार लोगों को आधी-अधूरी गारंटी देने में असमर्थः विजयेन्द्र @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | शनिवार, 23 नवंबर, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 |*| मूल्य-6 रु.| वर्ष-6 | अंक-323

सुब्रमण्यम स्वामी, हरिशंकर जैन और अन्य ने सुप्रीम कोर्ट से कहा

संविधान से समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष शब्द हटना चाहिए

नई दिल्ली, 22 नवंबर (एजेंसियां)। संविधान की प्रस्तावना में समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष शब्द शामिल किए जाने के खिलाफ दाखिल याचिका पर शीर्ष कोर्ट ने सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया है। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ पूर्व राज्यसभा सांसद सुब्रमण्यम स्वामी, अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन और अन्य द्वारा दाखिल याचिकाओं के एक समूह पर सुनवाई कर रही थी। इन याचिकाकर्ताओं ने इन दोनों शब्दों के संविधान में शामिल किए जाने के खिलाफ याचिका दाखिल की थी। गौरतलब है कि 1976 में पारित 42वें संशोधन के बाद इन दोनों शब्दों को संविधान की प्रस्तावना में शामिल किया गया था।

इस दौरान मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि संविधान में 42वां संशोधन इस अदालत द्वारा कई न्यायिक समीक्षाओं के अधीन किया गया है। हम यह नहीं कह सकते कि संसद ने उस समय (आपातकाल में) जो कुछ भी किया वह सब अमान्य था। फैसला सुरक्षित रखते हुए पीठ ने मामले को संविधान पीठ को भेजने से इन्कार करते हुए याचियों की मांग को खारिज कर दिया। साथ ही कहा कि भारतीय अर्थों में समाजवादी होना एक कल्याणकारी राज्य समझा जाता है। मुख्य न्यायाधीश की पीठ ने इस मुद्दे पर अपना फैसला सुनाने के लिए 25 नवंबर की तारीख तय की है।

उल्लेखनीय है कि 1976 में इंदिरा गांधी सरकार ने 42वां संवैधानिक संशोधन करके

सर्वोच्च अदालत 25 नवंबर को सुनाएगी फैसला

संविधान की प्रस्तावना में समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और अखंडता शब्द शामिल किया था। इस संशोधन के बाद प्रस्तावना में भारत का स्वरूप संप्रभु, लोकतांत्रिक गणराज्य से बदलकर संप्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणराज्य हो गया था।

सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान अपनी दलील देते हुए अधिवक्ता विष्णु कुमार जैन ने नौ न्यायाधीशों की संविधान पीठ के एक हालिया फैसले का हवाला दिया। उन्होंने संविधान के अनुच्छेद 39 (बी) पर 9 जजों की पीठ के फैसले का जिक्र करते हुए कहा कि उस फैसले में शीर्ष कोर्ट ने समाजवादी शब्द की उस व्याख्या पर असहमति जताई जिसे शीर्ष अदालत के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति वी आर कृष्णा अय्यर और ओ चिन्नप्पा रेड्डी ने प्रतिपादित किया था।

इस पर मुख्य न्यायाधीश खन्ना ने कहा कि भारतीय संदर्भ में हम समझते हैं कि भारत में समाजवाद अन्य देशों से बहुत अलग है। हम समाजवाद का मतलब मुख्य रूप से एक कल्याणकारी राज्य समझते हैं। कल्याणकारी राज्य में उसे लोगों के कल्याण के लिए खड़ा होना चाहिए और अवसरों की समानता प्रदान करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि शीर्ष अदालत ने 1994 के एसआर बोम्मई मामले में धर्मनिरपेक्षता को संविधान की मूल संरचना का हिस्सा माना था। वकील हरिशंकर जैन ने आगे तर्क दिया कि संविधान में 1976 का संशोधन लोगों को सुने बिना पारित किया गया था ▶10 पर

जेपीसी की रिपोर्ट तैयार, संसद सत्र में पेश होगा विधेयक

वक्फ पर विपक्ष की तकरार नहीं सुनेगी सरकार

नई दिल्ली, 22 नवंबर (एजेंसियां)। लंबी बहस के बाद अब वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर जेपीसी की रिपोर्ट अंतत तैयार है लेकिन अब इसके जारी करने के समय को लेकर खींचतान शुरू हो गई है। जेपीसी अध्यक्ष की ओर से संसद के शीत सत्र में रिपोर्ट पेश किए जाने की घोषणा के बाद विपक्ष ने इस फैसले का विरोध किया है। वक्फ संशोधन बिल 2024 की समीक्षा के लिए बनी संयुक्त संसदीय समिति के अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने गुरुवार को फिर कहा है कि इस संबंध में कमेटी की रिपोर्ट तैयार है और इसे समय से संसद के शीत सत्र में पेश किया जाएगा, जबकि विपक्षी सदस्यों की मांग है कि वक्फ पर संयुक्त समिति के कार्यकाल को और विस्तार दिया जाए।

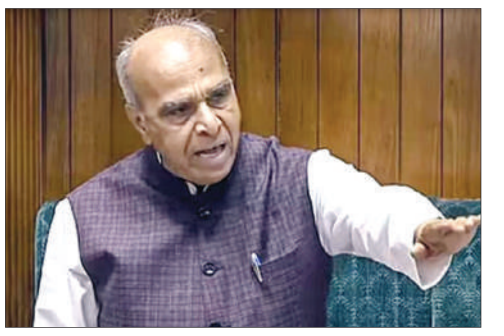

25 बैठकें कर चुकी संयुक्त संसदीय समिति

अधिकांश विपक्षी दल संशोधन के लिए राजी

विपक्ष का कहना है कि विधेयक के मसौदे में हुए बदलावों के अध्ययन के लिए उन्हें और समय चाहिए। संसदीय संयुक्त समिति (जेपीसी) की एक बैठक में समिति के अध्यक्ष व भाजपा सांसद जगदंबिका पाल ने घोषणा की है कि गुरुवार की यह बैठक समिति की आखिरी बैठक होगी और जल्दी ही समिति के सदस्यों के बीच एक मसौदा रिपोर्ट वितरित की जाएगी। ऐसा सुनते ही समिति के विपक्षी दलों के सदस्यों ने विरोध शुरू कर दिया। कुछ विपक्षी सदस्यों ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का आह्वान करते हुए इस मामले में उन्हें दखल देने को कहा है। ▶10 पर

संतों और किसानों ने की मांग, वक्फ बोर्ड खत्म करो

बेंगलुरु, 22 नवंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक समेत देशभर में जिस तेजी से वक्फ बोर्ड मनमाने तरीके से संपत्तियों पर दावा करता जा रहा है उसके खिलाफ लोगों का गुस्सा बढ़ता जा रहा है। इसका नतीजा यह हो रहा है कि उसके खिलाफ अब लोग सड़कों पर उतरने लगे हैं। ताजा मामला कलबुर्गी का है, जहां वक्फ बोर्ड की मनमानियों के खिलाफ नेगिलायोगी स्वाभिमान वेदिके के बैनर तले प्रदेश के मठों के हिंदू संत, भाजपा नेताओं और किसान समर्थक संगठनों के सदस्यों ने वक्फ हटाओ, अन्नदाता बचाओ तीन दिवसीय विरोध मार्च निकाला है।

इस दौरान प्रदर्शन करते हुए संतों और भाजपा नेताओं ने प्रदेश के कांग्रेसी मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री बी जेड जमीर अहमद के खिलाफ नारेबाजी की। साथ ही वक्फ बोर्ड को खत्म करने की मांग की। विरोध मार्च कलबुर्गी के नागेश्वर स्कूल से निकाला गया। ▶10 पर

भारत के संघीय ढांचे पर चोट कर रही बंगाल सरकार

कोलकाता, 22 नवंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक बार फिर बड़ा विवाद सामने आ सकता है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा वक्फ से संबंधित एक नया विधेयक राज्य विधानसभा के आगामी शीतकालीन सत्र में पेश किए जाने की संभावना है। यह विधेयक केंद्र सरकार के प्रस्तावित वक्फ संशोधन कानून 2024 का विरोध करता है, जिसे तृणमूल कांग्रेस अल्पसंख्यकों के अधिकारों पर हमला और संघीय ढांचे के खिलाफ बताती रही है। ममता बनर्जी की पार्टी का मानना है कि केंद्र सरकार इस कानून के माध्यम से वक्फ बोर्ड पर नियंत्रण बढ़ाकर राज्यों के अधिकारों को कमजोर करना चाहती है। राज्य सरकार के इस प्रस्तावित विधेयक की जानकारी केंद्रीय खुफिया एजेंसियों द्वारा गृह मंत्रालय तक पहुंचाई गई है। जिसके बाद गृह मंत्रालय ने तुरंत इस बिल के मसौदे की मांग करते हुए इसके प्रावधानों को जानने की कोशिश की है। ▶10 पर

बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की हिंदू एकता यात्रा

हिंदू विरोधी दिग्विजय सिंह का बेटा हिंदू एकता यात्रा में शामिल

जयवर्धन सिंह के यात्रा में शामिल होने से सियासी तापमान चढ़ा

दिग्विजय के पुत्र ने सनातन एकता और हिंदू राष्ट्र की हिमायत की

भोपाल, 22 नवंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने गुरुवार 21 नवंबर से हिंदू एकता यात्रा शुरू की, जिसका उद्देश्य सनातन धर्म की एकता को बढ़ावा देना और जात-पात की दीवारें गिराना है। हिंदुओं के खिलाफ विष वमन करने वाले कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह के पुत्र जयवर्धन सिंह के हिंदू एकता यात्रा में शामिल होने से अचानक राजनीतिक तापमान बढ़ गया। जयवर्धन ने यात्रा में हिस्सा लेकर सनातन धर्म और हिंदू एकता के प्रति अपना समर्थन जताया है।

जयवर्धन सिंह ने यात्रा के दौरान कहा, यह यात्रा किसी पार्टी की नहीं बल्कि सनातन धर्म की है। जात-पात को खत्म कर समाज को एकजुट करना जरूरी है। संत अगर सनातन बोर्ड बनाने की बात करते हैं, तो यह विचार सही दिशा में है। हम सनातन के भक्त हैं और हमेशा रहेंगे। उन्होंने कहा कि यह यात्रा हिंदुओं को एकजुट करने का प्रयास है, जिसमें सभी समाजों को समान सम्मान दिया जाना चाहिए। जयवर्धन ने हिंदू धर्म को भारत की आत्मा बताते हुए कहा, हर धर्म की शुरुआत किसी न किसी स्थान से हुई है, और हिंदू धर्म की शुरुआत भारत से हुई है। इसलिए भारत स्वाभाविक रूप से हिंदू राष्ट्र है।

जयवर्धन सिंह सनातन धर्म और हिंदू राष्ट्र की बात कर रहे हैं, वहीं उनके पिता दिग्विजय सिंह भगवा आतंकवाद के शिगूफे के जनक हैं। जयवर्धन की इस यात्रा में भागीदारी को उनके पिता से अलग विचारधारा के तौर पर देखा जा रहा है। जयवर्धन ने जाति आधारित भेदभाव पर सवाल उठाते हुए कहा, हमारे कर्म सबसे अहम हैं। भगवान कृष्ण ने भी यही कहा है कि कर्मों के जरिए समाज का कल्याण होगा। अगर जात-पात की सीमाओं को खत्म करेंगे, तो समाज और देश दोनों आगे बढ़ेंगे। उल्लेखनीय है कि धीरेंद्र शास्त्री ने 21 नवंबर को इस यात्रा की शुरुआत बागेश्वर धाम से की, जो 160 किलोमीटर की दूरी तय करके 29 नवंबर को ओरछा में समाप्त होगी। धीरेंद्र शास्त्री ने कहा, यह यात्रा सनातन धर्म के प्रचार और हिंदुओं को एकजुट करने के लिए है। जात-पात, बोली और भाषा के विभाजन को मिटाने के लिए हमें एकता के मार्ग पर चलना होगा। शास्त्री ने यह भी कहा कि हिंदू धर्म को बचाने और भारत को विश्वगुरु बनाने के लिए यह जरूरी है। उन्होंने सभी धर्मों और समुदायों को इस यात्रा का हिस्सा बनने का न्यौता दिया। धीरेंद्र शास्त्री और जयवर्धन सिंह के बयानों ने हिंदू एकता और जातिवाद के खिलाफ खड़े होने के संदेश को एक नया आयाम दिया है। ▶10 पर

तेलंगाना के प्राचीन अमरेश्वर स्वामी मंदिर में आग लगी या लगाई गई!

भगवान हनुमान की मूर्ति जल कर खाक

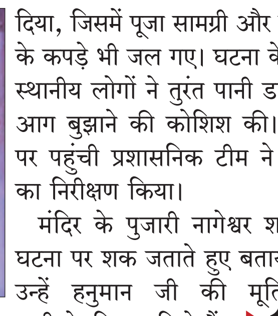

हैदराबाद, 22 नवंबर (एजेंसियां)। तेलंगाना के जयशंकर भूपालपल्ली जिले के महादेवपुर मंडल के अंबातपल्ली गांव स्थित प्राचीन श्री अमरेश्वर स्वामी मंदिर में गुरुवार 21 नवंबर की रात आग लग गई। इस हादसे में भगवान हनुमान की मूर्ति पूरी तरह जल गई। आग लगी या लगाई गई, इसकी छानबीन चल रही है। आग ने मंदिर के गर्भगृह को पूरी तरह नष्ट कर दिया, जिसमें पूजा सामग्री और पुजारी के कपड़े भी जल गए। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत पानी डालकर आग बुझाने की कोशिश की। मौके पर पहुंची प्रशासनिक टीम ने मंदिर का निरीक्षण किया।

मंदिर के पुजारी नागेश्वर शर्मा ने घटना पर शक जताते हुए बताया कि उन्हें हनुमान जी की मूर्ति पर प्लास्टिक सामग्री के निशान मिले हैं। ▶10 पर

सबरीमाला में हो रहा श्रद्धालुओं का धार्मिक दमन

हिंदू श्रद्धालुओं से कराई जा रही मस्जिद में पूजा

मुस्लिम होटलों में खिलाया जा रहा खाना

विहिप ने केरल सरकार को दी चेतावनी

नई दिल्ली, 22 नवंबर (एजेंसियां)। दक्षिण के अयोध्या यानी केरल के सबरीमाला में हिंदू विरोधी कुकृत्य फिर चर्चा में है। भगवान अय्यप्पा के भक्तों द्वारा 41 दिवसीय कठिन व्रत और यात्रा के दौरान वावर की मस्जिद में पूजा कराने को लेकर राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाए जा रहे हैं। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने इसे हिंदू धर्म और परंपराओं का अपमान बताते हुए राज्य की कम्युनिस्ट सरकार पर

तीखा हमला बोला है। विहिप का आरोप है कि भगवान अय्यप्पा के भक्तों को वावर की कथित मस्जिद में अर्चना करने के लिए बाध्य किया जा रहा है। विहिप का कहना है कि वावर को भगवान अय्यप्पा का मित्र बताने की कहानी एक गढ़ा हुआ षड्यंत्र है, जिसका उद्देश्य हिंदू परंपराओं को कमजोर करना और जिहादी मानसिकता को बढ़ावा देना है। बंसल ने कहा, वावर की मस्जिद में भोले भाले हिंदू श्रद्धालुओं से अर्चना करवाना हमारी धार्मिक मान्यताओं और परम्पराओं के अपमान और जिहादियों के गुप्त सम्मान के गहरे षड्यंत्र का द्योतक है। 41 दिवसीय कठोर व्रत का निष्ठा और विश्वास के साथ पालन करने वाले भगवान् अय्यप्पा के भक्तों का वावर से क्या संबंध? राज्य सरकार और उससे जुड़े कुछ हिंदू द्रोही स्वार्थी तत्व गत कुछ वर्षों से वावर की ▶10 पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 79,190/-
(प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 92,320/-
(प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 31^{0}
न्यूनतम : 19^{0}

रिश्वत का आरोप भारत में तो अमेरिका क्यों कर रहा जांच?

भारत के अंदरूनी मामले में हस्तक्षेप पर केंद्र चुप क्यों?

नईदिल्ली, 22 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिका में अडाणी ग्रुप के मुखिया गौतम अडाणी पर भारतीय अफसरों को रिश्वत देने का आरोप लगा है। गौतम अडाणी पर भारतीय अधिकारियों को प्रोजेक्ट के बदले करीब 2200 करोड़ रुपए की रिश्वत देने का आरोप लगा है। अमेरिका की अदालत ने गौतम अडाणी और उनके भतीजे सागर अडाणी के खिलाफ अरेस्ट वारंट भी जारी कर दिए हैं। इस बीच अब बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि अमेरिकी अधिकारी भारत में एक कथित घूसकांड में इतनी गहरी दिलचस्पी क्यों ले रहे हैं और कार्रवाई क्यों कर रहे हैं? यह भी सवाल सामने है कि देश के अंदरूनी मामले में अमेरिका के खुले हस्तक्षेप पर भारत सरकार कड़ी प्रतिक्रिया क्यों नहीं दे रही? और राहुल गांधी अमेरिका के पिट्ठू की तरह भारत विरोधी प्रलाप क्यों कर रहे हैं?

सनद रहे, भारत के खिलाफ चलाए जा रहे षडयंत्र के सूत्रधार जो बाइडेन, बाइडेन के सलाहकार डोनाल्ड लू, अमेरिकी धनपशु जॉर्ज सोरोस और भारत विरोधी लॉबी से जुड़े लोग डोनाल्ड ट्रंप की जीत से बौखला उठे हैं। अमेरिका से हो रहे षडयंत्र में शामिल राहुल गांधी और कांग्रेसी गिरोह के सदस्य भी इस बौखलाहट में शामिल हैं। इन षडयंत्रकारियों को पूरी उम्मीद थी कि बांग्लादेश में तख्तापलट की साजिश में कामयाब होने के बाद वे भारत में भी ऐसा करने में सफल होंगे, लेकिन लोकसभा चुनाव के परिणामों ने उनकी इस साजिश को कारगर नहीं होने दिया। अमेरिकी धनपशु जॉर्ज सोरोस

ओड़ीशा और आंध्र के पूर्व सीएम ने कहा, आरोप झूठा

अमेरिकी पिट्ठू की तरह बयान क्यों दे रहे राहुल गांधी?

और चीन की साझा साजिशों के तहत उद्योगपति गौतम अडाणी को घेरने की कोशिशें लगातार हो रही थीं। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी लपेटने का कुचक्र था। इस कुचक्र में राहुल गांधी भारत में सक्रिय थे और अमेरिका में जॉर्ज सोरोस। हिंडनबर्ग षडयंत्र इसी का परिणाम था। डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति का चुनाव जीतने के बाद बाइडेन ने जाते-जाते अडाणी षडयंत्र को फिर से सक्रिय कर दिया। बाइडेन ने गद्दी छोड़ने के पहले रूस-यूक्रेन युद्ध को तीव्र करने और उभरते भारत को अस्थिर करने की हरकतें तेज कर दी हैं। आप ध्यान दीजिए, अचानक मणिपुर में तेज हुई हिंसा भी इन्हीं षडयंत्रों का अहम हिस्सा है। जिस तरह अडाणी प्रकरण भी उसी षडयंत्र का एक हिस्सा है। न्यूयॉर्क में अमेरिकी अभियोजकों ने भारत में बिजली आपूर्ति टेंडर हासिल करने के लिए भारत सरकार के अधिकारियों को 250 मिलियन डॉलर से अधिक की रिश्वत देने की योजना बनाने के लिए गौतम अडाणी और सात अन्य को दोषी ठहराया है। इसके साथ ही अमेरिकी सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन (एसईसी) ने भी गौतम अडाणी, उनके भतीजे सागर अडाणी और अडाणी ग्रीन एनर्जी के कार्यकारी सागर अडाणी और एज्योर पावर के सिरिल सेबेस्टियन डोमिनिक कैबेन्स (एक फ्रांसीसी नागरिक) के खिलाफ जूरी ट्रायल और दंड की मांग करते हुए अदालत का रुख किया।बीजू जनता दल ने अडाणी समूह के साथ ओड़ीशा में बिजली खरीद समझौतों से संबंधित अमेरिकी आरोपों का खंडन किया है। ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

वक्फ संपत्ति विवाद को लेकर भाजपा ने किया प्रदर्शन

जब कांग्रेस सरकार सत्ता में आती है, तो वे मुसलमानों को लुभाते हैं: आर. अशोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विपक्षी भाजपा ने शुक्रवार को वक्फ भूमि मुद्दे पर कर्नाटक की कांग्रेस सरकार के खिलाफ अपना विरोध तेज कर दिया और राज्य के विभिन्न हिस्सों में आंदोलन किया। गुरुवार को पार्टी ने कलबुर्गी, बल्लारी, हा-वेरी, शिवमोग्गा, उडुपी और अन्य स्थानों पर विरोध प्रदर्शन किया और आरोप लगाया कि राज्य में वक्फ बोर्ड ने अतिक्रमण किया है। बेंगलूरु में शुक्रवार को विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक ने विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया। प्रदर्शन हमारी भूमि, हमारा अधिकार के नारे के तहत किया गया। विजयपुरा जिले के किसानों के एक वर्ग ने आरोप लगाया था कि उनकी भूमि को वक्फ संपत्ति के रूप में चिह्नित किया गया है। इसके बाद कुछ अन्य स्थानों और मठों जैसे कुछ संगठनों और धार्मिक संस्थानों ने भी इसी तरह के आरोप लगाए। विवाद बढ़ने के बाद मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने हाल ही में अधिकारियों को निर्देश दिया था कि किसानों को जारी किए गए सभी नोटिस तुरंत रद्द कर दिए जाएं और बिना उचित सूचना के भूमि अभिलेखों में किए गए किसी भी अनधिकृत संशोधन को भी रद्द कर दिया जाए। पत्रकारों से वार्ता में आर. अशोक ने कहा कि कर्नाटक में ऐसी स्थिति है जहां लोग वक्फ को लेकर विद्रोह कर रहे हैं। हालांकि सिद्धरामैया बैठे वायलिन बजा रहे हैं।

उन्होंने आपत्ति जताई कि किसानों की जमीन जब्त करना कांग्रेस मंत्रियों के लिए छोटी बात है। अगर वे कुछ नहीं कर रहे हैं तो क्या ये झगड़े बेवजह चल रहे हैं? मठ-मंदिरों के नेता भी लड़ने आ गये हैं। आज पूरे प्रदेश में भाजपा और किसानों की ओर से संघर्ष चल रहा है। जब कांग्रेस सरकार सत्ता में आती है, तो वे मुसलमानों को लुभाते हैं। उन्होंने आलोचना की कि डीजे हल्ली-केजीहल्ली, हुब्बल्ली मामले वापस ले लिए गए हैं।

जब हम सत्ता में थे तो कर्नाटक में एक भी नक्सली नहीं था। उन्होंने कहा कि अब नक्सली समस्या उत्पन्न हो गयी है। यदि कांग्रेस सत्ता में आई तो यह नक्सलियों के लिए दावत होगी। लव जिहाद करने वालों के लिए एक त्यौहार। श्रीरंगपट्टनम में 400 साल पुराना मंदिर है। वहां कोई मुस्लिम घर नहीं है। वहां कोई मस्जिद नहीं है। हालांकि, उन्होंने इस बात पर आपत्ति जताई कि मंदिर की पहानी में लिखा है कि यह वक्फ बोर्ड की संपत्ति है। हमारी संपत्ति हमारा अधिकार के नारे के तहत संघर्ष चल रहा है। हमारे जयनगर विधायक भी हमारे टैक्स और हमारे अधिकार के नाम पर लड़ रहे हैं। केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे ने कहा कि अंबेडकर द्वारा दिए गए संविधान में वक्फ का कोई नाम नहीं था। आज आधे भारत जितनी जमीन वक्फ के नाम पर है। उन्होंने उन पर कानूनों को अवैध बनाने का आरोप लगाया। जो जमीन केवल एक हजार एकड़ थी वह 38 लाख एकड़ कैसे हो गई?

जमीर सिद्धरामैया के नेतृत्व में वक्फ अदालत कर रहे हैं। उन्हें कानूनी तौर पर अदालत करने की इजाजत नहीं है। तह-सीलदारों की शिकायत थी कि डीसी उन पर दबाव बना रहे हैं। चालुक्य कालीन सोमेश्वर मंदिर, बीरेश्वर स्वामी मंदिर वक्फ से संबंधित है। कित्तूर की रानी चेन्नमा द्वारा लिंगायतों को दान की गई जमीन को वक्फ में जोड़ा जा रहा है। उन्होंने मांग की कि वक्फ एक्ट में बदलाव किया जाना चाहिए। भाजपा नेता सीटी रवि ने कहा कि वक्फ एक्ट में 1995 में संशोधन किया गया था। वे एक ऐसी जगह हैं जिसका मतलब है कि अदालत के पास सवाल उठाने की कोई शक्ति नहीं है। कांग्रेस मुस्लिम कट्टरवाद का समर्थन कर रही है। उन्होंने चिल्लाते हुए कहा कि वह कर्नाटक में नंदनवन को नष्ट करने जा रहे हैं। वक्फ बोर्ड की शक्तियां कम की जाएं।

उनका कहना है कि अगर लोकसभा बिल में संशोधन की कोशिश करेगी तो क्रांति आ जाएगी। लेकिन उन्हें याद रखना चाहिए कि वह समय चला गया। यहां संविधान में आस्था रखने वालों के लिए जगह है। उन्होंने चेतावनी दी कि संविधान की जगह शरीयत को जगह देने वालों को जनता सबक सिखाएगी। आप किसी भी आवाज में लड़ो, हम मुकाबला करेंगे। आपने कट्टरता को समर्थन दिया है, आप और पाकिस्तान बना रहे हैं। इस मौके पर पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ. सी.एन. अश्वथन-ारायण, सांसद पी.सी. मोहन, विधायक एस.आर. विश्वनाथ, पूर्व मंत्री एवं विधायक एन. मुनिरत्ना, भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष हलप्पा, बेंगलूरु दक्षिण जिला अध्यक्ष और विधायक सी.के. राममूर्ति, राज्य सचिव तमेश गौड़ा, बेंगलूरु उत्तर जिला अध्यक्ष एस. हरीश, बेंगलूरु सेंट्रल जिला अध्यक्ष सप्तगिरी गौड़ा, पार्टी नेता और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उद्योगपति गौतम अडानी को बचाने की कर रहे कोशिश: सीएम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर उद्योगपति गौतम अडानी को बचाने का आरोप लगाया, जिन पर धोखाधड़ी और रिश्वतखोरी के आरोप में एक अमेरिकी अदालत ने अभियोग लगाया है। मैसूरु में शुक्रवार को मीडियाकर्मियों से बात करते हुए सिद्धरामैया ने कहा कि हालांकि अडानी के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया है, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने कोई कार्रवाई नहीं की है और उन्हें बचा रही है। सिद्धरामैया ने कहा कि यह भारत की प्रतिष्ठा है जो दुनिया में धूमिल हुई है, और भाजपा न केवल अडानी का समर्थन कर रही है, बल्कि उनके कृत्यों का बचाव भी कर रही है, और यह प्रधानमंत्री मोदी की मंजूरी के बिना नहीं किया जा सकता है। कर्नाटक के भाजपा सांसदों पर निशाना साधते हुए सिद्धरामैया ने कहा कि हालांकि राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) ने राज्य के लिए निधि में 58 प्रतिशत की कटौती की है, लेकिन उनमें से किसी (भाजपा सांसदों) ने इस कटौती के खिलाफ आवाज नहीं उठाई और न ही केंद्र के साथ इस मुद्दे पर चर्चा की। 2023-24 के दौरान कर्नाटक का आवंटन 5,600 करोड़ रुपये था, लेकिन 2024-25 के लिए इसे 58 प्रतिशत घटाकर 2,340 करोड़ रुपये कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि नाबार्ड ने पूरे भारत में अतार्किक तरीके से निधि में कटौती की है। उन्होंने इस बात पर नाराजगी जताई कि न केवल भाजपा सांसदों ने इसके खिलाफ आवाज नहीं उठाई है, बल्कि पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी भी इस मुद्दे पर चुप हैं। वह खुद को धरतीपुत्र बताते हैं, लेकिन चुप हैं। सिद्धरामैया ने सवाल किया, यह मामला केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के समक्ष क्यों नहीं उठाया गया जो कर्नाटक से राज्यसभा सांसद हैं। सिद्धरामैया ने कहा कि नाबार्ड के फैसले पर सवाल उठाना तो दूर, भाजपा नेता प्रहलाद जोशी ने इसका बचाव किया है। मैं यह जनता पर छोड़ता हूं कि कौन गरीब विरोधी और किसान विरोधी है। सिद्धरामैया ने कहा कि उन्होंने नाबार्ड के फंडिंग में कटौती के फैसले के नतीजों से सीतारमण को अवगत करा दिया है, क्योंकि इससे किसानों को नुकसान होगा। सीतारमण ने कहा कि वह इस मुद्दे को नाबार्ड के समक्ष उठाएंगी, लेकिन इस विषय पर चर्चा में देरी समझ से परे है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा ने बार-बार यह प्रदर्शित किया है कि वह गरीब विरोधी है और यह तब सामने आया जब मनमोहन सिंह सरकार ने खाद्य सुरक्षा अधिनियम पेश किया।

कर्नाटक में कांग्रेस गरीबों को 7 किलो चावल बांट रही थी। सत्ता में आने पर भाजपा ने इसे घटाकर 5 किलो कर दिया। कांग्रेस ने 2023 में इसे बढ़ाकर 10 किलोग्राम कर दिया। अब, भाजपा बीपीएल कार्ड के मुद्दे पर हमारी आलोचना कर रही है, हालांकि उन्हें हमसे सवाल करने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने सवाल किया कि क्या आयकर देने वाले लोगों या सरकारी कर्मचारियों को बीपीएल कार्ड जारी किए जाने चाहिए। जब भाजपा सत्ता में थी, तब ये मानदंड पेश किए गए थे, लेकिन अब वे कांग्रेस पर सवाल उठा रहे हैं।

मरुधरा जैन संघ अध्यक्ष डॉ. लूनावत का सम्मान

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री मरुधरा जैन संघ बेंगलूरु के नव मनोनीत अध्यक्ष डॉ. जवरीलाल लूनावत का गुरुवार को राजाजीनगर स्थित लूनिया भवन में आयोजित कार्यक्रम में सम्मान किया गया।

कार्यक्रम में मुलतानमल धाणेशा, सुरेश बागमार, हीराचंद जैन ने उनका सम्मान किया। इस दौरान सुरेश, रमेश भंडारी, भंवरलाल मोदी, माणक जैन, गजेन्द्र, उत्तम, राजेश व प्रिंस जैन सहित अनेक गणमान्य उपस्थित थे। लूनावत के अध्यक्ष मनोनीत होने पर लूनी के विधायक एवं कैबिनेट मंत्री जोगाराम पटेल व पूर्व विधायक महेन्द्र विश्नोई ने भी पत्र लिखकर डॉ. लूनावत सहित संपूर्ण कार्यकारिणी को बधाई दी थी।

रद्द किए गए बीपीएल कार्ड लौटाना काफी नहीं: आर अशोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने विपक्ष के संघर्ष और जनता के आक्रोश के आगे झुककर बीपीएल कार्ड रद्द करने की प्रक्रिया को अचानक रोकने के लिए कांग्रेस सरकार की आलोचना की।

उन्होंने सोशल नेटवर्किंग साइट पर पोस्ट कर कहा सीएम सिद्धरामैया, रद्द किए गए बीपीएल कार्ड लौटाना काफी नहीं है, बल्कि गरीबों को वंचित राशन का वितरण कराया जाये। उन्होंने मांग की कि बीपीएल कार्ड धारकों को स्वास्थ्य सेवाएं, गृहलक्ष्मी धन समेत मिलने वाली सभी सुविधाएं बहाल की जाएं और पिछला बकाया जारी किया जाए। इस संबंध में संबंधित विभागों, उचित मूल्य दुकानों को स्पष्ट आधिकारिक परिपत्र जारी किया जाना चाहिए और अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए जाने चाहिए ताकि कोई भ्रम न हो। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी बीपीएल कार्डधारक सुविधाओं से वंचित न रहे। ज्ञातव्य है कि व्यापक आलोचना का सामना करने के बाद, राज्य सरकार जाग गई है और बीपीएल कार्डों के संशोधन को अस्थायी रूप से रोक दिया है। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री के.एच. मुनियप्पा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में साफ किया कि सरकारी कर्मचारियों और आयकर दाताओं के कार्डों को छोड़कर बाकी सभी कार्ड वैसे ही जारी रहेंगे। पहले से ही संशोधन के अधीन, निलंबित कार्डों को एक और सप्ताह के भीतर बहाल कर दिया जाएगा और चावल लेने की अनुमति दी जाएगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर गरीबों के साथ अन्याय न हो इसका ध्यान रखेंगे। पैन कार्ड आधारित सत्यापन के दौरान आयकर के देर से भुगतान के लिए कुछ लोगों को दंडित किया गया है। वहां यह तय है कि वे आयकर दाता हैं। अन्य सरकारी कर्मचारी हैं। राज्य सरकार ने केंद्र सरकार के नियमानुसार बीपीएल कार्डों का सत्यापन दो माह से शुरू कर दिया था। उन्होंने बताया कि अब तक 3.81 लाख कार्ड संशोधित किये जा चुके हैं। कुल संशोधित कार्डों में से 98,483 कार्डधारक आयकर का भुगतान कर रहे हैं और 4,036 कार्डधारक सरकारी कर्मचारी हैं। हमने इन बीपीएल कार्डों को रद्द करने का फैसला किया है। अन्य सभी कार्ड बिना किसी रद्दीकरण के 2 महीने पहले की तरह जारी रहेंगे। उन्होंने कहा कि अस्थायी रूप से निलंबित कार्डों को एक सप्ताह के भीतर लॉग इन किया जाएगा और अगले सप्ताह से चावल वितरित किया जाएगा। कार्डों का संशोधन फिलहाल छोड़ दिया गया है। सरकारी कर्मचारियों और आयकर दाताओं को छोड़कर अन्य सभी कार्ड यथावत जारी रहेंगे।

आओ सवारे बच्चों का कल नामक कार्यशाला

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में तेरापंथ कन्या मंडल के निर्देशन में तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर के अंतर्गत तेरापंथ कन्या मण्डल, विजयनगर द्वारा शुक्रवार को आओ सवारे बच्चों का कल नामक कार्यशाला का आयोजन मालगाल स्थित सरकारी स्कूल में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ नमस्कार महामंत्र से हुआ। कन्या मंडल की संयोजिका ध्वनि गन्ना ने सभी का स्वागत किया। महिला मंडल की अध्यक्षा मंजू गादिया ने स्कूल के बच्चों को बड़े होकर अपने व्यवसाय के साथ समाज की सेवा करने की प्रेरणा दी। खुशी मांडोत ने बच्चों को उदाहरण के माध्यम से खान पान की शुद्धता के बारे में बताया। मोनिशा मांडोत ने विद्यार्थियों को एक्टिविटीज करवाई। बच्चों को गिफ्ट्स भी दिए। सभी का आभार मोनिका गांधी ने व्यक्त किया।

अहंकार ज्ञान का होता है दुश्मन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में आयोजित प्रवचन में राजेश मुनि जी ने कहा कि अहंकार ज्ञान का दुश्मन होता है। अहंकारी में विनय नही होता है और विनय के बिना ज्ञान नहीं मिलता है। अहंकारी न तो धर्म के योग्य होता है और न धन के योग्य। धन भी विनम्र को शोभता है।

विनम्र व्यक्ति दान भी उदारता से और भाव से देता है। ऐसे व्यक्ति से दान लेने वाले भी उदारता से आशीर्वाद देते हैं। विनम्र शिष्य भी अपने गुरु की सेवा करते हुए और उनकी आज्ञा में रहते हुए बहुत कुछ सीख कर कई बार गुरु से भी आगे निकल जाता है, किंतु वह उपकारी को नही भूलता है। विनम्रता से ज्ञान और पल्लवित होता है।

प्रवचन प्रारंभ करते हुए ऋषभ मुनि जी ने कहा कि हमारी बोली विवेक पूर्ण होनी चाहिए। सत्य भी विवेक सहित बोलना चाहिए, ताकि किसी के मन को चोट नही पहुंचे। ऊंचे लोगों की यह पहचान होती हैं कि वे कम बोलते है। मीठा बोलते हैं और जरूरत पड़ने पर ही बोलते हैं। श्रावक संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने सभा का संचालन करते हुए बताया कि मुनिवृंद के शनिवार के प्रवचन भी महावीर भवन में रहेंगे।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। डॉक्टर राजकुमार समाज सेवा ट्रस्ट मागडी रोड द्वारा कर्नाटका राज्योत्सव मनाया गया। मां भुवनेश्वरी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर ध्वजारोहण किया गया। साथ ही अन्नदान एवं जरूरतमंद बच्चों में शिक्षण सामग्री वितरित की गई। महिलाओं एवं बच्चों के लिए सांस्कृतिक स्पर्धा का आयोजन किया गया। विशिष्ट अतिथि महेंद्र मुणोत ने विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया। आयोजकों ने अतिथियों को सम्मानित किया।

दिवालिया सरकार ने इंदिरा कैंटीन स्टाफ को 6 महीने से नहीं दिया वेतन: जेडीएस

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जेडीएस ने आरोप लगाया है कि बेंगलूरु में कई जगहों पर इंदिरा कैंटीन बंद हैं क्योंकि राज्य सरकार पर बकाया है। इस संबंध में जेडीएस ने एक्स पर पोस्ट किया है कि भ्रष्ट सरकार गरीबों के लिए अभिशाप बन गई है, जिसने राज्य की वित्तीय स्थिति को निचले स्तर पर पहुंचा दिया है। बीबीएमपी ने भोजन आपूर्ति के लिए अनुबंधित कंपनी को भुगतान नहीं किया है। साथ ही कैंटीन स्टाफ को 6 महीने से वेतन नहीं मिला है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार दिवालिया होने की कगार पर पहुंच गई है और उसने आम आदमी के पेट पर अवैज्ञानिक गारंटी का बोझ डाला है।

कांग्रेस सरकार कर्नाटक में टीपू शैली का शासन अपना रही: सांसद

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

सांसद कैप्टन ब्रिजेश चौटा ने आर-ोप लगाया कि टीपू के शासन के दौरान हिंदू जीवन शैली का पालन करने वाले लोगों को खत्म कर दिया गया था। इसी तरह, सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार वक्फ संपत्तियों की आड़ में हिंदुओं की आजीविका छीन रही है। चौटा दक्षिण कन्नड़ भाजपा द्वारा आयोजित हमारा भूमि हमारा अधिकार विरोध प्रदर्शन में बोल रहे थे। उन्होंने कहा भाजपा हर हिंदू और गरीब व्यक्ति की जमीन की रक्षा के लिए अभियान चलाएगी। पार्टी कार्यकर्ता घर-घर जाएंगे और भूमि स्वामित्व की पुष्टि के लिए आरटीसी का निरीक्षण करेंगे। विधायक डॉ. भरत शेट्टी ने कहा कि कई लोग वक्फ संपत्ति के मुद्दे की गंभीरता से अनजान हैं। यह केवल भाजपा कार्यकर्ताओं तक सीमित नहीं है। यहां तक कि रामनाथ राय और इवान डिसूजा जैसे नेताओं की जमीन भी खतरे में पड़ सकती है। विरोध प्रदर्शन में विधायक वेदव्यास कामथ, भाजपा जिला अध्यक्ष सतीश कुंपाला और नेता मोनप्पा भंडारी, प्रेमानंद शेट्टी, मनोज कुमार, भानुमती सहित अन्य लोग शामिल हुए।

राजनीतिक दलों को उपचुनाव के नतीजों का बेसब्री से इंतजार

हाई-प्रोफाइल चन्नपट्टना पर सबकी नजरें

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक में राजनीतिक दल तीन विधानसभा सीटों पर उप-चुनाव के नतीजों का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जिसके लिए मतगणना शनिवार सुबह शुरू होगी और दोपहर तक नतीजे आने की उम्मीद है। ये सीटें रामनगर जिले में चन्नपट्टना, हावेरी जिले में शिग्गांव और बल्लारी जिले में संदूर हैं। इन तीनों सीटों पर उन विधायकों के इस्तीफे के बाद चुनाव हुए, जिन्होंने सफलतापूर्वक लोकसभा चुनाव लड़ा था। ये नतीजे सत्तारूढ़ कांग्रेस के साथ-साथ भाजपा और जद (एस) के लिए भी काफी महत्वपूर्ण हैं। तीनों सीटों में से चन्नपट्टना सीट सबसे हाई-प्रोफाइल मानी जाती है, क्योंकि इस सीट पर पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा और उपमुख्यमंत्री तथा कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष डी.के. शिवकुमार के परिवारों के बीच मुकाबला देखने को मिला है। इस सीट पर कड़ी टक्कर देखने को मिली, जहां

88.80 प्रतिशत मतदान हुआ। रिपोर्ट्स से पता चलता है कि चुनाव नतीजों को लेकर रामनगर, मांड्या और बेंगलूरु ग्रामीण जिलों में बड़े पैमाने पर सट्टेबाजी की गतिविधि चल रही है। कुछ स्थानीय लोगों ने कथित तौर पर कार, दोपहिया वाहन, सोने के आभूषण और यहां तक कि बड़ी रकम भी दांव पर लगा दी है। बताया जाता है कि बेंगलूरु और उसके आस-पास के इलाकों के अमीर जमींदारों ने करोड़ों रुपए का दांव लगाया है। डी.के. शिवकुमार के लिए चन्नपट्टना सीट जीतना प्रतिष्ठा का सवाल है। उनका लक्ष्य बेंगलूरु ग्रामीण लोकसभा सीट पर अपने भाई डी.के. सुरेश की अपमानजनक हार का बदला लेना है, जहां पूर्व प्रधानमंत्री देवेगौड़ा के दामाद सी.एन. मंजूनाथ विजयी हुए थे। शिवकुमार शक्तिशाली वोक्कालिगा वोट बैंक पर अपना प्रभाव दिखाने और राज्य में मुख्यमंत्री पद के लिए अपना दावा मजबूत करने के लिए भी उत्सुक हैं। एक रणनीतिक कदम के तहत शिवकुमार भाइयों ने वरिष्ठ भाजपा नेता सी.पी. योगेश्वर को पाला बदलने और कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने के लिए राजी कर लिया। दूसरी ओर, केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने अपने बेटे, एनडीए उम्मीदवार निखिल कुमारस्वामी के लिए बड़े पैमाने पर प्रचार किया है। कुमारस्वामी ने निर्वाचन क्षेत्र में 15 दिन बिताए, जबकि 91 वर्षीय पूर्व प्रधानमंत्री देवेगौड़ा ने भी अपने पोते के लिए जोरदार प्रचार किया और मतदाताओं से शिवकुमार के अहंकार को परास्त करने का आग्रह किया। देवेगौड़ा ने आगे कहा कि उपचुनाव के नतीजे कर्नाटक में कांग्रेस सरकार के पतन का कारण बनेंगे। कांग्रेस के मंत्री जमीर अहमद खान द्वारा केंद्रीय मंत्री कुमारस्वामी के खिलाफ एक विवादित नस्लवादी टिप्पणी, काला कुमारस्वामी, ने पलटवार किया है, जिससे वोक्कालिगा वोट निखिल कुमारस्वामी के पक्ष में एकजुट हो सकते हैं। कांग्रेस उम्मीदवार योगेश्वर ने स्वीकार किया है कि यह टिप्पणी उनकी संभावनाओं को नुकसान पहुंचा सकती है। शिग्गांव सीट पर, पूर्व सीएम और भाजपा सांसद बसवराज बोम्मई के बेटे भरत बोम्मई भाजपा उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं। इस सीट का प्रतिनिधित्व पहले बसवराज बोम्मई करते थे। कांग्रेस उम्मीदवार यासिर अहमद खान पठान को पार्टी के भीतर आंतरिक संघर्षों के कारण चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। निर्वाचन क्षेत्र में 80.48 प्रतिशत मतदान हुआ। मंत्री जमीर अहमद खान, जिन्हें चुनावों की देखरेख का काम सौंपा गया था, को कांग्रेस के हारने पर झटका लग सकता है, खासकर तब जब वे पहले से ही वक्फ विवाद और अपनी विवादास्पद टिप्पणियों को लेकर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की जांच के दायरे में हैं। बसवराज बोम्मई के लिए भाजपा आलाकमान के साथ अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए यहाँ जीत महत्वपूर्ण है। संदूर (एसटी-आरक्षित) निर्वाचन क्षेत्र में, जहां 76.24 प्रतिशत मतदान हुआ, कांग्रेस को सीट बरकरार रखने की उम्मीद है। भाजपा, जो यहां से कभी नहीं जीती है, एसटी आदिवासी कल्याण निगम घोटाले से संबंधित भ्रष्टाचार के आरोपों को भुनाने की कोशिश कर रही है। कांग्रेस ने कांग्रेस सांसद ई. तुकाराम की पत्नी अन्नपूर्णा तुकाराम को अपना उम्मीदवार बनाया है, जबकि भाजपा ने अपने एसटी मोर्चा विंग के प्रदेश अध्यक्ष बंगारू हनुमंथु को उम्मीदवार बनाया है।

प्रशंसक हत्या मामला

दर्शन ने अंतरिम जमानत दिशानिर्देशों का नहीं किया पालन

सरकार ने उच्च न्यायालय को बताया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। प्रशंसक हत्या मामले में मेडिकल बेल पर बाहर आए कन्नड़ सुपरस्टार दर्शन ने जमानत देने के दौरान दिए गए दिशा-निर्देशों का पालन नहीं किया है। यह जानकारी गुरुवार को कर्नाटक उच्च न्यायालय को दी गई। विशेष लोक अभियोजक प्रसन्ना कुमार ने यह दलील तब दी, जब उच्च न्यायालय सनसनीखेज प्रशंसक हत्या मामले में अभिनेता के लिए नियमित जमानत की मांग करने वाली याचिका पर सुनवाई कर रहा था। उन्होंने कहा कि नवीनतम मेडिकल रिपोर्ट की प्रति उन्हें नहीं सौंपी गई है। चिकित्सा आधार पर छह सप्ताह के लिए जमानत दी गई है। हालांकि, सर्जरी की तारीख अभी तक नहीं बताई गई है। दर्शन के वकील सी.वी. नागेश ने इसके बाद अभिनेता की नवीनतम मेडिकल रिपोर्ट अदालत को सौंपी। इसकी प्रति एसपीपी को भी मुहैया कराई गई। इस बीच, पुलिस ने मामले में अदालत में अतिरिक्त आरोप पत्र पेश किया। अदालत ने एसपीपी से मेडिकल रिपोर्ट का अध्ययन करने के बाद अपना

जवाब दाखिल करने को कहा और मामले की सुनवाई 26 नवंबर तक के लिए स्थगित कर दी। सूत्रों के अनुसार दर्शन को तीन सप्ताह पहले मेडिकल आधार पर जमानत दी गई थी और उसकी सर्जरी नहीं हुई थी। पुलिस विभाग हाईकोर्ट में दर्शन को दी गई मेडिकल जमानत पर सवाल उठाते हुए सुप्रीम कोर्ट जाने की तैयारी में है। दर्शन, उनकी साथी पवित्रा गौड़ा और 15 अन्य को 11 जून को चित्रदुर्ग से अपने प्रशंसक रेणुकास्वामी का अपहरण करने और उसकी बेरहमी से हत्या करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। रेणुकास्वामी ने कथित तौर पर पवित्रा गौड़ा को अपमानजनक और अश्लील संदेश भेजे थे, क्योंकि वह शादीशुदा होने के बावजूद पवित्रा गौड़ा के साथ अभिनेता के रिश्ते से नाराज था। दर्शन को बेंगलूरु सेंट्रल जेल में उनके साथ शाही व्यवहार की तस्वीरें सामने आने के बाद बल्लारी जेल में स्थानांतरित कर दिया गया था। इस संबंध में उनके खिलाफ तीन एफआईआर दर्ज हैं। पुलिस ने प्रशंसक हत्या मामले में 4 सितंबर को 3,991 पन्नों की चार्जशीट दाखिल की। कर्नाटक उच्च न्यायालय द्वारा छह सप्ताह के लिए चिकित्सा आधार पर सशर्त जमानत दिए जाने के बाद दर्शन को 131 दिनों की सलाखों के पीछे रहने के बाद 30 अक्टूबर को जेल से रिहा कर दिया गया। अभिनेता को बेंगलूरु के बीजीएस अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनकी पीठ में गंभीर दर्द का इलाज किया जा रहा है। हालांकि, सूत्रों के अनुसार, अभी तक उनकी सर्जरी नहीं हुई है। हाईकोर्ट में जमानत पर सुनवाई के दौरान दर्शन के वकील ने कहा था कि अगर अभिनेता सर्जरी नहीं कराते हैं तो उन्हें स्ट्रोक आने की संभावना है।

राज्य की जनता को कांग्रेस को सत्ता सौंपने की सजा मिल रही: जेडीएस

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जेडीएस ने आलोचना की है कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और डीसीएम डीके शिवकुमार के नेतृत्व में कर्नाटक मूल्य वृद्धि वाला राज्य बन गया है। इस संबंध में, जेडीएस ने सोशल मीडिया पर कई पोस्ट किए हैं, जिसमें आरोप लगाया गया है कि कांग्रेस सरकार के तहत दूध से लेकर ईंधन तक, बिजली से लेकर परिवहन तक, स्वास्थ्य सहित रोजमर्रा की जरूरतें और सेवाएं दोगुनी और महंगी हैं। भ्रष्ट कांग्रेस शासन में मूल्य वृद्धि दोगुनी महंगी है। कांग्रेस को सत्ता देने की सजा कर्नाटक की जनता को महंगाई के साथ दी जा रही है? स्वयं सिद्धरामैया, क्या यही वह गारंटी है जिसका वादा आपने लोगों से किया था? पेट्रोल और डीजल की कीमतों में वृद्धि हो रही है और लोग देख रहे हैं कि राज्य की कांग्रेस सरकार कैसे लोगों की जेब काट रही है। सरकारी अस्पताल सेवाओं की दर में बढ़ोतरी का पैटर्न क्या है? सरकारी अस्पताल जनता के लिए आखिरी उम्मीद थे। लेकिन कांग्रेस राज में गरीबों के लिए यह महंगा होता जा रहा है। क्या यही आपका जन-हितैषी प्रशासन है? विक्टोरिया, मिंटो और अन्य अस्पतालों में 20 प्रतिशत मूल्य वृद्धि की गई है। स्पेशल वार्ड का शुल्क 750 रुपये से बढ़कर 1000 रुपये और ओपीडी शुल्क दोगुना हो गया है।

जद (एस) ने हमला किया है कि गरीबों को सरकारी अस्पतालों में इलाज कराने के लिए भी ऋण की आवश्यकता होती है। लेकिन स्वास्थ्य सेवाएं महंगी हैं, कीमतें बढ़ी हैं। कांग्रेस ने दिन के उजाले डकैती जैसे हैश टैग बनाए हैं। इससे पहले स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री दिनेश गुंडू राव ने कहा था कि स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत आने वाले सरकारी अस्पतालों में सेवा शुल्क संशोधन अभी भी प्रारंभिक चर्चा के चरण में है।

उन्होंने आश्वासन दिया कि शुल्क संशोधन से जनता पर बोझ नहीं पड़े, इसके लिए प्रयास किए जा रहे हैं। यहां गुरुवार को मीडिया से बात करते हुए मंत्री ने स्पष्ट किया कि अस्पतालों में सेवा शुल्क बढ़ाने का कोई सामूहिक निर्णय नहीं लिया गया है। उन्होंने बताया अभी तक केसी जनरल अस्पताल को छोड़कर, जहां स्वास्थ्य आयुक्त की मंजूरी से संशोधन किया गया था, अस्पतालों या प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में सेवा शुल्क में कोई बढ़ोतरी नहीं की गई है। फिलहाल चर्चा 15-20 प्रतिशत की प्रस्तावित वृद्धि के इर्द-गिर्द घूम रही है। राव ने जोर देकर कहा कि इस प्रक्रिया को सार्वजनिक कल्याण को ध्यान में रखते हुए सावधानी से अपनाया जा रहा है। मंत्री ने आगे कहा अस्पतालों द्वारा एकत्र किए गए सेवा शुल्क सरकार को नहीं भेजे जाते हैं। उनका उपयोग केवल एआरएस (आरोग्य रक्षा समिति) निधियों के माध्यम से संबंधित अस्पतालों के विकास के लिए किया जाता है। उन्होंने कहा कि निधियों का उपयोग अस्पताल की सफाई, रखरखाव और विकास परियोजनाओं के लिए किया जाता है, और सरकार केवल आवश्यक अनुमोदन प्रदान करती है। राव ने यह भी कहा कि अस्पतालों में शुल्क संशोधन नियमित है, जो हर तीन से चार साल में एक बार होता है। उन्होंने जनता से आग्रह किया कि वे इन संशोधनों को सरकार के लिए राजस्व उत्पन्न करने के उपायों के रूप में गलत न समझें। उन्होंने स्पष्ट किया कि एकत्रित धन अस्पतालों के पास रहता है और स्वास्थ्य सेवाओं की बेहतरी के लिए उपयोग किया जाता है। मंत्री ने दोहराया कि सरकार का जनता पर अधिक बोझ डालने का कोई इरादा नहीं है और यह सुनिश्चित करेगी कि किए गए कोई भी बदलाव उचित और न्यायोचित हों।

राज्य की कांग्रेस सरकार लोगों को आधी -अधूरी गारंटी देने में असमर्थ: विजयेन्द्र

सिद्धरामैया खुद कर रहे सत्ता का दुरुपयोग

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बीवाई विजयेंद्र ने कहा कि राज्य की कांग्रेस सरकार लोगों को आधी-अधूरी गारंटी देने में असमर्थ है। उन्होंने मांग की कि मुख्यमंत्री को गरीबों पर हमला करना बंद करना चाहिए। दिल्ली में एक मीडिया कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए उन्होंने कहा कि अगर सिद्धरामैया ईमानदार होते तो वह गारंटी पूरी करते, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया इसलिए उन्हें लोगों से माफी मांगनी चाहिए। प्रदेश की कांग्रेस सरकार बीपीएल कार्ड के मामले में एक तीर से दो शिकार कर रही है। अपात्र कार्ड बदलने पर कोई आपत्ति नहीं। हालाँकि, उन्होंने बिना उचित मानदंड के 10 से 20 लाख बीपीएल कार्डों को खारिज करने, पैन कार्ड और आयकर मुद्दों को आगे बढ़ाने के लिए राज्य सरकार की आलोचना की। बीपीएल कार्ड कट जाए तो गृहलक्ष्मी का पैसा बच जाएगा।

5 किलो चावल के लिए दिए गए पैसे भी बच जाएंगे। उन्होंने आपत्ति जताई कि करोड़ों बचाने के लिए यह कार्रवाई की गई है। ये बीपीएल कार्ड रद्द करने वाली और धोखा देने वाली सरकार है।

सिद्धरामैया जैसे मंत्री भ्रष्टाचार की बात करते हैं। इस सरकार के आने के बाद वाल्मीकि निगम का घोटाला हुआ। उन्होंने सैकड़ों करोड़ रुपये लूटकर चुनाव लड़ा और मंत्री पहले से ही जांच का सामना कर रहे हैं। मंत्री ने इस्तीफा दे दिया और जेल चले गये। उन्होंने बताया कि 500-600 करोड़ का शराब घोटाला सामने आ रहा है।

हमने मैसूरु मुडा घोटाले के सिलसिले में बेंगलूरु से मैसूरु तक पदयात्रा की है। उन्होंने आलोचना की कि कांग्रेसियों को लाभ पहुंचाने के लिए जांच समिति और आयोग नियुक्त किये जा रहे हैं। मंत्री बिरती सुरेश हेलीकॉप्टर से मैसूरु गए, जिन अधिकारियों को निलंबित किया जाना था उनका तबादला कर दिया। साथ ही वेंकटचलपति आयोग ने जांच और रिकॉर्ड नष्ट कर दिए थे। उन्होंने इस बात पर आपत्ति जताई कि ईमानदारी से जांच नहीं हुई। यदि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया, जो मुडा मामले में आरोपी नंबर 1 हैं, वास्तव में ईमानदार हैं, अगर उन्हें सीएम पद की गरिमा और सम्मान बचाने की चिंता थी, तो उन्हें मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे देना चाहिए था। बी.वाई.विजयेंद्र ने कहा कि इसके अलावा मुख्यमंत्री सिद्धरामैया खुद सत्ता का दुरुपयोग कर जांच एजेंसियों पर दबाव डालकर रिपोर्ट और क्लीन चिट लेने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें जल्द ही क्लीन चिट मिल जायेगी। मुख्यमंत्री असहाय हैं क्योंकि वादा पूरा नहीं कर पा रहे हैं और धन को संहिताबद्ध नहीं किया जा सकता है। भाग्यलक्ष्मी प्रोजेक्ट में कटौती कर दी गई है। दुग्ध प्रोत्साहन का 1000 करोड़ से अधिक बकाया है। उन्होंने शिकायत की कि येदियुरप्पा द्वारा शुरू किसान सम्मान योजना के तहत 4,000 देने की योजना भी सिद्धरामैया सरकार ने बंद कर दी है। सिद्धरामैया सरकार को गरीबों की परवाह नहीं है। वे केंद्र सरकार पर अपनी खामियों पर पर्दा डालने का आरोप लगाते हैं। बी.वाई विजयेंद्र ने कहा कि वे हर मामले में केंद्र सरकार पर आरोप लगा रहे हैं। सिद्धरामैया नाबार्ड मुद्दे पर पाखंडी नाटक कर रहे हैं। वित्त मंत्री के तौर पर वह केंद्र सरकार से आने वाले पैसे के बारे में गलत जानकारी दे रहे हैं। क्या सिद्धरामैया को पता नहीं है कि बैंक 40 प्रतिशत राशि कृषि के प्राथमिकता वाले क्षेत्र को दे रहे हैं? उन्होंने बताया कि पहले कभी इतनी रकम नहीं दी गयी। उनका कहना है कि 58 फीसदी की कटौती की गई है। गुजरात समेत कई राज्यों का यही हाल है। उन्होंने कहा कि सभी तथ्यों को जानने के बावजूद राज्य के मुख्यमंत्री नाबार्ड द्वारा अन्याय किये जाने की बात कहकर केंद्र पर उल्लू बनकर बैठने का काम कर रहे हैं और निश्चित रूप से इससे मुख्यमंत्री पद का सम्मान नहीं होगा। भाजपा की कांग्रेस सरकार को उखाड़ फेंकने में कोई दिल-चस्पी नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि आपके व्यवहार के कारण कांग्रेस विधायकों ने ही आपकी पार्टी की सरकार के खिलाफ विद्रोह की स्थिति पैदा कर दी है। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि इसका कारण प्रशासन का विकास न होना है। मुख्यमंत्री को लेकर सत्ता पक्ष के मंत्रियों और विधायकों की उम्मीदें ध्वस्त हो गयी हैं। विधायकों के नाराज होने से गृह मंत्री परमेश्वर को भी लगता है कि यह सरकार ज्यादा दिनों तक नहीं चलेगी। उन्होंने विश्लेषण किया कि गुरुवार को मैसूरु में गृह मंत्री ने भी यही व्यक्त किया था।

एग्जिट पोल की भविष्यवाणियां साबित होंगी गलत: डीके शिवकुमार

हम निश्चित रूप से जीतेंगे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा है कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव और कर्नाटक उपचुनावों के बारे में सभी एग्जिट पोल की भविष्यवाणियां गलत साबित होंगी और कांग्रेस पार्टी विजयी होगी। उत्तर कन्नड़ जिले के मंदिर शहर मुरुदेश्वर में शुक्रवार को मीडिया से बात करते हुए शिवकुमार ने कहा हम निश्चित रूप से जीतेंगे। एग्जिट पोल की भविष्यवाणियां उलट जाएंगी। मैं यह बयान ऑन रिकॉर्ड दे रहा हूं और मीडिया को यह दिखाना चाहिए। एग्जिट पोल के नतीजे उलटने वाले हैं। मैंने महाराष्ट्र राज्य में प्रचार किया है। हमें विश्वास है कि हम निश्चित रूप से वहां जीतेंगे। एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा है कि हम महाराष्ट्र राज्य में मामूली अंतर से सरकार बनाएंगे।

उन्होंने सभी नेताओं से बात की है और मैं महाराष्ट्र भी गया हूं। मैं देख सकता था कि पार्टी के लिए सब कुछ ठीक चल रहा है। हालांकि, कोई नहीं जानता कि वोटिंग बॉक्स के अंदर क्या है। जब उनसे झारखंड राज्य के परिणामों के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा मुझे झारखंड राज्य के परिणामों के बारे में जानकारी नहीं है। राज्य के हाई प्रोफाइल चन्नपट्टना विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस की हार की भविष्यवाणी करने वाले एग्जिट पोल और वक्फ एवं आवास मंत्री जमीर अहमद खान की जातिवादी 'काला कुमारस्वामी' टिप्पणी से पार्टी की संभावनाओं को नुकसान पहुंचने के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा हमने अपना कर्तव्य निभाया है। मुझे जीत का पूरा भरोसा है। पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी को केवल 16,000

वोट मिले थे। मेरे कनकपुरा निर्वाचन क्षेत्र में, कांग्रेस विधायक बालकृष्ण की मगदी सीट और कांग्रेस विधायक इकबाल हुसैन की रामनगर सीट पर हमने जीत हासिल की। केवल चन्नपट्टना सीट पर हम हारे थे। हालांकि, इस बार हम जीतेंगे। यह पूछे जाने पर कि क्या जातिवादी 'काला कुमारस्वामी' टिप्पणी पार्टी के लिए झटका साबित हुई, शिवकुमार ने कहा, मैंने उन्हें (मंत्री जमीर अहमद खान) एक सलाह दी है। वह एक अच्छे कार्यकर्ता हैं और पार्टी में अच्छा योगदान देते हैं। उन्होंने जल्दबाजी में कुछ बयान दिए थे और मैंने कहा है कि वे टिप्पणियां गलत थीं। उपमुख्यमंत्री ने कहा पार्टी का प्रदेश अध्यक्ष होने के नाते मैंने कहा है कि नस्लवादी टिप्पणियां गलत थीं और मंत्री जमीर से बात करने के बाद उन्होंने माफी मांगी है और इसे बड़ा मुद्दा बनाने की कोई जरूरत नहीं है। मंत्रिमंडल विस्तार के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा मैं अभी मुख्यमंत्री नहीं हूं, सिद्धरामैया मुख्यमंत्री हैं और मंत्रिमंडल में फेरबदल वही करते हैं। तटीय कर्नाटक की अपनी यात्रा के बारे में बात करते हुए शिवकुमार ने कहा मैंने स्थानीय विधायकों के साथ स्कूबा डाइविंग की और तैराकी की। तटीय क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता को कुशलता से तलाशने की जरूरत है। कर्नाटक राज्य में 300 किलोमीटर का समुद्र तट है और इसे समृद्ध होना चाहिए। हजारों लोगों को लाभ होना चाहिए और निवेशकों को यहां आना होगा। उन्होंने कहा नौकरियां पैदा करनी होंगी। मैं 15 साल पहले बैंकॉक गया था, मैंने उनकी तुलना हमारे स्थानीय लड़कों से की, जो प्रतिभा के मामले में उनके बराबर हैं। हमारे लड़के अंतरराष्ट्रीय मानकों पर खरा उतर सकते हैं। मैंने यह सब करने के लिए दौरा किया है। उन्होंने कहा मैंने और सीएम सिद्धरामैया ने मंत्री एच.के. पाटिल से तटीय क्षेत्र के लिए एक अलग पर्यटन नीति तैयार करने को कहा है और इसे तैयार किया जा रहा है। हमारे राज्य में मुरुदेश्वर और अन्य समुद्र तट गोवा के समुद्र तटों के बराबर हैं और किसी भी तरह से कमतर नहीं हैं। इन पर खोजबीन की जरूरत है।

शुभ लाभ DAILY

वक्फ बोर्ड को विवाह प्रमाण पत्र जारी करने का मामला

कोर्ट ने अधिकृत करने वाले राज्य सरकार के आदेश पर लगाई रोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने गुरुवार को अंतरिम आदेश में 7 जनवरी, 2025 तक उस सरकारी आदेश को स्थगित रखा, जो कर्नाटक राज्य वक्फ बोर्ड को मुस्लिम आवेदकों को विवाह प्रमाण पत्र जारी करने की अनुमति देता है। यह आदेश मुख्य न्यायाधीश एनवी अंजारिया और न्यायमूर्ति केवी अरविंद की खंडपीठ ने एक जनहित याचिका पर पारित किया। प्रथम दृष्टया मामले को देखते हुए, 30 अगस्त, 2023 का विवादित आदेश, जिसमें राज्य वक्फ बोर्ड और वक्फ अधिकारियों को विवाह प्रमाण पत्र जारी करने के लिए अधिकृत किया गया था, अगली तारीख तक स्थगित रहेगा। वक्फ बोर्ड या वक्फ अधिकारी अगली तारीख तक उक्त आदेश की आड़ में विवाह प्रमाण पत्र जारी नहीं करेंगे। यह समझना मुश्किल है कि वक्फ बोर्ड या उसके अधिकारियों द्वारा जारी विवाह प्रमाण पत्र, जो बिना अधिकार के हैं, किसी भी आधिकारिक उद्देश्य के लिए वैध प्रमाण पत्र के रूप में इस्तेमाल किए जा सकते हैं। याचिकाकर्ता ए आलम पाशा, जो बेंगलूरु स्थित एक सामाजिक कार्यकर्ता हैं, ने अल्पसंख्यक कल्याण, वक्फ और हज विभाग द्वारा 30 अगस्त, 2023 को जारी की गई अधिसूचना को चुनौती दी थी, जो 21 फरवरी, 2023 को जारी की गई पूर्व अधिसूचना के क्रम में थी, जिसमें वक्फ बोर्ड को मुस्लिम समुदाय के आवेदकों को विवाह प्रमाण पत्र जारी करने का अधिकार दिया गया था। याचिका में कहा गया है कि वक्फ बोर्ड की पूरी शक्ति और कार्य वक्फ अधिनियम की धारा 32 के तहत परिभाषित हैं और मुस्लिम विवाह को पंजीकृत करने की शक्ति इस प्रावधान से नहीं मिल सकती। याचिकाकर्ता के अनुसार, वक्फ अधिनियम के एक मात्र अवलोकन से यह स्पष्ट हो जाता है कि वक्फ बोर्ड के पास मुस्लिम विवाह को पंजीकृत करने की वैधानिक शक्ति, अधिदेश या अधिकार नहीं है। यह भी कहा गया कि कई उच्च न्यायालय पहले ही यह मान चुके हैं कि वक्फ बोर्ड द्वारा विवाह का पंजीकरण वक्फ अधिनियम के तहत प्रदत्त शक्ति के दायरे से बाहर है। याचिकाकर्ता ने आगे कहा कि विवाह की पवित्रता उसके पंजीकरण पर निर्भर नहीं है। याचिका में कहा गया है पक्षों के व्यक्तिगत कानूनों के अनुसार एक वैध विवाह वैध रहता है, भले ही विवाह पंजीकृत हो या नहीं। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि जब भी भारत में विवाह के पंजीकरण के लिए कोई कानून निर्धारित करता है, तो वे आमतौर पर एक चेतावनी के साथ आते हैं कि पंजीकरण न होने से विवाह अमान्य नहीं हो जाता है।

नाबालिग का यौन उत्पीड़न करने के आरोप में एक व्यक्ति को 20 साल की जेल

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायालय एफटीएससी-2 (पॉक्सो) के न्यायाधीश मानू के एस ने 13 वर्षीय लड़की के यौन उत्पीड़न के मामले में एक व्यक्ति को 20 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई और 50,000 रुपये का जुर्माना लगाया। घटना तब हुई जब लड़की दिसंबर 2021 के आखिरी हफ्ते में टीवी देखने के लिए आरोपी सुधीर के घर गई थी। उसने उसे एक दुकान पर जाने का सुझाव देकर बहला-फुसलाया और उसे पास में अपनी दादी के खाली घर में ले गया, जहां उसने अपराध किया। उसने पीड़िता को धमकी भी दी कि अगर उसने अपने माता-पिता को बताने की हिम्मत की तो वह उसके खिलाफ पुलिस शिकायत दर्ज कराएगा, यह दावा करते हुए कि लड़की उसके पास स्वेच्छा से आई थी। विशेष लोक अभियोजक के बद्रीनाथ नैरी ने कहा कि जब पीड़िता उसके घर टीवी देखने गई तो उसने कई बार ऐसा किया। अगस्त 2022 में लड़की गर्भवती हो गई। हालांकि, आरोपी ने उससे कहा कि वह ठीक हो जाएगी और उसका यौन उत्पीड़न किया। उसने अन्य लोगों के साथ मिलकर चिकमंगलूरु के एक अस्पताल में गर्भपात कराने की योजना बनाई। यह साबित करने के लिए कि वह उसकी पत्नी है, आरोपी ने पीड़िता को दुल्हन की तरह कपड़े पहनाए, उसे बिछिया और चांदी की करीमनी पहनाई और उसके साथ तस्वीरें खींचीं। दरअसल, वह पीड़िता के घर गया और उसकी मां को बताया कि उन्हें लड़की के साथ एक शादी और जन्मदिन में शामिल होना है और उसे 17 दिसंबर, 2022 को चिकमंगलूरु के एक अस्पताल में ले गया। आरोपी ने अस्पताल के कर्मचारियों से कहा कि वह उसका पति है और वे गर्भपात कराना चाहते हैं। अस्पताल से लौटने के बाद, चाइल्डलाइन को घटना के बारे में एक गुमनाम कॉल मिली, जिसके बाद पुलिस ने घर का दौरा किया। हालांकि, पीड़िता ने शुरू में मामले का खुलासा नहीं किया। काउंसलिंग के बाद उसने सच्चाई बताई। इसके बाद सुधीर के खिलाफ यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण अधिनियम और भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई। सर्किल इंस्पेक्टर शिवकुमार बी और सत्यनारायण के ने जांच पूरी की और अदालत में आरोप पत्र पेश किया। बद्रीनाथ नैरी ने कहा कि मामले में 24 गवाह और 62 दस्तावेज शामिल थे। अतिरिक्त जिला एवं सत्र फास्ट ट्रैक विशेष न्यायालय - 2 (पॉक्सो) के न्यायाधीश मानू के एस ने सुधीर को बलात्कार के लिए आईपीसी की धारा 376 और पॉक्सो अधिनियम की धारा 6 के तहत 20 साल के कठोर कारावास और 40,000 रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई। इसके अलावा, उसे सबूत नष्ट करने के लिए आईपीसी की धारा 201 के तहत तीन साल की साधारण कारावास और 10,000 रुपये का जुर्माना लगाया गया। अदालत ने जुर्माने की राशि में से 50,000 रुपये पीड़िता को देने का आदेश दिया। साथ ही, आईपीसी की धारा 357 (ए) और पीड़ित मुआवजा योजना के तहत, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को पीड़िता को अतिरिक्त 2 लाख रुपये का मुआवजा देने के लिए कहा गया।

हृदय रोग से पीड़ित 10 महीने के बच्चे की डॉक्टरों ने की सर्जरी

मिला नया जीवन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेंगलूरु में डॉक्टरों ने 10 महीने के एक बच्चे को नया जीवन दिया। डॉक्टरों ने हृदय रोग से पीड़ित बच्चे की हृदय प्रत्यारोपण सर्जरी की। सर्जरी के बाद बच्चे को लंबे समय तक निगरानी में रखा गया। बच्चे का विकास होता देख डॉक्टरों ने उसे गुरुवार को डिस्चार्ज कर दिया। बताया गया कि हृदय रोग से पीड़ित शिशु का नारायण हेल्थ सिटी में हृदय प्रत्यारोपण हुआ। जो भारतीय चिकित्सा इतिहास में एक महत्व-पूर्ण मील का पत्थर है। अस्पताल ने बताया कि 10 महीने के बच्चे की हालत लगातार बिगड़ रही थी। उसे गंभीर पीलिया हो गया था। वजन कम हो गया, पेट में तरल पदार्थ का जमाव और दूध पिलाने में कठिनाई हुई। इससे परिजन परेशान हो रहे थे। परिजनों ने बच्चे को तत्काल इलाज के लिए नारायण हेल्थ सिटी में भर्ती कराया। अस्पताल में प्रत्यारोपण विशेषज्ञ डॉ. शशिराज ने विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम के साथ बच्चे की स्थिति देखी। लंबे उपचार के बाद डॉक्टरों ने पाया कि हृदय प्रत्यारोपण के अलावा कोई विकल्प नहीं है। इसके बाद 72 घंटे के भीतर एक न्यूरो संबंधी रोग से जान गंवाने वाले 2.5 साल के बच्चे का हृदय उपलब्ध हो गया। 18 अगस्त को नारायण हेल्थ सिटी में कुशल सर्जिकल टीम ने हृदय प्रत्यारोपण किया और दो महीने की रिकवरी अवधि के बाद बच्चे को स्थिर स्थिति में छुट्टी दी गई। इसमें बढ़ी हुई गतिविधि, स्वस्थ भूख और स्थिर वजन वृद्धि के साथ उल्लेखनीय प्रगति दिखाई दी। डॉ. शशिराज ने बताया कि बच्चों में हृदय का फेल होना विशेष रूप से चुनौतीपूर्ण है। शिशुओं के लिए हृदय मिलने में परेशानी होती है। डॉ. शशिराज ने बताया कि शिशु की हालत गंभीर थी और हम जानते थे कि समय बीत रहा है। यह मामला विशेषज्ञ टीमवर्क और हृदय प्रत्यारोपण की जीवन-रक्षक क्षमता को दर्शाता है। यह मामला हृदय विफलता और अंग दान के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाएगा।

बीपीएल राशन कार्ड मुद्दे पर भाजपा कर रही राजनीति: मुख्यमंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक में बीपीएल राशन कार्ड रद्द करने के फैसले पर मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने सफाई देते हुए कहा कि बीपीएल सूची से केवल सरकारी कर्मचारी और आयकरदाताओं के नाम हटाए जा रहे हैं। पात्र गरीब लाभार्थी इस सूची में शामिल रहेंगे। बीपीएल कार्ड रद्द करने का फैसला राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत ही लिया गया है। इसके मुताबिक सरकारी कर्मचारी और आयकरदाता बीपीएल राशन के पात्र नहीं हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा इस मुद्दे पर राजनीति कर रही है। पात्र राशन कार्ड धारकों के अधिकारों की रक्षा की जाएगी। विपक्ष का चुनावी वादों को पूरा करने के लिए धन की कमी दूर करने के लिए फैसला लागू किए जाने का आरोप निर-आधार है। सीएम ने कहा कि 2013 में मनमोहन सिंह सरकार के दौरान गरीबों के हितों की रक्षा के लिए खाद्य सुरक्षा कानून लाया गया था।

उन्होंने बीएस येदियुरप्पा के कार्यकाल के दौरान प्रति लाभार्थी सात किलोग्राम से पांच किलोग्राम खाद्यान्न आवंटन को कम करने के लिए भाजपा की आलोचना की। सीएम ने कहा कि पांचों चुनावी गारंटियों पर कोई समझौता नहीं किया जाएगा। इसके लिए सरकार पर पर्याप्त धनराशि उपलब्ध है।

इससे पहले कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने कहा था कि केंद्र ने बीपीएल परिवारों के लिए कुछ मानक स्थापित किए हैं और हमारी सरकार उसी के आधार पर काम कर रही है। अगर पात्र परिवारों के बीपीएल कार्ड रद्द हो गए हैं तो उसे फिर से जारी किया जाएगा। कुछ क्षेत्रों में इसे लेकर विरोध है और हम इसका समाधान करेंगे। अयोग्य लाभार्थियों को हटाने की समीक्षा जारी है। हाल ही में कर्नाटक सरकार ने 22.63 लाख बीपीएल कार्डधारकों को अपात्र माना था। इसके बाद भाजपा और सत्तारूढ़ कांग्रेस के बीच विवाद शुरू हो गया।

सरकार एक सप्ताह के भीतर बीपीएल कार्ड मुद्दे को सुलझाए: ईश्वरप्पा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पूर्व मंत्री के.एस. ईश्वरप्पा ने कर्नाटक सरकार से एक सप्ताह के भीतर बीपीएल कार्डों पर भ्रम को दूर करने और सभी पात्र लाभार्थियों को सुविधा वापस दिलाने का आग्रह किया है।

यहां शुक्रवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में ईश्वरप्पा ने कहा कि 21 नवंबर को कम से कम 100 लोग उनके आवास पर उनसे मिले और रद्द किए गए बीपीएल कार्डों पर आश्चर्य व्यक्त किया। वे सभी बीपीएल कार्डों से जुड़ी खाद्यान्न और अन्य सुविधाओं को खोने के बारे में चिंतित थे। उन्होंने कहा मैं आयकर देने वाले और

सरकारी नौकरी करने वाले लोगों को कार्ड जारी करने के पक्ष में नहीं हूं। लेकिन सभी पात्र परिवारों को कार्ड मिलना जारी रहना चाहिए। पूर्व मंत्री ने कहा कि इस मुद्दे पर राज्य मंत्रिमंडल में भ्रम की स्थिति है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री के.एच. मुनियप्पा द्वारा जारी बयान मेल नहीं खाते। कार्ड रद्द करने के लिए केंद्र सरकार की नीति को दोष देना व्यर्थ है। उन्होंने पूछा क्या केंद्र सरकार ने हाल के दिनों में इस मुद्दे पर कोई नई नीति बनाई है? राज्य सरकार इतने सालों से इस मुद्दे पर चुप क्यों रही? उन्होंने आगे कहा कि अगर राज्य सरकार एक सप्ताह के भीतर इस मुद्दे का समाधान नहीं करती है तो वे कार्ड खोने वाले गरीब परिवारों के साथ मिलकर विरोध प्रदर्शन करेंगे।

दिनदहाड़े किसान को मारी गोली

बेगूसराय (एजेंसियां)। बेगूसराय जिले में बेखौफ अपराधियों के तांडव का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा। शुक्रवार की सुबह अपराधियों ने एक किसान को गोली मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। यह घटना बछवाड़ा थानाक्षेत्र के चमथा गांव की है। घायल किसान अशोक राय (पुत्र दिवंगत कामो राय) को परिजनों ने तुरंत इलाज के लिए बेगूसराय सदर अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। घायल अशोक राय ने बताया कि गुरुवार को कुछ अपराधियों ने हथियार के बल पर उनके खेत पर जबरन कब्जा करने का प्रयास किया। जब उन्होंने इसका विरोध किया तो अपराधियों ने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी थी। उन्होंने बताया कि शुक्रवार सुबह जब वह अपने घर से दुकान की ओर पैदल जा रहे थे, तभी अपराधियों ने उन पर ताबड़तोड़ गोलियां चलानी शुरू कर दीं। गोली उनके पैर में लगी, जिससे वह वहीं गिर पड़े। उसके बाद अपराधी हथियार लहराते और फायरिंग करते हुए मौके से फरार हो गए।

सीएम नीतीश के लिए कार, डिप्टी सीएम के लिए उड़नखटोले का इंतजाम को राजद ने कहा साजिश

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को हाइजेक कर लिया है। मुख्यमंत्री के लिए कार की सवारी और डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी के लिए हेलीकॉप्टर का इंतजाम कर भाजपा ने यह बात साबित कर दी कि वह नीतीश कुमार के रुतबे को कम करने के लिए साजिश रच रही। यह बात राष्ट्रीय जनता दल के विधायक मुकेश रोशन ने वैशाली में कही तो सियासी महकमा में हलचल सी मच गई। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने मुख्यमंत्री को हाइजेक कर लिया है। धीरे-धीरे नीतीश कुमार के राजनैतिक हैसियत को कम करती जा रही है। आने वाले समय में भाजपा नीतीश कुमार पैदल चलने पर मजबूर करने वाली है।

राजद विधायक ने कहा कि जदयू के प्रदेश अध्यक्ष के एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पहुंचे थे। चौंकाने वाली बात यह रही कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पटना से सड़क मार्ग के जरिए कार में बैठकर कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे जबकि डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी हेलीकॉप्टर से कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे थे। यह देख सब दंग रह गए। मुकेश रौशन ने कहा की उड़नखटोले में उड़ते अपने उप मुख्यमंत्री के सामने जिस तरह सीएम नीतीश कुमार सड़क पर दिखे उससे लगता है कि आने वाले समय में कहीं वह नीतीश कुमार को पैदल न कर दें।

इधर, कार्यक्रम में शामिल हुए डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी से जब सवाल हुआ तो उन्होंने कहा कि आने वाले विधानसभा चुनाव नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही लड़ा जाएगा। जदयू-भाजपा के गठबंधन को लेकर सम्राट चौधरी ने साफ़ कर दिया की नीतीश कुमार के नेतृत्व को लेकर गठबंधन में कोई संशय नहीं है।

कांग्रेस नेता की हत्या मामले में भाजपा नेता सहित 12 लोगों को मिली उम्र कैद

20 साल बाद आया फैसला

पटना (एजेंसियां)। बेगूसराय में चर्चित दोहरा हत्याकांड सह कांग्रेस नेता ललन सिंह हत्या के मामले में ऐतिहासिक फैसला आज आया है। जहां कांग्रेस नेता ललन सिंह समेत दो लोगों की हत्या होने के बाद आज 20 साल बाद फैसला सामने आया है। इस मामले में भाजपा नेता समेत 12 लोगों को उम्र कैद की सजा सुनाई गई है। इस फैसला आने के बाद लोगों के बीच काफी चर्चा का विषय बना हुआ है।

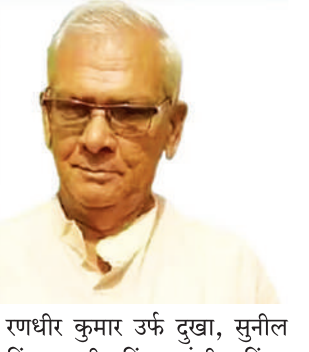

आज बेगूसराय सिविल कोर्ट ने हत्या के मामले में भाजपा नेता मिथिलेश सिंह समेत 12 लोगों को हत्याकांड का दोषी पाते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई है। इस दोहरा हत्याकांड के मामले में बेगूसराय सिविल कोर्ट ने ही सभी आरोपियों को 2015 में बरी कर दिया था। परिजनों ने फिर मामले को हाईकोर्ट में दाखिल किया। हाई कोर्ट में दाखिल होने के बाद बेगूसराय सिविल कोर्ट में ही दोबारा सुनवाई शुरू हुई और जिस कोर्ट ने इन आरोपियों को बरी किया था, उसी कोर्ट ने सभी को उम्रकैद की सजा सुना दी।

शाम्हो थाना इलाके में साल 2004 में पैक्स अध्यक्ष और कांग्रेस नेता ललन सिंह समेत दो लोगों की हत्या कर दी गई थी। इसके बाद अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश शबा आलम ने मामले की सुनवाई की। सुनवाई के दौरान 10 गवाहों की गवाही हुई। इसके बाद सजा सुनाई गई। वहीं कोर्ट ने अकबरपुर पुरानी डीह के रहने वाले भाजपा नेता मिथिलेश सिंह के साथ रोशन सिंह, रविंद्र सिंह, रणधीर कुमार उर्फ दुखा, सुनील सिंह, सुधीर सिंह, संजीव सिंह, कोमल सिंह, शालीग्राम सिंह, अनिल सिंह, मनोज सिंह और रंजीत सिंह को भारतीय दंड संहिता की धारा 302, 148 और 149 में सजा सुनाई है। अकबरपुर पुरानी डीह के रहने वाले मुकेश सिंह इस हत्याकांड के चश्मदीद गवाह थे।

मुकेश सिंह ने ही इस मामले में केस भी दर्ज कराया था। आरोप में उन्होंने बताया था कि 8 मार्च 2004 की रात करीब 8 बजे में ठाकुरबाड़ी के पास मेरे भाई सिपुल सिंह और पैक्स अध्यक्ष ललन सिंह को घेर लिया। इसके बाद गोली मारकर हत्या कर दी। इस हत्या के बाद मुकेश सिंह ने पुलिस को बताया था कि 'मैं, ललन सिंह और सिपुल सिंह अग्निकांड के पीड़ितों के बीच राहत सामग्री बांट कर घर लौट रहा था। इसी दौरान ठाकुरबाड़ी के पास मिथिलेश सिंह समेत अन्य लोगों ने घेर कर फायरिंग करने लगे। हम किसी तरह गाड़ी से कूदकर झाड़ी में जाकर छिप गए और घटना को देखते रहे। मिथिलेश सिंह ने हत्या करने के बाद ललन सिंह का राइफल भी लूटलिया था।

प्रत्यक्षदर्शी के मुताबिक 'सभी आरोपियों ने दोनों शव को घसीटकर ठिकाने लगाने की कोशिश करने लगे। लेकिन करीब 200 मीटर आगे बढ़ने के बाद लोगों की भीड़ जुट गई। इसके बाद सभी आरोपी वहां से भाग निकले। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश शबा आलम के कोर्ट में अभियोजन की ओर से अपर लोक अभियोजक दिलीप कुमार ने 10 गवाहों की गवाही कराई, जबकि पीड़ित परिवार की ओर से वकील शाह इज्जुर रहमान ने पक्ष रखा। वहीं, बचाव पक्ष की ओर से वकील मंसूर आलम, शशि भूषण झा और राजेश सिंह ने पक्ष रखा।

अपर लोक अभियोजक दिलीप कुमार ने बताया कि 'बेगूसराय न्यायालय ने आज ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। बीजेपी नेता मिथिलेश सिंह समेत 12 लोगों को उम्रकैद की सजा सुनाई है। पहली बार ऐसा हुआ है कि जिस जिला न्यायालय ने सभी आरोपियों को बरी कर दिया था। फिर से उसी कोर्ट में हुई सुनवाई में एडीजे-4 ने सभी 12 दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई।हत्याकांड के सभी आरोपितों को 2015 में जिला न्यायालय ने रिहा कर दिया था। इसके बाद मुकेश सिंह ने जिला न्यायालय के फैसले के खिलाफ पटना हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की। हाईकोर्ट ने फिर से मुकदमा चालू करते हुए चार महीने के अंदर सुनवाई पूरी करने का आदेश दिया था।

कश्मीर में शरद ऋतु का नजारा देखने आने लगे पर्यटक

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 22 नवंबर।
कश्मीर वादी में इस शरद ऋतु के मौसम में पर्यटकों की संख्या में जबरदस्त वृद्धि देखी जा रही है, कई पर्यटक पहली बार इस क्षेत्र की यात्रा कर रहे हैं। शरद ऋतु के जीवंत रंग, क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता के साथ मिलकर देश भर से और विदेशों से पर्यटकों को आकर्षित कर रहे हैं।

पर्यटकों की आमद से स्थानीय निवासी प्रसन्न हैं। आने वाले टूरिस्टों के चेहरों पर आतंकी खतरे या आतंकी हमलों का कोई डर नहीं दिखता था।

श्रीनगर के एक स्थानीय दुकानदार शाहिद के गबकौल, शरद ऋतु का मौसम हमेशा से हमारे लिए खास रहा है, लेकिन इस साल, यह मौसम बहुत खास है। कई पर्यटक पहली बार आ रहे हैं, और वे कश्मीर की सुंदरता से अभिभूत हैं। साथ ही, प्राप्त विवरण के अनुसार, श्रीनगर हवाई अड्डे पर उड़ान संचालन पर्यटकों की बढ़ती संख्या के अनुरूप स्थिर बना हुआ है।

पिछले तीन दिनों में, हवाई अड्डे ने प्रतिदिन लगभग 70 उड़ानों को संभाला है, जिसमें यात्रियों की संख्या प्रतिदिन लगभग 11,000 से अधिक रही है। अधिकारियों द्वारा दी जाने वाली जानकारी के अनुसार, 20 नवंबर को हवाई अड्डे पर 11,216 यात्री आए, जिनमें से 36 उड़ानों में 5,515 यात्री आए और 5,701 रवाना हुए। जबकि 19 नवंबर को यात्रियों की संख्या थोड़ी कम थी, जो 11,055 थी, जिसमें 5,638 यात्री आए और 5,417 रवाना हुए, जबकि पिछले दिन, 18 नवंबर को सबसे अधिक यातायात था, जिसमें 11,585 अूरिस्ट कश्मीर में आए और गए। इनमें से 5,801 यात्री आए और 5,784 रवाना हुए।

इसी तरह, कई पर्यटकों के लिए यह शरद ऋतु में कश्मीर की उनकी पहली यात्रा है। गुजरात के एक पर्यटक राहुल शर्मा ने कहा, मैंने कश्मीर की सुंदरता के बारे में बहुत कुछ सुना है, खासकर शरद ऋतु में। मैं पहली बार यहां आया हूं, और मैं कह सकता हूं कि यह मेरी कल्पना से परे है। कश्मीर वाकई खूबसूरत है, और यह अनुभव अविस्मरणीय है। राहुल के साथ आई गुजरात की एक अन्य महिला पर्यटक नेहा कहती थीं कि कश्मीर की खूबसूरती इस दुनिया से परे है क्योंकि यह स्वर्ग है। कम से कम एक बार तो कश्मीर जाना ही चाहिए। इसी तरह, स्थानीय लोगों को भी पर्यटन में उछाल का लाभ मिल रहा है।

हाउसबोट के मालिक असीम भट कहते हैं कि आगंतुकों की संख्या में वृद्धि व्यवसाय के लिए अच्छी रही है। हमारे हाउसबोट भरे हुए हैं और पूरी तरह से बुक हो चुके हैं। इस बीच, पर्यटकों के आगमन में उछाल जारी रहने की उम्मीद है, जिसमें क्षेत्र के मनमोहक शरद ऋतु के दृश्य मुख्य आकर्षण होंगे। इसके अलावा, पहाड़ी क्षेत्रों में बर्फबारी के साथ-साथ प्रसिद्ध स्की रिसॉर्ट भी भारत और देश के बाहर से पर्यटकों को आकर्षित करने लगे हैं।

कश्मीरी सेब की मांग में गिरावट से उत्पादक चिंतित

जम्मू, 22 नवंबर (ब्यूरो)।
कश्मीरी नई परेशानी के दौर से गुजरने को मजबूर हो रहे हैं। दरअसल पूरे भारत में लगभग एक महीने तक अच्छी मांग देखने के बाद, विभिन्न देशों से भारी मात्रा में सेब के आयात के कारण कश्मीरी सेब की मांग फिर से कम हो गई है। कश्मीर के फल उत्पादकों का कहना है कि पिछले सप्ताह कश्मीरी सेब की मांग फिर से कम हो गई है, जिससे उत्पादकों में चिंता की लहर है। उन्होंने कहा कि प्रति बाक्स दरों में लगभग 100 से 200 रुपए की कमी आई है।

शोपियां के नागबल के फल उत्पादक मोहम्मद अयूब कहते हैं कि पहले पूरे भारत में सेब की बहुत कम मांग थी, जिसके कारण उत्पादकों को नुकसान उठाना पड़ा। उन्होंने कहा कि बाद में मांग बढ़ी और उत्पादकों को अच्छा रिटर्न मिला, जिससे उत्पादकों के चेहरे पर मुस्कान लौट आई। हालांकि, पिछले सप्ताह मांग फिर से कम हो गई है। इससे उत्पादकों को चिंता हो रही है क्योंकि अगर मांग में और कमी आई तो उन्हें नुकसान हो सकता है। अन्य सेब उत्पादकों का कहना था कि मांग में फिर से कमी आनी शुरू हो गई है और उन्हें आशंका है कि उन्हें नुकसान हो सकता है।

एक अन्य सेब उत्पादक का कहना है कि हमने पिछले कुछ वर्षों से विभिन्न देशों से सेब के आयात को रोकने के लिए केंद्र सरकार का ध्यान आकर्षित किया है, लेकिन जमीनी स्तर पर कुछ नहीं किया जा रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, उपराज्यपाल और मुख्यमंत्री से उनकी चिंताओं पर विचार करने की अपील दोहराई है। कश्मीर वादी फल उत्पादक सह डीलर्स यूनियन के अध्यक्ष बशीर अहमद बशीर, जो घाटी में सभी फल उत्पादकों के संघों की एक निर्वाचित शीर्ष संस्था है, ने पत्रकारों को बताया कि पिछले सप्ताह के दौरान कश्मीरी सेब की मांग में लगभग 10-20 प्रतिशत की कमी आई है। उन्होंने कहा कि कोल्ड स्टोरेज इकाइयों में रखे गए उत्पादन को छोड़कर लगभग 20-30 प्रतिशत सेब अभी तक बाजारों में नहीं पहुंचे हैं। बशीर का कहना था कि मांग में कमी का मुख्य कारण देश के विभिन्न हिस्सों में शीत लहर है, जिसके दौरान लोग आमतौर पर सेब खाना पसंद नहीं करते हैं। बशीर के बकौल, दूसरा कारण दूसरे देशों से सेबों का भारी आयात है। सभी फल उत्पादक संघ दूसरे देशों से सेबों के आयात पर प्रतिबंध लगाने की मांग कर रहे हैं।

भागवत कथावाचक हिमांगी सखी मां ने भी की सनातन धर्म बोर्ड गठित करने की मांग

हरिद्वार, 22 नवंबर (एजेंसियां)।
वक्फ बोर्ड की मनमानियों को देखते हुए देशभर में सनातन धर्म बोर्ड बनाने की मांग जोर पकड़ती जा रही है। कथा वाचक देवकीनंदन ठाकुर, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री पवन कल्याण समेत कई लोगों के बाद अब पहली ट्रांसजेंडर भगवद कथावाचक महामंडलेश्वर स्वामी हिमांगी सखी मां ने जल्द से जल्द सनातन धर्म बोर्ड का गठन करने की मांग की है।

हिमांगी सखी मां ने सरकार से अपनी मांग करते हुए कहा कि सनातन धर्म बोर्ड का गठन बहुत वक्त पहले ही हो जाना चाहिए था, लेकिन सरकारों की मुस्लिम तुष्टिकरण के चलते ऐसा नहीं हो सका। उन्होंने सवाल किया कि जब मुस्लिम समुदाय के लिए वक्फ बोर्ड गठित हो सकता है तो फिर हिन्दुओं के लिए सनातन बोर्ड क्यों नहीं। हिंदू संत का मानना है कि अगर सनातन धर्म बोर्ड का गठन हो गया तो यह मठ, मंदिरों की सुरक्षा करेगा। इसके साथ ही उन्होंने इस बात का भी ऐलान किया कि किन्नर समाज के लोग लंबे वक्त से सनातन धर्म बोर्ड के गठन की मांग कर रहे हैं। जैसे ही सरकार इसका गठन करती है, किन्नर समाज के सभी लोग तुरंत इसका हिस्सा बन जाएंगे। उन्होंने ऐलान किया है कि केरल में हिन्दुओं के कन्वर्जन के खिलाफ आवाज बुलंद करने के लिए 25 से वो प्रदेश में एंटी कन्वर्जन अभियान चलाने जा रही हैं। हिमांगी सखी का कहना है कि दुनिया में जितने भी मत और मजहब हैं, उनमें सनातन ही धर्म है, जो सबसे पुराना है। सनातन धर्म के अनुयायियों के कन्वर्जन को रोकने के लिए आगे आने की आवश्यकता है।

हिमांगी सखी कहती हैं कि ईसाइयों को कन्वर्जन नहीं करने देंगे, उन्हें हम वापस भेजेंगे। उन्होंने श्रीमद्भगवद्गीता का जिक्र करते हुए कहा कि उसमें लिखा है धर्मो रक्षति रक्षितः यानि कि अगर हम अपने धर्म की रक्षा करते हैं तो धर्म भी हमारी रक्षा करता है। गौरतलब है कि हिमांगी सखी मां पांच भाषाओं में भगवद गीता की कथा का वाचन करती हैं।

नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास अवैध दरगाह ध्वस्त

मुंबई, 22 नवंबर (एजेंसियां)।
महाराष्ट्र में नवी मुंबई प्रशासन ने गुरुवार (21 नवंबर) को अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास अचानक बनी एक अवैध दरगाह को ध्वस्त कर दिया। हिंदू संगठनों ने मुस्लिम समुदाय द्वारा बनाई गई इस अवैध संरचना को अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की सुरक्षा के लिए खतरा बताया था। हिंदू संगठनों की ओर से बार-बार शिकायतें मिलने के बाद सिटी एंड इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (सिडको) और पनवेल पुलिस ने दरगाह को ध्वस्त करने का फैसला लिया।

दरअसल, हिंदू संगठनों द्वारा नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास बनी दरगाह को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बताए जाने के बाद सिटी एंड इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन ने हवाई अड्डे के पास बनाई गई अवैध संरचनाओं के खिलाफ कार्रवाई का भरोसा दिलाया था। अक्टूबर 2024 में हवाई अड्डे के पास एक पहाड़ी पर स्थित दरगाह को लेकर यह आरोप लगाया था कि वर्ष 2012 में कुछ पत्थरों को रंगकर अतिक्रमण किया गया था और अब यह एक एकड़ से अधिक भूमि पर फैल गया है।

हिंदू संगठन के आईटी सेल ने गृह मंत्रालय में शिकायत दर्ज कराई थी कि नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास अचानक एक दरगाह बन गई है। उन्होंने अपनी शिकायत में आरोप लगाया था कि पनवेल के गांव में एक पहाड़ी पर अतिक्रमण करीब 15 साल पहले शुरू हुआ था, जो अब एक दरगाह का रूप ले चुका है। यह दरगाह एक एकड़ जमीन पर फैली हुई है, जिसमें टिन शेड की छतों वाले करीब छह कमरे हैं।

हिंदू आईटी सेल की शिकायत में यह भी कहा गया था, नवी मुंबई में बनने जा रहे नए अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के समीप एक अवैध संरचना राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा है। मुंबई के मौजूदा हालातों को देखते हुए यह एक बड़ा सुरक्षा खतरा है। हालांकि सिडको द्वारा अवैध संरचना को हटाने के लिए नोटिस दिया गया है, लेकिन अधिकारियों द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई है। इससे पहले हिंदू संगठन (हिंदू जनजागृति समिति) ने मार्च 2023 में सिडको को पत्र लिखकर अवैध दरगाह को गिराने की मांग की थी। शहर में ऐसी अवैध संरचनाओं के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की मांग को लेकर एक प्रतिनिधिमंडल सिडको के अधिकारियों से भी मिला था। उन्होंने अपनी शिकायत में आरोप लगाया गया था कि अतिक्रमण की शुरुआत कुछ पत्थरों को हरे रंग से रंगने से हुई थी और अब यह एक एकड़ की संपत्ति में फैल गया है, जिसमें एक परिसर, फव्वारा, गुंबद, पानी की टंकियां, आउटहाउस, गेस्टहाउस और एक पार्किंग स्थल है।

भीम आर्मी चीफ चंद्रशेखर का करीबी ड्रग तस्कर में गिरफ्तार

देहरादून, 22 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तराखंड की श्यामपुर पुलिस ने 30 ग्राम स्मैक के साथ शांतनु कुमार नाम के शख्स को पकड़ा है। इसके साथ ही उसकी बाइक भी जब्त की है। बाजार में इस स्मैक की कीमत करीब 10 लाख रुपए है। शांतनु उत्तर प्रदेश के बिजनौर स्थित नगीना का रहने वाला है। शांतनु नगीना से स्मैक लेकर देहरादून सप्लाई करने जा रहा था। इसी दौरान पुलिस ने उसे दबोच लिया।

पूछताछ में आरोपी शांतनु ने बताया उसे यह स्मैक बिजनौर के भीम आर्मी महासचिव राहुल चौधरी ने उपलब्ध कराई थी। उसने बताया कि राहुल चौधरी का मुख्य धंधा ड्रग तस्करी है और वह उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के कई क्षेत्रों में स्मैक की तस्करी करता है। राहुल चौधरी भीम आर्मी के प्रमुख और नगीना से सांसद चंद्रशेखर आजाद रावण का बेहद करीबी है।

कहा जा रहा है कि वह साल 2027 में होने वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहा है। ड्रग तस्करी में राहुल चौधरी पहले भी जेल जा चुका है। श्यामपुर थाना के प्रभारी नितेश कुमार ने बताया कि पकड़े गए आरोपित शांतनु कुमार के बयान के आधार पर राहुल चौधरी की गिरफ्तारी की तैयारी की जा रही है। वहीं, शांतनु के खिलाफ छ्ड्छ्ड एक्ट में मामला दर्ज कर लिया गया है।

आत्महत्या की वादी बन रहा कश्मीर

जम्मू, 22 नवंबर (ब्यूरो)।
कश्मीर के मोर्चे से यह एक बुरी खबर कही जा रही है कि कश्मीर फिर से आत्महत्या की वादी बनता जा रहा है क्योंकि कश्मीर में प्रतिदिन औसतन दो लोगों द्वारा आत्महत्या के प्रयास किए जा रहे हैं। हालांकि इनमें उन सुरक्षाकर्मियों के आंकड़े शामिल नहीं हैं जिन्हें कश्मीर को थामने की खातिर लाखों की संख्या में तैनात किया गया है।

एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार, पिछले तीन वर्षों में जम्मू कश्मीर में आत्महत्या के प्रयास के 1,700 से अधिक मामले दर्ज किए गए हैं।

यह इस क्षेत्र में प्रतिदिन औसतन दो आत्महत्या के प्रयास के मामलों के बराबर है।

आत्महत्या के प्रयासों की बढ़ती आवृत्ति, विशेष रूप से कश्मीरी युवाओं में, माता-पिता और समाज के लिए एक महत्वपूर्ण चिंता का विषय बन गई है। इस वर्ष भी, आत्महत्या के मामलों की संख्या में कमी के कोई संकेत नहीं दिख रहे हैं, जो निस्संदेह एक गंभीर मामला है जिस पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है।

मनोवैज्ञानिक मेहराज उद दीन बताते हैं कि आत्महत्या के 70 परसेंट से अधिक प्रयास मानसिक अवसाद से पीड़ित व्यक्तियों द्वारा किए जाते हैं। उन्होंने बताया कि वास्तविक दर कम रिपोर्टिंग के कारण अधिक होने की संभावना है, क्योंकि सामाजिक कलंक अक्सर परिवारों को आगे आने से रोकता है।

विशेषज्ञ आत्महत्या के प्रयासों के लिए माता-पिता और साथियों के दबाव को महत्वपूर्ण योगदानकर्ता मानते हैं, विशेष रूप से युवाओं में। मेहराज उद दीन ने कहा कि माता-पिता की अपेक्षाएं, शैक्षणिक और करियर प्रतिस्पर्धा, और नैतिक और धार्मिक शिक्षा की कमी इस बढ़ती प्रवृत्ति के पीछे मुख्य कारणों में से हैं। आंकड़े युवाओं में आत्महत्या के प्रयासों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाते हैं। एक वरिष्ठ डाक्टर का कहना है कि विषाक्त पदार्थों की पर्याप्त मात्रा का सेवन करने वाले रोगियों के लिए समय पर चिकित्सा हस्तक्षेप महत्वपूर्ण है, क्योंकि उन्हें कार्डियोरेस्पिरेटरी फेल्योर का खतरा होता है।

विशेषज्ञों के अनुसार, अन्य योगदान देने वाले कारकों में शैक्षणिक विफलताएं, असफल रिश्ते, घरेलू दुर्व्यवहार, पारिवारिक विवाद और आनलाइन उत्पीड़न (साइबर-बदमाशी) शामिल हैं। ऐसे मुद्दों के नकारात्मक प्रभावों में भावनात्मक संकट, क्रोध, हताशा, अवसाद और आत्म-सम्मान की हानि शामिल है। एक अन्य डाक्टर का कहना था कि गंभीर मामलों में, पीड़ित खुद को नुकसान पहुँचा सकते हैं या परिवार और सामाजिक संपर्कों से दूर हो सकते हैं।

अब सीमा पर जवानों के साथ तैनात होंगे रोबोटिक डॉग

जैसलमेर, 22 नवंबर (एजेंसियां)। देश की सीमाओं पर जवानों के साथ अब रोबोटिक मल्टी-यूटिलिटी लेग्ड इक्विपमेंट यानी रोबोटिक डॉग भी तैनात होंगे। जैसलमेर के पोकरण फायरिंग रेंज में रोबोटिक डॉग ने भारतीय सेना की बैटल एक्स डिवीजन के साथ 14 से 21 नवंबर तक अभ्यास किया। सेना ने इस डॉग के साथ दुश्मन को खोजने और उसे खत्म करने का अभ्यास किया है। हाल ही में भारतीय सेना ने बॉर्डर से लगे इलाकों में (विशेषकर ऊंचाई वाले क्षेत्रों में) उपयोग के लिए 100 रोबोटिक डॉग को शामिल किया है।

सेना का अभ्यास गुरुवार को समाप्त हुआ। भारतीय सेना की बैटल एक्स डिवीजन की एक इकाई के 50 से भी ज्यादा सैनिकों ने इसमें हिस्सा लिया। इस अभ्यास में करीब 10 रोबोटिक डॉग्स को शामिल किया गया था। इस दौरान रोबोटिक डॉग ने दुश्मन को खोजने, हथियार ले जाने, कैमरे से दुश्मन का ठिकाना बताने सहित विषम परिस्थितियों में सैनिकों की मदद करने का ट्रायल दिया। ये रोबोटिक डॉग किसी भी ऊंचे पहाड़ से लेकर पानी की गहराई तक जाकर काम करने में सक्षम हैं। इन्हें 10 किलोमीटर दूर बैठकर भी ऑपरेट किया जा सकता है। एक घंटे चार्ज करने के बाद ये लगातार 10 घंटे तक काम कर सकते हैं। इसके अलावा ऊंचाई वाले क्षेत्रों में सहायता और परिवहन में सुधार के लिए लॉजिस्टिक्स ड्रोन का परीक्षण किया जा रहा है।

रोबोटिक डॉग्स थर्मल कैमरों और रडार से लैस हैं। इसकी सबसे बड़ी खासियत इसकी डिजाइन है। यह बर्फ, रेगिस्तान, ऊबड़-खाबड़ जमीन, ऊंची सीढ़ियों यहां तक कि पहाड़ी इलाकों में हर बाधा को पार करने में सक्षम बनाता है। रोबोटिक डॉग जवानों को किसी भी नुकसान से बचाते हुए दुश्मन के ठिकानों पर गोलीबारी करने में भी सक्षम है। म्यूल डॉग एक मीटर से 10 किलोमीटर की रेंज तक ऑपरेट किया जा सकता है।

यूपी उपचुनाव में भी भितरघात ने बढ़ाया भाजपा का तनाव

तीन सीटों पर अपनों ने ही की मुखालफत

लखनऊ, 22 नवंबर (एजेंसियां)।
उपचुनाव में भी भितरघात ने भाजपा की चिंता बढ़ा दी है। तीन सीटों पर अपनों ने ही मुखालफत की है। तीनों विधानसभा क्षेत्रों से सबसे ज्यादा भितरघात की शिकायतें आई हैं। लोकसभा चुनाव में हुए भितरघात से मात खाई भाजपा को नौ विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव में भी ऐसी ही स्थिति का सामना करना पड़ा है। मतदान के बाद भितरघात को लेकर मिले इनपुट ने भाजपा के शीर्ष नेताओं की चिंता बढ़ा दी है।

अब पार्टी स्तर पर इस बात का आकलन किया जा रहा है कि इससे कितना नुकसान हुआ है। भितरघातियों को चिह्नित भी किया गया है। कुंदरकी, कटेहरी और फूलपुर में भितरघात की सबसे ज्यादा शिकायतें मिली हैं। हालांकि, भाजपा को बेहतर परिणाम की उम्मीद है। सभी सीटों पर टिकट को लेकर कई पूर्व सांसदों-विधायकों व पुराने कार्यकर्ताओं ने दावा किया था, लेकिन पार्टी ने टिकट देने में जल्दबाजी न करते हुए सीटवार जातिगत समीकरणों को ध्यान में रखकर प्रत्याशियों की घोषणा की थी। लिहाजा कई सीटों पर टिकट से वंचित लोगों की ओर से भितरघात किए जाने की बात सामने आई है।

मझवां, कटेहरी, कुंदरकी और सीसामऊ सीट पर तो प्रत्याशी घोषित होने के बाद से ही इसकी शिकायतें मिल रही थीं। इसे थामने के लिए पार्टी के नेताओं ने भरसक प्रयास भी किए, फिर भी कई सीटों पर अपनों की ही मुखालफत सामने आई है। सबसे अधिक शिकायतें कटेहरी और कुंदरकी सीट पर सामने आई हैं। मझवां में पार्टी के अलावा भाजपा के सहयोगी दल के कार्यकर्ताओं की ओर से भी खेल बिगाड़ने की कोशिश के इनपुट मिले हैं। हालांकि, सहयोगी दलों के बड़े नेता लगातार इन सीटों पर प्रचार कर एनडीए प्रत्याशियों को जिताने की अपील करते रहे। इसके बावजूद स्थानीय स्तर पर कार्यकर्ताओं से भितरघात किया।

मनमाने तरीके से प्रत्याशियों के चयन पर लोकसभा चुनाव में भी भाजपा में भितरघात से भाजपा को भारी कीमत चुकानी पड़ी थी। सभी 80 सीटों का जीत का दावा करने वाली भाजपा मात्र 36 सीटें ही जीत पाई थी। चुनाव परिणाम को लेकर भाजपा के शीर्ष नेतृत्व में आपसी कलह भी सामने आई थी। सरकार और संगठन के बीच हार को लेकर रार भी हुई थी। ऐसी ही स्थिति अब उपचुनाव में भी देखने को मिली है। इसलिए माना जा रहा है कि अपेक्षा के मुताबिक, परिणाम नहीं आया तो फिर भाजपा के भीतर आरोप-प्रत्यारोप देखने को मिल सकते हैं।

भाई–भतीजावाद खत्म कर सरकार कर रही निष्पक्ष भर्तियां : योगी

701 वन दरोगाओं को सीएम योगी ने दिया नियुक्ति पत्र

लखनऊ, 22 नवंबर (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मिशन रोजगार के तहत निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के अंतर्गत उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के माध्यम से चयनित 701 वन दरोगाओं का नियुक्ति पत्र वितरण किया। शुक्रवार को लखनऊ के लोकभवन सभागार में वन विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में सीएम योगी ने वन और पर्यावरण संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयासों और सरकारी प्रतिबद्धताओं को साझा करते हुए सभी नव नियुक्त वन दरोगाओं को उनकी नई जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक किया और उन्हें बधाई दी। इस दौरान सीएम योगी ने कहा कि सरकार प्रदेश में व्याप्त भाई–भतीजावाद को खत्म कर निष्पक्ष और पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया सुनिश्चित की है।

सीएम योगी ने कहा कि यह नियुक्ति प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और निष्पक्ष थी, जिसमें मेरिट के आधार पर युवाओं को उनके सपनों को साकार करने का मौका दिया गया। उन्होंने उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (णझडडडउ) की प्रशंसा करते हुए कहा कि 2017 से अब तक सात लाख युवाओं को सरकारी नौकरी दी गई है। यह पारदर्शिता और निष्पक्षता का परिणाम है कि युवाओं को बिना किसी भेदभाव के रोजगार के अवसर प्राप्त हो रहे हैं।

सीएम योगी ने कहा कि पहले जब उत्तर प्रदेश में कोई भर्ती निकलती थी तो महाभारत के रिश्ते एक साथ टपक पढ़ते थे। हम लोगों ने इस पूरी भर्ती की प्रक्रिया से सारे नातेदारी और रिश्तेदारी को खत्म किया है। सीएम ने कहा कि संबंधित अधिकारियों और विभाग को बहुत ही स्पष्ट रूप से कहा गया कि उत्तर प्रदेश की 25 करोड़ जनता हमारे परिवार का हिस्सा है और कोई भी भेदभाव उनके साथ नहीं होना चाहिए, किसी भी नौजवान के साथ भेदभाव नहीं होना चाहिए। सीएम ने कहा कि आपने देखा होगा कि सारी प्रक्रियाओं को बेहद पारदर्शी तरीके से संपन्न किया जा रहा है। सीएम योगी ने चयनित अभ्यर्थियों से कहा कि सरकार इतने पारदर्शी तरीके के साथ इस पूरे प्रक्रिया को संपन्न करवाने के लिए आयोग और बोर्ड की मदद से इस कार्यक्रम को आगे बढ़ा रही है इसलिए सरकार आपसे बेहतर पारदर्शी और निष्पक्ष कार्य की अपेक्षा भी करती है।

सीएम योगी ने कहा कि नवनियुक्त 701 वन दरोगाओं में 140 महिलाएं शामिल हैं, जो महिला आरक्षण नीति के तहत किए गए प्रयासों का प्रमाण है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि यह हमारी प्रतिबद्धता है कि महिलाओं को हर क्षेत्र में समान अवसर प्रदान किए जाएं। महिलाओं की भागीदारी पर्यावरण संरक्षण के अभियान को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी।

उन्होंने कहा कि सरकार प्रदेश की सभी भर्ती प्रक्रिया में 20 प्रतिशत महिलाओं का चयन कर रह है।

आगमी पुलिस भर्ती में भी बड़ी संख्या में महिलाओं का चयन सुनिश्चित किया जाएगा। सीएम योगी ने ग्लोबल वार्मिंग, जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण जैसे मुद्दों को आज के समय की सबसे गंभीर चुनौतियों में से एक बताया। उन्होंने कहा कि लखनऊ समेत प्रदेश के कई क्षेत्रों में हाल ही में बढ़ते वायु प्रदूषण के कारण स्कूलों को बंद करना पड़ा। यह स्थिति हमें चेतावनी देती है कि हमें पर्यावरण के प्रति और अधिक जागरूक होने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री ने वन विभाग को पर्यावरण संरक्षण में अग्रणी भूमिका निभाने का आह्वान करते हुए कहा कि यदि समस्या मानव जनित है तो समाधान भी मानव को ही ढूंढना होगा। उन्होंने वन विभाग के कर्मचारियों को पर्यावरणीय समस्याओं के प्रति लोगों को जागरूक करने और सामुदायिक भागीदारी सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी सौंपी।

कोका कोला और बिसलेरी प्लांट के साथ गोरखपुर में लगेंगे डिस्टलरी प्लांट

गोरखपुर, 22 नवंबर (एजेंसियां)।

गोरखपुर में गीडा (गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण) के स्थापना दिवस को यादगार बनाने के लिए 30 नवंबर और 1 दिसंबर को भव्य आयोजन किया जाएगा। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 1068 करोड़ रुपए के निवेश से संबंधित परियोजनाओं के लिए 45 उद्यमियों को आवंटन पत्र सौंपेंगे। इसके साथ ही 209 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे।

गोरखपुर में कोका–कोला 350 करोड़ रुपए की लागत से 17 एकड़ में बॉटलिंग प्लांट लगाएगा, जिससे 500 से ज्यादा युवाओं को रोजगार मिलेगा। बिसलेरी कंपनी प्लास्टिक पार्क में 7 एकड़ में 70 करोड़ रुपए की लागत से मिनरल वॉटर प्लांट स्थापित करेगी। इससे 250 से अधिक युवाओं को रोजगार मिलने की उम्मीद है। इसके अलावा, देश की एक प्रतिष्ठित डिस्टलरी कंपनी 5 एकड़ में 50 करोड़ रुपए का निवेश करेगी।

दो दिवसीय कार्यक्रम में 150 स्टॉल लगाए जाएंगे, जिनमें से 100 स्थानीय उत्पादों और 50 प्रदेश के अन्य जिलों के होंगे। ओडीओपी (वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट) को प्राथमिकता दी जाएगी। 30 नवंबर को बायर–सेलर मीट का आयोजन भी किया जाएगा। गीडा ने प्रदूषण रोकने के लिए 4 एमएलडी क्षमता का कॉमन एफ़्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट (सीईटीपी) स्थापित करने की योजना बनाई है। यह प्लांट तीन दशक से लंबित था, जिसे अब गीडा प्रशासन स्वयं स्थापित करेगा।

गुरुवार 21 नवंबर को मंडलायुक्त अनिल ढींगरा की अध्यक्षता में हुई बैठक में गीडा की सीईओ अनुज मलिक ने उद्योगों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। बिजली की समस्या, जिला पंचायत शुल्क, और शासकीय योजनाओं के लंबित मामलों पर सकारात्मक आश्वासन दिए गए। मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना और ओडीओपी वित्त पोषण योजना के तहत अब तक 819 और 193 आवेदन बैंक को भेजे गए हैं। निवेश मित्र पोर्टल पर गोरखपुर के 13 मामलों का समय पर निपटारा करने का निर्देश दिया गया। यह आयोजन गोरखपुर को एक प्रमुख औद्योगिक केंद्र के रूप में स्थापित करने और रोजगार के नए अवसर पैदा करने की दिशा में एक बड़ा कदम साबित होगा।

प्रदेश के 71 महाविद्यालयों में प्राचार्य से लेकर ग्रेड फोर तक के सभी पद होंगे सरकारी

लखनऊ, 22 नवंबर (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में आयोजित मंत्रिपरिषद की बैठक में प्रदेश में उच्च शिक्षा को सुदृढ़ करने के लिए शुक्रवार को दो महत्वपूर्ण फैसले लिए गए। इसके अंतर्गत 71 नवनिर्मित/निर्माणाधीन महाविद्यालयों को राजकीय महाविद्यालय के रूप में संचालित करने का निर्णय लिया गया है, जबकि बिजनौर जिले में विवेक विश्वविद्यालय के गठन को भी मंजूरी प्रदान की गई है। ये निर्णय प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण और वहनीय उच्च शिक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में मील का पत्थर साबित होंगे।

बैठक के बाद उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने बताया कि विभाग के द्वारा वर्तमान में 171 राजकीय महाविद्यालय संचालित हैं। इनमें 71 महाविद्यालय नवनिर्मित अथवा निर्माणाधीन हैं। इनमें से 17 संगठक महाविद्यालय के रूप में चयनित थे। पहले विश्वविद्यालयों द्वारा इनका संचालन किया जाता था। पिछले दिनों कुछ विश्वविद्यालयों द्वारा इनके सुचारू संचालन को लेकर असमर्थता जाहिर की गई थी। जिसके बाद ये प्रस्ताव लाया गया कि 71 महाविद्यालयों का संचालन अब सीधे सीधे प्रदेश सरकार करेगी। अब तक इनमें संविदा के आधार पर लोग रखे जाते थे, अब सभी 71 महाविद्यालयों में 71 प्राचार्य के पद और प्रत्येक महाविद्यालय में 16–16 के आधार पर 1136 सहायक आचार्य के पद, 639 क्लास थ्री और 710 क्लास फोर के पद सृजित होंगे। इससे रोजगार के अवसर मिलेंगे साथ ही शिक्षा की गुणवत्ता भी बढ़ेगी।

उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने बताया कि बिजनौर में विवेक विश्वविद्यालय को संचालन का प्राधिकार पत्र प्रदान किया गया है। इससे अब प्रदेश में एक और निजी विश्वविद्यालय का संचालन शुरू होगा। इससे स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा मिलेगा, जिससे सरकारी विश्वविद्यालयों की गुणवत्ता और बढ़ेगी। उन्होंने बताया कि यूपी में पिछले दो–ढाई साल में सर्वाधिक ग्रेड प्राप्त विश्वविद्यालय उभर कर सामने आए हैं। फिलहाल नैक ग्रेडिंग में यूपी के 7 विश्वविद्यालय ए डबल प्लस, 4 ए प्लस हैं। इसके साथ ही 6 निजी विश्वविद्यालय ए प्लस और 4 निजी विश्वविद्यालय ए ग्रेड में शामिल हो चुके हैं।

जघन्य अपराधों से पीड़ित महिलाओं को सशक्त करने में जुटी सरकार

लखनऊ, 22 नवंबर (एजेंसियां)।

जघन्य अपराधों से पीड़ित महिलाओं को सशक्त करने में जुटी योगी सरकार ने महिलाओं के खिलाफ हिंसा के मामलों में त्वरित न्याय और सहायता सुनिश्चित करने के लिए लगातार प्रयासरत है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर, जघन्य अपराधों से पीड़ित महिलाओं की लंबित क्षतिपूर्ति को जल्द निस्तारित करने का आदेश दिया गया है। यह निर्णय राज्य की 'रानी लक्ष्मीबाई महिला सम्मान कोष योजना' के तहत लिया गया, जिसमें चालू वित्तीय वर्ष 2024–25 के लिए 50 करोड़ रुपये की धनराशि मंजूर की गई है। महिला कल्याण विभाग के तहत संचालित इस योजना का उद्देश्य हिंसा से पीड़ित महिलाओं और उनके परिवारों को आर्थिक सहायता प्रदान करना है, ताकि वे समाज की मुख्यधारा में वापस लौट सकें और राष्ट्र निर्माण में योगदान दे सकें।

प्रदेश में 9 जघन्य अपराधों से पीड़ित महिलाओं के लिए संचालित यह योजना प्रभावी तरीके काम कर रही है, लेकिन आंकड़े बताते हैं कि जघन्य अपराधों के कई मामलों में सहायता प्रक्रिया लंबित है। जिसमें 701 प्रकरण पुलिस नोडल अधिकारी स्तर पर लंबित हैं वहीं 7583 प्रकरण नोडल चिकित्साधिकारी स्तर पर और 8893 प्रकरण जिला संचालन समिति स्तर पर लंबित हैं। योगी सरकार द्वारा इन सभी 17177 लंबित प्रकरणों को इस महीने के अंत तक निस्तारित कर पीड़िताओं को राहत देने का निर्देश दिया गया है। निर्देश के बाद अब जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित जिला संचालन समिति इन प्रकरणों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाएगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में महिला कल्याण योजनाओं में क्रांतिकारी बदलाव किए गए हैं। रानी लक्ष्मीबाई महिला सम्मान कोष के माध्यम से जघन्य अपराधों की शिकार महिलाओं को 1 लाख रुपए से लेकर 10 लाख रुपए तक की आर्थिक सहायता दी जाती है। यह राशि पीड़ित महिलाओं के इलाज, पुनर्वास, बच्चों की शिक्षा, और जीवन यापन में मदद करती है। सीएम योगी ने इस योजना में पारदर्शिता और समयबद्धता सुनिश्चित करने पर जोर दिया है। राज्य सरकार ने योजना के लिए न सिर्फ बजट आवंटन बढ़ाया है, बल्कि आम नागरिकों को भी इस कोष में योगदान करने के लिए प्रेरित किया है।

कोष में योगदान करने वालों को आयकर अधिनियम की धारा 80जी के तहत कर में छूट दी जाती है।

योगी सरकार ने महिलाओं के खिलाफ जघन्य अपराधों, जैसे एसिड अटैक, बलात्कार और घरेलू हिंसा के मामलों में आर्थिक और सामाजिक सहायता प्रदान करने के लिए एक व्यापक ढांचा तैयार किया है। इसमें हिंसा की शिकार महिलाओं की तत्काल आर्थिक सहायता की जाती है, साथ ही उनके इलाज और पुनर्वास के लिए आर्थिक सहायता दी जाती है। हिंसा की शिकार महिलाओं के बच्चों की शिक्षा और भरण–पोषण की व्यवस्था भी सरकार इस कोष के माध्यम से करती है साथ ही पीड़ित महिलाओं को समाज में दोबारा सम्मानजनक जीवन जीने के लिए प्रेरित किया जाता है।

प्रदेश सरकार महिला कल्याण के प्रयासों से हिंसा पीड़ित हजारों महिलाओं को न केवल आर्थिक सहायता मिली है, बल्कि वे सामाजिक और मानसिक तौर पर भी सशक्त हो रही हैं। एसिड अटैक पीड़िताओं और बलात्कार जैसे जघन्य अपराधों से पीड़ित महिलाओं को अब समाज में एक नई पहचान मिल रही है। इस योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए संबंधित प्रकरण जिलाधिकारी की अध्यक्षता वाली संचालन समिति द्वारा अनुमोदित किए जाते हैं। इसके बाद धनराशि सीधे पीड़िता के खाते में भेजी जाती है। यह प्रक्रिया पारदर्शी और त्वरित है, ताकि पीड़िता को समय पर सहायता मिल सके। महिला सम्मान कोष का उद्देश्य सिर्फ आर्थिक मदद तक सीमित नहीं है। यह महिलाओं को मुख्यधारा में वापस लाकर समाज के सभी क्षेत्रों में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करता है।

राम नगरी अयोध्या के बाद श्रृंगवेरपुर धाम को भव्य स्वरूप दे रही सरकार

प्रयागराज, 22 नवंबर (एजेंसियां)।

योगी सरकार प्रयागराज महाकुंभ को दिव्य और भव्य स्वरूप प्रदान कर रही है। प्रयागराज नगरी के साथ ही जिले में गंगा किनारे स्थित निषादराज गुह्य की राजधानी रहे श्रृंगवेरपुर धाम का भी कायाकल्प सरकार कर रही है। श्रृंगवेरपुर धाम में धार्मिक और आध्यात्मिक पर्यटन के साथ रूरल टूरिज्म की भी संभावनाएं विकसित हो रही हैं।

राम नगरी अयोध्या में भगवान श्री राम के मंदिर के भव्य निर्माण और गर्भ ग्रह में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद अब प्रभु राम के अनन्य भक्त निषादराज की राजधानी श्रृंगवेरपुर को भी भव्य स्वरूप दिया जा रहा है। यूपी की पूर्व की सरकारों में उपेक्षित रहे प्रयागराज के श्रृंगवेरपुर को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नई पहचान दी है। सामाजिक समरसता के प्रतीक इस स्थान को धार्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन के साथ अब रूरल टूरिज्म के साथ भी जोड़ कर विकसित किया जा रहा है।

प्रयागराज की क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी अपराजिता सिंह बताती हैं कि श्रृंगवेरपुर धाम का कायाकल्प का कार्य समापन के चरण में है। इसके अंतर्गत यहां

3732.90 लाख की लागत से निषादराज पर्यटन पार्क स्थल का निर्माण कार्य दो फेज में किया गया है।

निषादराज पार्क (फेज–1) के निर्माण हेतु 1963.01 लाख के बजट से निषादराज एवं भगवान श्रीराम मिलन की मूर्ति की स्थापना व मूर्ति के पैडेस्टल का कार्य, पोडियम का कार्य, ओवर हेड टैंक, बाउण्ड्रीवाल, प्रवेश द्वार का निर्माण, गार्ड रूम आदि कार्य कराया गया। इसी तरह श्रृंगवेरपुर धाम में निषादराज पार्क (फेज–2) के 1818.90 लाख के बजट से इस भगवान श्रीराम के निषादराज मिलन से सम्बन्धित गैलरी , चित्रांकन, ध्यान केन्द्र, केयर टेकर रूम, कैफेटेरिया, पॉथ–वे, पेयजल व टॉयलेट ब्लॉक, कियास्क, पार्किंग, लैंड स्केपिंग, हॉर्टिकल्चर,आउटर रोड, सोलर पैनल, मुक्ताकाशी मंच आदि कार्य कराए गए हैं। 6 हेक्टेयर में बनाए गए इस भव्य पार्क का लोकार्पण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे।

धार्मिक और आध्यत्मिक पर्यटन के साथ श्रृंगवेरपुर धाम को ग्रामीण पर्यटन के साथ जोड़कर विकसित करने का रोड मैप तैयार किया गया है ।अपराजिता सिंह के मुताबिक रूरल टूरिज्म के अन्तर्गत श्रृंगवेरपुर धाम को विकसित किये जाने के लिए सबसे पहले यहां ग्रामीण क्षेत्र में होम स्टे की व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है।

इसके लिए यहां स्थानीय लोगों को अपने यहां मड हाउस या हट बनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है ताकि पर्यटकों को कुछ अलग अनुभव हो सके। इन सभी स्थानों पर थीमेटिक पेंटिंग होगी, स्थानीय खानपान और स्थानीय संस्कृति को भी यहां संरक्षित किया जाएगा । पर्यटक भी यहां स्टे करने के दौरान स्थानीय ग्रामीण क्राफ्ट का हिस्सा बन सके ऐसी उनकी कोशिश है।

नोएडा–ग्रेटर नोएडा एक्वा मेट्रो लाइन का होगा विस्तार

लखनऊ, 22 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में शुक्रवार को हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में यह निर्णय लिया गया है कि नोएडा–ग्रेटर नोएडा के बीच मेट्रो रेल सेवा के एक्वा लाइन का विस्तार किया जाएगा। को भी मंजूर कर लिया गया है। सेक्टर 51 मेट्रो स्टेशन से ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क–20 तक यातायात को और सुगम बनाने के लिए यह निर्णय लिया गया है। वहीं इसके अलावा प्रदेश के 9 शहरी विकास प्राधिकरणों के विस्तारीकरण के लिए सीड कैपिटल मुहैया कराने के प्रस्ताव पर भी योगी कैबिनेट ने मुहर लगा दी है। साथ ही साथ चित्रकूट में 800 मेगावॉट की सौर परियोजना में ट्रांसमिशन लाइन और सबस्टेशन के लिए धन आवंटन को भी मंजूरी दी गई है। इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री शहरी विस्तारीकरण योजना के तहत कानपुर विकास प्राधिकरण की सीमा में 80 गांव को जोड़ने के प्रस्ताव पर भी कैबिनेट की मुहर लग गई है। यह फैसला कानपुर नगर के विकास को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। वित्तमंत्री सुरेश खन्ना ने शुक्रवार को लोकभवन में मीडिया को बताया कि नोएडा से ग्रेटर नोएडा में यातायात को और सुगम बनाने के लिए 17.435 किमी लंबी सेक्टर 51 नोएडा स्टेशन से ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क 20 तक एक्वा लाइन मेट्रो परियोजना के विस्तार के संबंध में मंत्रिमंडल द्वारा प्रस्ताव स्वीकृत किया गया है।

संपादकीय

क्या अब 'नोट जेहाद'?

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े पर 5 करोड़ रुपए नकदी बांटने और शराब की बोतलें कार्यकर्ताओं और मतदाताओं को देने के गंभीर आरोप लगे हैं। महाराष्ट्र में मतदान से कुछ घंटे पहले ही, मुंबई के पास बसई-विरार के एक होटल में, तावड़े नकदी के बैगों के साथ दिखाई दिए, लिहाजा उनके खिलाफ तीन प्राथमिकियां दर्ज की गईं। तावड़े ने आरोपों को खारिज किया है और भाजपा ने इन्हें बेबुनियाद, हास्यास्पद आरोप करार दिया है। विरार और नालासोपारा की स्थानीय पार्टी 'बहुजन विकास अघाड़ी' के विधायक-नेताओं और कार्यकर्ताओं ने होटल में हंगामा मचाया, नोट हवा में लहराए, करीब 3 घंटे तक तावड़े की घेराबंदी किए रखी। विरार के विधायक हितेंद्र ठाकुर ने 5 करोड़ नकदी बांटने का आरोप लगाया है। कुछ डायरियों के भी आरोप लगाए हैं, जिनमें दर्ज है कि किसे, कितना पैसा दिया गया। वह 5 करोड़ रुपए का नकदी कहां है, उसे अभी तक बरामद करके सार्वजनिक नहीं किया गया है। अलबत्ता होटल के कमरा नंबर 405, 410, 416 से क्रमशः 9 लाख, 72500 और 14000 रुपए जरूर बरामद किए गए हैं। इसके अलावा, 4 बोतल शराब और कुछ चुनाव प्रचार सामग्री भी जब्त किए गए हैं। बेशक यह चुनाव की अनैतिकता के साथ-साथ आचार संहिता का उल्लंघन भी है। यह चुनाव-अपराध भी है, क्योंकि प्रचार समाप्त होने के बाद दूसरे चुनाव क्षेत्र में जाना वर्जित है, लिहाजा आचार संहिता का हनन भी है। पुलिस ने संज्ञान लेते हुए बीएनएस की धारा 163 और जनप्रतिनिधित्व कानून की धारा 126 के तहत प्राथमिकी दर्ज की है। आचार संहिता के उल्लंघन के मद्देनजर प्राथमिकी अलग है। सभी तीन प्राथमिकियों में भाजपा नेता विनोद तावड़े को आरोपित बनाया गया है, लेकिन उन्हें गिरफ्तार नहीं किया गया। चूंकि विरार क्षेत्र में 'बहुजन विकास अघाड़ी' का राजनीतिक प्रभाव है, लिहाजा यह उसकी सियासत हो सकती है। तावड़े नोट बांट रहे हों, इसका कोई साक्ष्य नहीं है। नालायकी है अथवा यह जानबूझ कर किया गया, लेकिन होटल के उन कमरों के सीसीटीवी बंद थे। जांच के लिए फुटेज कहां से मिलेगी? बहरहाल नकदी बांटना, शराब मुहैया कराना या कुछ और वस्तुएं बांटना हमारे चुनाव-तंत्र का हिस्सा रहे हैं। नैतिक-अनैतिक होने के सवाल फिजूल हैं। औसतन हर चुनाव में ऐसी घटनाएं सामने आती हैं। महाराष्ट्र के इन चुनावों में ही 18 नवंबर तक करीब 1000 करोड़ रुपए के नकदी, सोना, चांदी और ड्रग्स पकड़े गए थे। नासिक के एक होटल में शिवसेना (शिंदे) के एक नेता करीब 2 करोड़ रुपए नकदी के साथ पकड़े गए। आरोप एनसीपी (शरद) सांसद सुप्रिया सुले और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले पर भी आरोप लगाए गए हैं कि बिटक्वाइन की हेराफेरी के पैसे का इस्तेमाल चुनाव में किया जा रहा है। अब जिम्मेदारी चुनाव आयोग की है कि वह निष्पक्ष जांच करे। हर चुनाव में ऐसा ही निष्कर्ष सामने आता है। 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान 10,000 करोड़ रुपए नकदी, शराब, अन्य वस्तुओं के रूप में पकड़े गए। उनका क्या हुआ? जिन पर केस दर्ज किए गए थे, उनका निष्कर्ष क्या निकला? वे सार्वजनिक क्यों नहीं हो पाए? दरअसल चुनाव आयोग 'दंतहीन' निकाय है। उसे संवैधानिक अधिकार प्राप्त हैं, लेकिन किसी को दंडित करने के अधिकार नहीं हैं। सवाल यह भी है कि जो करोड़ों रुपए जब्त किए जाते हैं, वे कहां जाते हैं? क्या वे किसी राज्य के खजाने का हिस्सा बनते हैं? अदालत में भी सौंपेंगे, तो वहां से भी सरकार के पास ही नकदी जाएगी। तावड़े प्रकरण सामने आया है, तो उद्धव ठाकरे ने इसे 'नोट जेहाद' करार दिया है। राहुल गांधी ने फिर प्रधानमंत्री मोदी से सवाल किया है-आखिर ये 5 करोड़ रुपए किस 'सेफ' से आए हैं? जनता का पैसा लूट कर आपको किसने टेम्पो में नकदी भेजा है? आरोप जितने भी हों, लेकिन यह कोई न्यायिक निष्कर्ष नहीं है।

> महाराष्ट्र में मतदान से कुछ घंटे पहले ही, मुंबई के पास बसई-विरार के एक होटल में, तावड़े नकदी के बैगों के साथ दिखाई दिए, लिहाजा उनके खिलाफ तीन प्राथमिकियां दर्ज की गईं। तावड़े ने आरोपों को खारिज किया है और भाजपा ने इन्हें बेबुनियाद, हास्यास्पद आरोप करार दिया है। विरार और नालासोपारा की स्थानीय पार्टी 'बहुजन विकास अघाड़ी' के विधायक-नेताओं और कार्यकर्ताओं ने होटल में हंगामा मचाया, नोट हवा में लहराए, करीब 3 घंटे तक तावड़े की घेराबंदी किए रखी। विरार के विधायक हितेंद्र ठाकुर ने 5 करोड़ नकदी बांटने का आरोप लगाया है। कुछ डायरियों के भी आरोप लगाए हैं, जिनमें दर्ज है कि किसे, कितना पैसा दिया गया। वह 5 करोड़ रुपए का नकदी कहां है, उसे अभी तक बरामद करके सार्वजनिक नहीं किया गया है। अलबत्ता होटल के कमरा नंबर 405, 410, 416 से क्रमशः 9 लाख, 72500 और 14000 रुपए जरूर बरामद किए गए हैं।

आज गुजरात, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक, आदि के साथ साथ उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, एवं नोर्थ ईस्ट के इलाके भी तेजी से विकास कर रहे

भारत में रोजगार के संदर्भ में बदलना होगा अपना नजरिया

> भारत में अब ग्रामीण इलाके भी देश की अर्थव्यवस्था में अपना योगदान बढ़ा रहे हैं तथा कई राज्यों की आर्थिक स्थिति में सुधार होता हुआ दिखाई दे रहा है। साथ ही, यह भी बताया गया है कि किस प्रकार भारत में तेज गति से हो रहे आर्थिक विकास का लाभ देश के युवाओं को रोजगार के अधिक अवसरों के रूप में मिल रहा है। आज भारत में केवल मुंबई, दिल्ली, कोलकाता, चेन्नई, बैंगलोर, हैदराबाद, पुणे जैसे महानगर ही देश के विकास में भागीदारी नहीं कर रहे हैं बल्कि ग्रामीण इलाकों में भी पर्याप्त विकास हो रहा है। इससे रोजगार के अवसर भी इन इलाकों में निर्मित हो रहे हैं।

भारतीय प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार समिति की सदस्य सुश्री शमिका रवि द्वारा हाल ही में सम्पन्न किए गए एक रिसर्च पेपर में, आंकड़ों के साथ, कई महत्वपूर्ण जानकारियां दी गई हैं। इस रिसर्च पेपर में भारत के आर्थिक विकास के कई क्षेत्रों के सम्बंध में तथ्यों पर आधारित सारगर्भित बातें बताने के साथ साथ यह भी जानकारी दी गई है कि किस प्रकार भारत में अब ग्रामीण इलाके भी देश की अर्थव्यवस्था में अपना योगदान बढ़ा रहे हैं तथा कई राज्यों की आर्थिक स्थिति में सुधार होता हुआ दिखाई दे रहा है। साथ ही, यह भी बताया गया है कि किस प्रकार भारत में तेज गति से हो रहे आर्थिक विकास का लाभ देश के युवाओं को रोजगार के अधिक अवसरों के रूप में मिल रहा है। आज भारत में केवल मुंबई, दिल्ली, कोलकाता, चेन्नई, बैंगलोर, हैदराबाद, पुणे जैसे महानगर ही देश के विकास में भागीदारी नहीं कर रहे हैं बल्कि ग्रामीण इलाकों में भी पर्याप्त विकास हो रहा है। इससे रोजगार के अवसर भी इन इलाकों में निर्मित हो रहे हैं। सबसे अधिक विकास आज अविकसित क्षेत्रों में हो रहा है। आज गुजरात, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक, आदि के साथ साथ उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, एवं नोर्थ ईस्ट के इलाके भी तेजी से विकास कर रहे हैं। विकास के कई नए क्षेत्रों का निर्माण हुआ है। पिछड़े हुए इन राज्यों में गति पकड़ रहा विकास, भारत के सकल घरेलू उत्पाद में और भी अधिक वृद्धि दर्ज करने में सहायक सिद्ध होगा। ग्रामीण इलाकों में मूलभूत सुविधाओं का अतुलनीय विस्तार हुआ है, जिसके चलते अब सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में कार्य करने वाली कम्पनियां भी अपने संस्थानों को ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित हो रही हैं। विशेष रूप से दक्षिणी प्रदेशों में कुछ कम्पनियों ने इस सम्बंध में अच्छी पहल की है। प्राचीन भारत में ग्रामीण क्षेत्र ही आर्थिक विकास के मजबूत केंद्र रहे हैं। इससे इन क्षेत्रों में निवासरत नागरिकों को रोजगार के अवसर भी इनके आसपास के इलाकों में मिल जाते हैं और इन्हें शहरी क्षेत्रों की ओर पलायन करने की आवश्यकता ही नहीं होती है। दूसरे, सामान्यतः देश के

विभिन्न राज्यों की वित्तीय स्थिति में भी मजबूती आई है। कुछ राज्यों के बजटीय घाटे में अतुलनीय सुधार दृष्टिगोचर हुआ है। परंतु, साथ ही कुछ राज्यों जैसे, पंजाब, केरल, पश्चिम बंगाल, हिमाचल प्रदेश, आदि प्रदेशों में आज बजटीय घाटे की स्थिति दयनीय हो रही है जिसे शीघ्र ही सम्हालने की आवश्यकता है क्योंकि एक तो इन राज्यों में विकास दर कम होती जा रही है दूसरे इन राज्यों द्वारा मुफ्त योजनाओं को धड़ल्ले से चलाया जा रहा है, बगैर यह ध्यान दिए कि इन बढ़े हुए खर्चों के लिए क्या उनके बजट में कुछ गुंजाइश भी है। इस प्रकार के बढ़े हुए खर्चे इन राज्यों के बजट पर अंततः दबाव बढ़ाते हैं। आज देश में कुछ राज्यों में ब्याज के भुगतान, प्रशासन सम्बंधी खर्चों एवं सेवानिवृत्त कर्मचारियों को पेंशन का भुगतान करने में ही पूरे बजट की राशि समाप्त हो जाती है। प्रदेश में विकास कार्य करने के लिए कुछ भी राशि बचती ही नहीं है बल्कि कुछ राज्यों को तो इन मदों पर भुगतान करने हेतु भी ऋण लेना होता है जो बजट पर और अधिक दबाव को बढ़ाता है। पूंजीगत खर्चे इन राज्यों में कम ही हो पा रहे हैं जिससे इन राज्यों में प्रति व्यक्ति आय भी कम है और ये राज्य विकास की दर को हासिल नहीं कर पा रहे हैं। दिल्ली में पिछले 10 वर्ष पूर्व तक पूंजीगत मदों पर बजट का एक बहुत बड़ा भाग खर्च होता था परंतु पिछले 10 वर्षों में पूंजीगत व्यय में भारी कमी दृष्टिगोचर हुई है। पंजाब की स्थिति भी बहुत खराब हो गई है केवल 20 वर्ष पूर्व तक पंजाब देश में सबसे अमीर राज्यों की श्रेणी में शामिल था परंतु आज इसके आसपास के राज्य, हिमाचल प्रदेश एवं हरियाणा, भी पंजाब से आगे निकल गए हैं। इन राज्यों में उद्योगों को स्थापित करने की आज सबसे अधिक आवश्यकता है। पंजाब से उद्योग निकलकर हिमाचल प्रदेश एवं हरियाणा में चला गया है। मध्यप्रदेश एवं बिहार कृषि के क्षेत्र में बहुत भारी वृद्धि दर्ज कर रहे हैं परंतु उद्योग के कम मात्रा में होने के चलते इन राज्यों में प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि दर तुलनात्मक रूप से कम है। किसी भी देश के लिए श्रम की भागीदारी एवं बेरोजगारी दो अलग अलग मुद्दे हैं। श्रम की भागीदारी में 18 वर्ष से 59 वर्ष के बीच के वे लोग शामिल रहते हैं जो अर्थ के अर्जन हेतु या तो कुछ कार्य कर रहे हैं अथवा कोई आर्थिक कार्य करने को उत्सुक हैं एवं इस हेतु रोजगार तलाश रहे हैं। पिछले 40 वर्षों के दौरान चीन में श्रम की औसत भागीदारी 75 प्रतिशत से ऊपर रही है। अर्थात प्रत्येक 4 में से 3 लोग या तो रोजगार में रहे हैं अथवा रोजगार तलाशते रहे हैं। वियतनाम में श्रम की भागीदारी 72 से 73 प्रतिशत की बीच रही है। बंगलादेश में यह 60 प्रतिशत से अधिक रही है। परंतु भारत में श्रम की भागीदारी 5 वर्ष पूर्व तक केवल 50 प्रतिशत के आसपास थी जो आज बढ़कर 57 प्रतिशत हो गई है। अर्थात इतने बड़े देश में कुल कार्य करने योग्य जनसंख्या में से आधे से कुछ कम आबादी या तो रोजगार में नहीं है अथवा रोजगार तलाश भी नहीं रही है। यह स्थिति भारत जैसे देश के लिए ठीक नहीं है। दूसरे, बेरोजगारी से आश्य ऐसे नागरिकों से है जो रोजगार तलाश रहे हैं लेकिन उन्हें रोजगार मिल नहीं रहा है। भारत में ऐसे नागरिकों की संख्या मात्र 3 प्रतिशत ही है। समय के साथ बेरोजगारी की दर में थोड़ा बहुत परिवर्तन होता रहता है। परंतु, जब इस स्थिति को विभिन्न प्रदेशों के बीच तुलना करते हुए देखते हैं तो बेरोजगारी की दर में भारी अंतर दिखाई देता है। गुजरात, छत्तीसगढ़, कर्नाटक जैसे राज्यों में बेरोजगारी की दर यह 0.9 से 1.5 प्रतिशत के बीच है, जबकि केरल में 12.5 प्रतिशत है। आर्थिक विकास में वृद्धि के साथ साथ रोजगार के अवसर भी अधिक निर्मित होते हैं।

दृष्टि कोण

चाय का जायका और कांगड़ा टी

भारत में चाय उत्पादन में सबसे ज्यादा योगदान असम का है, उसके बाद पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल एवं अन्य राज्यों का है। भारतीय टी बोर्ड के वर्ष 2023 के आंकड़ों के अनुसार चाय उत्पादन में असम की हिस्सेदारी 49.39 प्रतिशत है तो पश्चिम बंगाल की 31.10 फीसदी है, तो तमिलनाडु का हिस्सा 12.01 प्रतिशत है और केरल 4.57 प्रतिशत का योगदान करता है, जबकि अन्य राज्यों की हिस्सेदारी महज 2.91 फीसदी की है। भारत में चाय उत्पादन के लिए 6.19 लाख हेक्टेयर जमीन का इस्तेमाल होता है और वर्ष 2023-24 में भारत में चाय का उत्पादन 1382.03 मिलियन किलोग्राम था। वर्तमान समय में चीन, भारत, केन्या और श्रीलंका दुनिया के चार सबसे बड़े चाय उत्पादक देश हैं। ये चारों देश मिलकर दुनिया के कुल चाय उत्पादन का 81 फीसदी हिस्सा पैदा करते हैं। वैश्विक चाय उत्पादन सालाना 18 बिलियन डॉलर से अधिक है। वैश्विक चाय उत्पादन में लगभग 13 मिलियन लोग शामिल हैं। यह अनुमान है कि चार प्रमुख उत्पादक देशों (चीन, भारत, केन्या और श्रीलंका) में, लगभग 9 मिलियन चाय उत्पादक किसान छोटे किसान हैं। यदि वैश्विक चाय की खपत का आकलन करें तो दुनिया भर में सबसे ज्यादा चाय चीन और भारत के लोग ही पीते हैं। एफएओ और टीआईआई के अनुसार चीन में 46.0 फीसदी, भारत में 17.79 प्रतिशत, तुर्किये में 3.83 प्रतिशत, पाकिस्तान में 3.79 और रूस के 2.03 फीसदी लोग चाय पीते हैं। जहां तक कांगड़ा चाय के इतिहास का सवाल है, तो इसकी शुरुआत सन् 1849 से मानी जाती है जब बॉटनिकल टी गार्डन के तत्कालीन अधीक्षक डा. जेम्सन ने इस क्षेत्र को चाय की खेती के लिए उपयुक्त पाया। यहां की चाय को 'कांगड़ा टी' के नाम से जाना जाता है और इसे ज्यादातर ऑर्गेनिक तरीके से उगाया जाता है। भारत के सबसे छोटे चाय क्षेत्रों में से एक होने के कारण कांगड़ा की हरी, देसी, ग्रीन टी और काली चाय की भारी मांग है। विदेशों और भारत से कांगड़ा घूमने आने वाले पर्यटकों द्वारा कांगड़ा चाय की विभिन्न किस्मों को पसंद किया और खरीदा जाता है। बीड़-बैजनाथ, भवारना, पालमपुर और नगरी क्षेत्रों के विशाल चाय बागान और चाय बनाने की फैक्टरियों में चाय निर्माण की प्रक्रिया को नजदीक से विस्तारपूर्वक देखा और समझा जा सकता है। कांगड़ा घाटी की जलवायु, जिसमें दिन के समय गर्मी और रात को ठंडक होती है, चाय के उत्पादन के लिए आदर्श मानी जाती है। इस क्षेत्र की चाय को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी मान्यता प्राप्त है और इसे जीआई टैग भी हासिल है, जो इसकी विशिष्टता और गुणवत्ता की गारंटी देता है। भारत में चाय की दिवानगी किसी से छुपी हुई नहीं है और सर्दियों के मौसम में तो इसकी तलब कुछ ज्यादा ही रहती है। प्यार से लेकर इकरार तक में लोग सबसे पहले चाय की चुसकियां लेना पसंद करते हैं। चाय की दुकानों/ढाबों पर राजनीतिक मुद्दे सबसे अधिक सुलझाए जाते हैं, तो वहीं देश-दुनिया की सभी बातों पर चर्चा भी चाय की टपरी पर ही परवान चढ़ती है। प्रतिवर्ष 21 मई का दिन अंतरराष्ट्रीय चाय दिवस के रूप में मनाया जाता है। खाद्य और कृषि संगठन के महानिदेशक क्यू डोंग्यू का मानना है कि, 'चाय उद्योग आर्थिक विकास के लिए एक इंजन बन सकता है। यह गरीबी और भूख के खिलाफ हमारी लड़ाई में योगदान दे सकता है और विशेष रूप से ग्रामीण समुदायों के लिए आय और रोजगार के एक प्रमुख स्रोत का प्रतिनिधित्व करता है।' दुनिया की सबसे महंगी चाय, दा-होंग पाओ चाय की कीमत करीब 9 करोड़ रुपए प्रति किलोग्राम है। पांडा डंग टी, यह चीन से आती है और इसे पांडा के गोबर से खाद के रूप में उगाया जाता है। इसकी कीमत करीब 57 लाख रुपए प्रति किलोग्राम है। गोल्डन पर्ल और मनोहरी गोल्ड चाय असम में उगाई जाती है और इसकी कीमत 99999 रुपए प्रति किलोग्राम है। दुनिया के सबसे मशहूर चाय बेचने वालों में डॉली चायवाला जिनका असली नाम सुनील पाटिल है, इन दिनों खूब मशहूर हैं, वहीं प्रफुल्ल बिल्लोर को एमबीए चाय वाला के नाम से जाना जाता है तथा वे चाय बेचकर 24 साल की उम्र में ही करोड़पति बन चुके हैं। अमूलेक सिंह बिजराल ने साल 2010 में चाय प्वाइंट की शुरुआत की थी और यह भारत का पहला चाय स्टार्टअप है। नितिन सलूजा और राघव वर्मा ने साल 2012 में चायोस की शुरुआत की थी। अनुभव दुबे ने चाय सुट्टा बार की शुरुआत की थी। भारत में चाय उत्पादन में कई समस्याएं हैं जैसे बढ़ती उत्पादन लागत और चाय की स्थिर कीमतें, प्रतिकूल मौसम, वैश्विक चाय अधिशेष, कम श्रमिक उत्पादकता, जलवायु परिवर्तन, कीट रोग, मिलावट, गुणवत्ता में गिरावट और चाय बोर्ड से लंबित सब्सिडी। भारतीय चाय के संवद्र्धन एवं विकास के लिए भारत सरकार ने भारतीय चाय बोर्ड की स्थापना वर्ष 1953 में की थी और इसका मुख्यालय कोलकाता में है। पूरे भारत में इसके 17 कार्यालय हैं। टी बोर्ड मुख्यतः चाय उत्पादन, वितरण और समस्याओं के निराकरण के लिए उत्तरदायी संस्था है। भारत में चाय उद्योग से संबंधित समस्याओं से निपटने और चाय उद्योग में सुधार के लिए कुछ उपाय किए जाने की जरूरत है जिनमें अनुसंधान एवं विकास पर ज्यादा ध्यान दिया जाना चाहिए।

कुछ अलग

सामाजिक जागरूकता

हमारे देश में बाल दिवस भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू जी के जन्मदिन यानी 14 नवंबर को मनाया जाता है, लेकिन दुनिया यह दिवस 20 नवंबर को मनाती है। इस साल भी यह दिवस पूरे विश्व में मनाया गया। इसकी शुरुआत संयुक्त राष्ट्र ने 1954 में की थी। यह दिवस बच्चों से जुड़े मुद्दों के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए मनाया जाता है। 20 नवंबर 1959 में संयुक्त राष्ट्र की जनरल असेंबली ने बाल अधिकारों की घोषणा की थी। बाल अधिकारों को चार अलग-अलग भागों में बांटा गया है- जीवन जीने का अधिकार, संरक्षण का अधिकार, सहभागिता का अधिकार और विकास का अधिकार। बचपन बहुत सारी ऊर्जा लिए, मासूमियत, खेलकूद व शरारतों से भरा होता है। इसी समय में सीखी गई बातें जीवन की नींव बनती हैं। बच्चे का मन कोरी स्लेट की तरह होता है। उन्हें जैसे संस्कार और व्यवहार मिलता है, उसी से उस बच्चे के जीवन में उसका व्यवहार और विचार प्रभावित होते हैं। इसी समय में शारीरिक व मानसिक विकास होता है। इसलिए हर बच्चे को स्वस्थ, समृद्ध व संस्कारपूर्ण बचपन देना उसका अधिकार है। हमारे देश में विश्व बाल दिवस को राष्ट्रीय बाल अधिकार दिवस के रूप में मनाया जाता है, ताकि बच्चों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया जा सके। राष्ट्रीय बाल अधिकार दिवस मनाने का उद्देश्य बच्चों के अधिकारों की देखभाल करने के साथ साथ कई कुरीतियों जैसे बाल विवाह, बाल मजदूरी, शोषण, तस्करी करना आदि को रोकना है। आपको कई छोटे-छोटे बच्चे छोटे-बड़े होटलों व ढाबों पर कप-प्लेट उठाते मिल जाएंगे। जिन नन्हें हाथों में किताबें होनी चाहिए थीं, वो नन्हें हाथ चाय के कप धोते नजर आते हैं। इसका एक कारण इन बच्चों की मजबूरियां हैं। इनके समाज का ऐसा माहौल है कि ये बच्चे इतनी कम उम्र में काम करने को मजबूर हो जाते हैं। देश में बाल मजदूरी के खिलाफ कानून सख्त है। केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा शुरू किया गया पेंसिल पोर्टल बाल श्रम को खत्म करने वाला एक इलेक्ट्रॉनिक प्लेटफार्म है। सशक्त विकास योजना के लक्ष्यों में बाल मजदूरी को 2025 तक समाप्त करने का लक्ष्य रखा गया है। बालश्रम के विरुद्ध फैक्टरी कानून 1948 में, बाल श्रम (निषेध व नियमन) कानून 1986 में बनाया गया तथा साल 2016 में बदलाव करके इसे और सख्त बनाया गया। हमारा देश शुरुआत से ही बच्चों के अधिकारों, समानता और उनके विकास के लिए प्रतिबद्ध रहा है। इसके लिए भारतीय संविधान में सभी बच्चों के लिए कुछ खास अधिकार सुनिश्चित किए गए हैं, जैसे 6 से 14 साल की आयु वाले सभी बच्चों की अनिवार्य और निःशुल्क प्रारंभिक शिक्षा का प्रावधान किया गया है। अनुच्छेद 24 में 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को जोखिम वाले कार्य करने से सुरक्षा का प्रावधान किया गया है। अनुच्छेद 39 (घ) में आर्थिक जरूरतों की वजह से जबरन ऐसे कामों में भेजना जो बच्चों की आयु के उपयुक्त नहीं है, से सुरक्षा का प्रावधान किया गया है। अनुच्छेद 39 (च) में बालकों को स्वतंत्र और गरिमामय माहौल में स्वस्थ विकास के अवसर और सुविधाएं मुहैया कराने और शोषण से बचाने का प्रावधान किया गया है। इसके बावजूद यह तथ्य है कि आज भी सामाजिक जागरूकता चाहिए।

देश दुनिया से

जीवन का आनंद

कहा जाता है कि चौरासी लाख योनियों का कष्ट भुगतने के बाद हमें मानव रूप में जन्म लेने का सौभाग्य प्राप्त होता है। यही कारण है कि ज्यादातर धर्मों में मानव जीवन की बहुत महत्ता गाई गई है और यह कहा गया है कि मानव रूप में परमात्मा का भजन करके जीवन को सफल बनाना ही हमारा उद्देश्य होना चाहिए। बहुत से ज्ञानी जन यह मानते हैं कि मनुष्य रूप में भी हमारे कई-कई जन्म होते हैं और जब तक हम शुद्ध होकर परमात्मा में विलीन होने के काबिल नहीं हो जाते, तब तक जन्म-मरण का चक्कर चलता रहता है। ऐसे सभी धर्म और ये ज्ञानी जन इस एक बात पर सहमत हैं कि आत्मा अजर, अमर है और शरीर का नाश होता है, आत्मा न मरती है न उसका नाश संभव है, लेकिन बहुत से अन्य धर्म ऐसे भी हैं जो पुनर्जन्म में विश्वास नहीं करते, वे सिर्फ सात्विक जीवन की बात करते हैं, परमात्मा के भजन की बात करते हैं, समाज सेवा की बात करते हैं, पर पुनर्जन्म को नहीं मानते। शब्द कुछ भी हों, भाव यही होता है। विज्ञान पुनर्जन्म को नहीं मानता। विज्ञान और वैज्ञानिक इस विचार को पूरी तरह से नकारते हैं, और यह सच भी है कि अभी तक पुनर्जन्म के किसी साक्ष्य पर दुनिया भर में वैज्ञानिक ढंग से कोई शोध करके इसकी सच्चाई को सिद्ध नहीं किया जा सका है। यही नहीं, जिन देशों में या जिन धर्मों में पुनर्जन्म की धारणा को नहीं माना जाता, वहां ऐसा कोई ठोस मामला भी कभी सामने नहीं आया जब किसी ने अपने किसी पिछले जन्म का जिक्र किया हो। धार्मिक आस्था वाले लोग और आध्यात्मिक लोग यह कहकर अपना पीछा छुड़ा लेते हैं कि विज्ञान की बहुत सी सीमाएं हैं और विज्ञान कभी भी अध्यात्म की गहराइयों, या यूं कहिए कि अध्यात्म की ऊंचाइयों तक नहीं पहुंच सकता। प्रसिद्ध मनोचिकित्सक और आज की दुनिया में सर्वाधिक प्रतिष्ठित हिप्नोथेरेपिस्ट, अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त लेखक डा. ब्रायन वीज ने पश्चिमी जगत में पुनर्जन्म की धारणा को सच मानने का अभियान चलाया है। उल्लेखनीय है कि वे एक ईसाई हैं और ईसाई धर्म में पुनर्जन्म की धारणा नहीं है। उनका दावा है कि एक मनोचिकित्सक और हिप्नोथेरेपिस्ट के रूप में काम करते हुए अपने मरीजों का इलाज करने के दौरान उन्हें कई अलौकिक अनुभव हुए और उनके मरीजों ने अपने पिछले जीवन की घटनाएं देखीं। परंतु विज्ञान जगत उनके इस दावे से सहमत नहीं है। वैज्ञानिक इस दावे को दिमाग की कल्पना मानते हैं कि कोई व्यक्ति ट्रांस की स्थिति में अपने पिछले जीवन को देख सकता है। डा. ब्रायन वीज एक शिक्षित एवं अनुभवी मनोचिकित्सक हैं, और वे खुद भी यही कहते हैं कि विज्ञान को इस दिशा में काम करना चाहिए। यानी, अभी तक पुनर्जन्म को वैज्ञानिक ढंग से सिद्ध नहीं किया जा सका है। स्वर्गीय लेखक खुशवंत सिंह ने एक बार दलाई लामा का इंटरव्यू किया था। उस बातचीत के दौरान खुशवंत सिंह ने पूछा कि ऐसा क्यों है कि पश्चिमी देशों में, जहां ईसाई धर्म की मान्यता है, वहां कभी किसी व्यक्ति ने अपने पिछले जीवन की दास्तान नहीं सुनाई है, ऐसा क्यों है कि पिछले जीवन की घटनाओं की खबरें सिर्फ उन्हीं देशों से आती हैं जहां पुनर्जन्म की धारणा पर विश्वास किया जाता है। जवाब में दलाई लामा ने जो कहा, उसका सार यह है कि आपका यह कथन सत्य है कि पुनर्जन्म को लेकर जितनी भी घटनाएं सामने आई हैं, वैज्ञानिक शोध में उनकी सच्चाई सिद्ध नहीं हो सकी है, पर मेरे धर्म में पुनर्जन्म की धारणा है, अतः पुनर्जन्म में मेरी आस्था है और मैं यह मानता हूं कि आप मेरी आस्था पर सवाल नहीं कर रहे हैं। लब्बोलुबाब यह कि पुनर्जन्म आज भी विवाद का विषय है। अगर हम यह मान लें कि पुनर्जन्म नहीं होता, आत्मा नाम की कोई चीज नहीं है, और स्वर्ग-नरक भी कहानियों का विषय है जिसे धर्मावलंबियों ने अपनी दुकान चलाने के लिए गढ़ रखा है, तो भी एक बात से तो कोई इंकार नहीं कर सकता कि हम सब एक सुखी, खुशहाल और खुशियों से भरपूर जीवन जीना चाहते हैं। एक शब्द में कहें तो हम सब 'आनंद' चाहते हैं। अब अगर हम अपने चारों ओर देखें तो हम यह पाते हैं कि कोई भी व्यक्ति सुखी नहीं है, खुश नहीं है, और आज लगभग हर व्यक्ति किसी न किसी संघर्ष से गुजर रहा है और तनाव भरा जीवन जी रहा है। तनाव की स्थिति इतनी भयानक है कि समाज का हर वर्ग इससे ग्रसित है, परेशान है और दुख भोग रहा है। अमीर हो या गरीब, राजा हो या भिखारी, मालिक हो या कर्मचारी, सभी किसी न किसी तनाव से ग्रसित हैं। गलाकाट प्रतियोगिता, आगे बढने की उत्कट चाह, सबसे अलग दिखने की इच्छा, पड़ोसी के सुख में दुखी, क्रोध, ईर्ष्या, डर, ग्लानि आदि से पीड़ित मानव समाज एक ऐसे चक्रव्यूह का शिकार है जिससे निकलने की कोई राह उसे नहीं सूझ रही है। मनोविज्ञान यह मानता है कि कृतज्ञता की भावना, प्रेमपूर्ण दृष्टिकोण, सेवा के कार्य और प्रार्थना से युक्त जीवन हर संकट की रामबाण औषधि है। इन मान्यताओं से वैज्ञानिक भी सहमत हैं। यहां मनोविज्ञान, विज्ञान और अध्यात्म में कोई विवाद नहीं है। अध्यात्म भी कहता है कि पूजा सिर्फ तभी पूजा है जब हम प्रेममय हो जाते हैं, देश, धर्म, जाति, लिंग, क्षेत्र की बात छोडक़र हर व्यक्ति से प्रेम करने लगते हैं, बिना कारण प्रेम करने लगते हैं। हम पूजा करें या न करें, पर यदि हम प्रेममय हो जाएं और किसी का दुख बांट लें, किसी की सहायता कर दें, किसी को मार्गदर्शन दें तो हमें अलौकिक खुशी मिलती है। हमें जो प्राप्त है, उसे ही पर्याप्त मानकर संतुष्ट हों, जीवन के प्रति कृतज्ञ हों तो फिर हम पूजा करें या न करें, हम एक परिपूर्ण और सुखी जीवन जी सकते हैं। यह जीवनशैली अपना लें तो मानसिक रोग नहीं होते और मन हमेशा प्रसन्न-प्रफुल्लित रहता है। अध्यात्म कहता है कि हम दुनियादारी के सारे काम करें, ईर्ष्या, द्वेष और लालच से मुक्त होकर अपनी जिम्मेदारियां निभाएं, फिर हमारा मन ही मंदिर हो जाता है। जब हम सब इस बात पर एकमत हैं कि हम जीवन में आनंद चाहते हैं और यदि हम 'जो प्राप्त है, पर्याप्त है' की धारणा से संतुष्टि भरा जीवन जिएं, अपनी जिम्मेदारियां ईमानदारी से निभाएं, सदा सच ही बोलें और किसी का दिल न दुखाएं तो हम एक स्वस्थ जीवन जीते हुए सदैव आनंदित रह सकते हैं। सवाल यह है कि जब यह इतना आसान है तो लोग इसे अपनाते क्यों नहीं? जवाब यह है कि हम अक्सर उस बात की उपेक्षा कर देते हैं जो सामान्य है, और आसान नजर आता है, तो सबक यही है कि हम इस 'आसान' मंत्र की उपेक्षा न करें, इसे जीवन में उतारें और सचमुच एक आनंद भरा जीवन जीने की राह जरूर प्रशस्त करें।

आप का नजरिया

लोकतंत्र की यह कैसी पहचान

तत्ववेत्ता कहते हैं कि अपने अंदर एक शहर ही नहीं, पूरा ब्रह्मांड खुलता महसूस करो। जब से मुल्क के मसीहाओं ने हमारी नौकरी, रोटी और राहत भरे भविष्य की चिंता छोड़ कर हमें ऐसे तत्व चिंतन से जीवन जीने का संदेश देना शुरू किया है, हमने भी रुख बदल कर पलायन में राहत तलाश शुरू कर दी है। शुरू से सुनते आए थे कि रोटी, रोजी दे न सके, वह सरकार निकम्मी है। जो सरकार निकम्मी है वह सरकार बदलनी है। अब बदलने की तो बात ही न कीजिए। आजकल तो बदलने की बात गुनाह है, जिसे देखो वही उम्र भर का सामना करता नजर आता है। पल की खबर नहीं, इसके बारे में न कोई सोचता है, न कोई महसूस करता है। जो एक बार चुनाव जीत जाता है, उसका सपना अपनी गद्दी पर फैवीकोल हो जाने का हो जाता है। अचानक उसके अंदर समाज से अधिक परिवार का दायित्व जाग जाता है। जब तक जियें अपने लिए गद्दी सुरक्षित रखें, उसके बाद बेटे-बेटियां ही नहीं, नाती-पोते भी तो हमारी जिम्मेदारी है। अपने अंदर जो ब्रह्मांड नेता जी खुलता महसूस करते हैं, वह उनके घर के दालान से ही उन्हें खुलता नजर आता है। उन्हें लगता है कि यह निर्विवाद सत्य है कि गरीब के बेटे को गरीब और मजदूर के बेटे को मजदूर रहना है, इसी प्रकार राजा के बेटे को राजा, और नेता के बेटे को नेता रहना है। अब राजे-रजवाड़े तो रहे नहीं, इसलिए वजीरी के सर्वाहितकार इन घरानों में सुरक्षित रहने चाहिए। हम समाजवाद का जितना चाहे राग अलाप लें, राजाओं के घर कभी रंक पैदा नहीं होते। राजपथ अगर उनकी अभीष्ट सडक़ है, तो इस सडक़ को जाने वाली सत्तावन गलियां उनके राजप्रसादनुमा भव्य भवन से ही शुरू होती हैं। देश की 140 करोड़ जनता के लिए एक बरस का जो बजट सरकार बनाती है, उसके बराबर तो देश के एक प्रतिशत की धन-सम्पदा है। ऐसे लोगों को पीढ़ी दर पीढ़ी प्रणाम करके उनकी शोभायात्रा निकालना ही उस 99 प्रतिशत का परम धर्म है। इसी को इस देश में लोकतंत्र की पहचान कहते हैं। यही वह लोकतंत्र है जिसे इस देश का हर आदमी अपने अंदर पिछली पौन सदी से जीता महसूस कर रहा है। सपनों का एक शहर है जो नेता लोग अपने घोषणापत्रों से, भाषणों से उसके अंदर जिंदा करते हैं। इस शहर में न जाने कितने खुल जा सिम-सिम हैं जो उसके अंदर वोट डालने के दिनों में खुल जाते हैं। चार दिन की चांदनी के रूप में न जाने कितने जादुई चिराग हैं, जो मीरे कारवां अपनी शोभायात्राओं से उनके अंदर बांट जाते हैं। लीजिये चार दिन चांदनी के गुजर गए, अब फिर अंधेरी रात पसर गई। अब जितना चाहे 'खुल जा सिम-सिम' कह लो, मंजिल तक ले जाने वाली कोई अंधेरी सुरंग उनके लिए नहीं खुलती। जिंदगी में गड़ा खजाना मिलने की बात उन्हें कैसे कहें, जो पिछली पौनी सदी में कूड़े के डम्प भी अपनी जिंदगी से हटा नहीं पाए। बल्कि अब तो वह डम्प उनकी जिंदगी के पिछवाड़े से सरककर उनकी ड्योढ़ी तक आ गए। उम्मीद थी कि इन सब दिनों में उनकी जिंदगी में तरक्की के सिंह द्वार खुल जाएंगे, लेकिन यह द्वार किसी भूलभलैया में खो गए और रिश्वतखोरी से लेकर दलाली तक को कानून सम्मत बनाने की मांग होने लगी।

पाकिस्तान में डॉक्टर की लापरवाही से नवजात की मौत मां 7 दिन तक तड़पती रही, कोर्ट ने लगाया भारी जुर्माना

इस्लामाबाद, 22 नवंबर (एजेंसियां)।

पाकिस्तान में चिकित्सा लापरवाही का एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है, जहां एक डॉक्टर की लापरवाही से नवजात की मौत हो गई और मां को सात दिनों तक असहनीय दर्द सहना पड़ा। इस घटना पर कंज्यूमर कोर्ट ने सख्त रुख अपनाते हुए डॉक्टर गजाला राशिद को 7.90 लाख पाकिस्तानी रुपये मुआवजा देने का आदेश दिया है। साथ ही, डॉक्टर पर 2 लाख रुपये का अतिरिक्त जुर्माना भी लगाया गया। जुर्माना न भरने पर डॉक्टर को दो साल की जेल हो सकती है। यह मामला तब शुरू हुआ जब मोमल जलबानी नामक महिला ने अपनी डिलीवरी के लिए डॉक्टर गजाला राशिद से संपर्क किया। डिलीवरी के दौरान सिजेरियन ऑपरेशन किया गया, लेकिन डॉक्टर की लापरवाही से नवजात की जान चली गई। डॉक्टर ने दावा किया कि ऑपरेशन के दौरान जटिलताएं आई थीं, जिसकी वजह से बच्चा नहीं बच पाया।

डिलीवरी के तीन दिन बाद महिला को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई, लेकिन घर पहुंचने के बाद भी उनकी हालत बिगड़ती गई। दर्द बढ़ने पर महिला को वापस उसी डॉक्टर के पास ले जाया गया, जहां उन्हें अगले सात दिनों तक भर्ती रखा गया। हालत में कोई सुधार न होने पर परिवार ने दूसरे अस्पताल में मरीज को शिफ्ट किया। नए अस्पताल में पता चला कि ऑपरेशन के दौरान तकनीकी गलती की वजह से संक्रमण फैल गया था। समय रहते इलाज से महिला की हालत में सुधार आया। इस खुलासे के बाद परिवार ने डॉक्टर से संपर्क किया, लेकिन उन्हें धमकियां दी गईं। मजबूर होकर परिवार ने कंज्यूमर कोर्ट में मामला दर्ज किया।

न्यूज ब्रीफ

भारत में रह रहीं हसीना के खिलाफ बांग्लादेश में मुकदमों की बाढ़

ढाका। बांग्लादेश में राजनीतिक संकट गहराता जा रहा है। प्रधानमंत्री शेख हसीना इस समय भारत में शरण लिए हुए हैं, जबकि देश में अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने उनके खिलाफ कई कानूनी मुकदमे दर्ज करवा दिए हैं। यह स्थिति इतनी गंभीर है कि शेख हसीना के स्वदेश लौटने पर उनके जीवन का अधिकांश समय अदालतों में बीत सकता है। मोहम्मद यूनुस ने न केवल शेख हसीना बल्कि उनकी पार्टी अवामी लीग पर भी शिकंजा कसने की कोशिश की है। यूनुस का प्रयास है कि आगामी चुनावों में अवामी लीग की भागीदारी पर प्रतिबंध लगाया जाए। हालांकि, इस मामले में अप्रत्याशित मोड़ तब आया जब शेख हसीना की कट्टर राजनीतिक विरोधी बांग्लादेश नेशनल पार्टी की अध्यक्ष खालिदा जिया ने यूनुस की योजना का विरोध किया। बीएनपी, जो बांग्लादेश की सबसे मजबूत विपक्षी पार्टी मानी जा रही है और आगामी चुनावों में सत्ता में आने की प्रबल दावेदार है, ने कहा कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सभी दलों की भागीदारी आवश्यक है। बीएनपी महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर ने बुधवार को कहा, अवामी लीग एक राजनीतिक दल है और जनता को यह तय करने का अधिकार है कि वे चुनाव में भाग लें या नहीं। बीएनपी का मानना है कि चुनाव से पहले देश में व्यापक राजनीतिक सुधार होना चाहिए। इसके अलावा, जिन लोगों ने देश की संपत्ति का दुरुपयोग किया है, उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। बीएनपी अध्यक्ष खालिदा जिया, जो लंबे समय से हसीना की विरोधी रही हैं, अब इस मुद्दे पर उनका समर्थन करती नजर आ रही हैं। उन्होंने सशस्त्र सेना दिवस के समारोह में भाग लेने का भी फैसला किया है। यह 2018 में जेल से रिहा होने के बाद किसी आधिकारिक कार्यक्रम में उनकी पहली भागीदारी होगी। बीएनपी के इस कदम ने मोहम्मद यूनुस को बैकफुट पर धकेल दिया है। देश में यूनुस की अंतरिम सरकार को पहले ही आलोचना का सामना करना पड़ रहा है, और अब बीएनपी के इस रुख ने राजनीतिक संतुलन को और जटिल बना दिया है।

ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच समझौता सैन्य विमानों के लिए हवा से हवा में भरेंगे ईंधन

कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया और भारत ने रॉयल ऑस्ट्रेलियाई वायुसेना (आरएएएफ) और भारतीय सशस्त्र बलों को हवा से हवा में ईंधन भरने में सक्षम बनाने के लिए एक व्यवस्था पर हस्ताक्षर किए हैं। यह जानकारी ऑस्ट्रेलियाई रक्षा मंत्रालय के एक बयान में दी गई है। इसके अनुसार रक्षा उद्योग और क्षमता वितरण मंत्री पैट कॉनरॉय एमपी और भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को द्विपक्षीय चर्चा के दौरान इस व्यवस्था की घोषणा की। इस व्यवस्था के तहत आरएएएफ का हवा से हवा में ईंधन भरने वाला विमान केसी-30ए मल्टी-रोल टैंकर ट्रांसपोर्ट भारतीय सशस्त्र बलों के विमानों में ईंधन भरने में सक्षम होगा। बयान में कहा गया है कि वायु सेना के उप प्रमुख, एयर वाइस मार्शल हार्वे रेनॉल्ड्स, एएम ने 19 नवंबर को नई दिल्ली में ऑस्ट्रेलिया-भारत एयर स्टाफ वार्ता में व्यवस्था पर हस्ताक्षर किए। रेनॉल्ड्स ने व्यवस्था का स्वागत करते हुए कहा कि यह ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच रक्षा संबंधों को मजबूत करता है। रेनॉल्ड्स ने कहा कि भारत ऑस्ट्रेलिया के लिए शीर्ष स्तरीय सुरक्षा साझेदार है और हमारी व्यापक रणनीतिक साझेदारी के माध्यम से हम व्यावहारिक और ठोस सहयोग को प्राथमिकता देना जारी रख रहे हैं, जो सीधे हिंद-प्रशांत क्षेत्र की स्थिरता में सहयोगी होगा।

हैती में बढ़ती हिंसा, राजधानी पोर्ट-ऑ-प्रिंस में सशस्त्र गिरोह हो रहे मजबूत, यूएन महासचिव ने जताई चिंता

संयुक्त राष्ट्र ,22 नवंबर। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने हैती में बढ़ रही हिंसा पर चिंता व्यक्त की है। इस बीच दक्षिण अमेरिकी देश की राजधानी पोर्ट-ऑ- प्रिंस में सशस्त्र गिरोहों के मजबूत होने की खबरें आ रही हैं।संयुक्त राष्ट्र महासचिव के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कहा कि गुटेरेस ने मंगलवार को बढ़ती हिंसा से निपटने के लिए बहुराष्ट्रीय सुरक्षा सहायता (एमएसएस) मिशन के समर्थन के साथ हैतीयन राष्ट्रीय पुलिस के प्रयासों का पुरजोर समर्थन किया।यूएन महासचिव ने यह सुनिश्चित करने के लिए अपनी अपील दोहराई कि एमएसएस मिशन की सफलता के लिए वित्तीय और रसद सहायता मिलती रहनी जरूरी है।

अब पुतिन के रडार पर पोलैंड, एक ही वार में अमेरिका और यूक्रेन के हौसले हो जाएंगे पस्त

मॉस्को, 22 नवंबर (एजेंसियां)।

रूस और यूक्रेन के बीच जारी संघर्ष ने अब एक नया और खतरनाक मोड़ ले लिया है, क्योंकि दोनों देशों ने अब लंबी दूरी की मिसाइलों का उपयोग करना शुरू कर दिया है। यूक्रेन ने अमेरिकी एटीएसीएमएस मिसाइलों से रूस पर हमले तेज कर दिए हैं, जबकि रूस ने भी कीव पर इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल (आईसीबीएम) दागकर अपनी सैन्य शक्ति का प्रदर्शन किया है, यह संकेत देता है कि वह संघर्ष में किसी भी हद तक जा सकता है।

इस बीच, रूस ने गुरुवार को घोषणा की कि उसने पोलैंड में स्थित नए अमेरिकी बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस बेस को अपनी टारगेट प्रायोरिटी लिस्ट में शामिल कर लिया है। यह बेस बाल्टिक कोस्ट के पास स्थित रेड्जिकोवो शहर में है, जिसे 13 नवंबर को आधिकारिक तौर पर खोला गया था। रूस का कहना है कि इस प्रकार की पश्चिमी सैन्य सुविधाएं उसके लिए खतरे की घंटी हैं।

रूसी विदेश मंत्रालय ने एक्स पर एक बयान जारी करते हुए कहा, पोलैंड में अमेरिकी मिसाइल डिफेंस बेस को हमारी संभावित टारगेट लिस्ट में रखा गया है। इन पश्चिमी सैन्य सुविधाओं से उत्पन्न खतरों का स्तर और प्रकृति हमें अच्छी तरह से ज्ञात है। नाटो ने हालांकि यह स्पष्ट किया है कि यह मिसाइल डिफेंस सिस्टम पूरी तरह से डिफेंसिव है और इसका उद्देश्य यूरो-अटलांटिक क्षेत्र के बाहर से बढ़ते बैलिस्टिक मिसाइल खतरे से रक्षा करना है, लेकिन रूस इसे बार-बार खतरे के रूप में देखता है। नाटो के महासचिव जेन्स स्टोलटेनबर्ग ने 20 नवंबर को कहा था, यह बेस यूरो-अटलांटिक क्षेत्र के बाहर से बढ़ते बैलिस्टिक मिसाइल खतरों के खिलाफ हमारी रक्षा को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाता है। वहीं, क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने इस नए बेस को यूरोप में अमेरिकी सैन्य ढांचे की प्रगति का प्रतीक बताया और कहा कि यह रूस की सीमाओं की ओर बढ़ने का संकेत है। पोलैंड के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता पावेल व्रोंस्की ने स्पष्ट किया कि इस बेस में कोई परमाणु मिसाइलें नहीं हैं और यह केवल रक्षा के उद्देश्य से है। उन्होंने कहा, यह बेस सिर्फ रक्षा के लिए काम करता है, न कि हमले के लिए। इस बयान से पोलैंड और नाटो की एयर डिफेंस क्षमता को मजबूत करने के संदेश को स्वीकार करते हुए व्रोंस्की ने कहा कि अमेरिका को भी इसे ध्यान में रखना चाहिए।

कनाडा में गिरती लोकप्रियता से जूझ रहे जस्टिन त्रूडो, अब लाएंगे लड़की बहिन जैसी योजना

ओटावा। खालिस्तानियो के चक्कर में भारत से संबंध विगाडने वाले कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की लोकप्रियता ध्वस्त हुई है। लोकप्रियता पर लगे इस डेंट को ठीक करने के लिए ट्रूडो अब लडकी और बहिन जैसी योजना लाकर फ्री की रेवडियां बांटने की कोशिश में जुटे हुए हैं। महंगाई और बेरोजगारी से जूझ रही कनाडाई जनता ने उनकी सरकार के प्रति असंतोष जताया है। आगामी 2024 के संसदीय चुनावों से पहले उनकी स्थिति कमजोर होती दिख रही है। अपने घटते जनसमर्थन को देखते हुए, ट्रूडो ने मध्यवर्गीय नागरिकों को राहत देने के लिए कई बड़े फैसले लिए हैं। किराने का सामान, बच्चों के कपड़े और अन्य आवश्यक वस्तुओं पर जीएसटी और एचएसटी को हटाने की घोषणा की गई है। यह छूट 14 दिसंबर से लागू होगी और अगले दो महीनों तक जारी रहेगी। माना जा रहा है कि इससे दैनिक उपयोग की वस्तुओं की कीमतें कम होंगी और जनता को सीधा लाभ मिलेगा। 21 हजार रुपए का चैक मिलेगा हर महिने इसके अतिरिक्त, सरकार ने 1.5 लाख डॉलर से कम की वार्षिक आय वाले नागरिकों के लिए नकद सहायता का ऐलान किया है। अप्रैल 2024 में ऐसे लोगों के मेल बॉक्स में 250 डॉलर (भारतीय मुद्रा में लगभग 21,000 रुपये) का चेक भेजा जाएगा। इस कदम को ट्रूडो सरकार की जनता का भरोसा वापस पाने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है। हाल के दिनों में, भारत के साथ खालिस्तान समर्थकों के मुद्दे पर बढ़ते विवाद ने ट्रूडो की अंतरराष्ट्रीय छवि को प्रभावित किया है। वहीं, घरेलू स्तर पर महंगाई और बेरोजगारी की समस्याएं उनके लिए राजनीतिक संकट का कारण बन रही हैं। उनकी पार्टी लिबरल पार्टी ऑफ कनाडा के भीतर भी असंतोष के स्वर उभरे हैं। विश्लेषकों का मानना है कि ट्रूडो की नई आर्थिक घोषणाएं जनता को लुभाने की कोशिश हैं, लेकिन महंगाई जैसे दीर्घकालिक मुद्दों का समाधान करना उनकी सरकार के लिए सबसे बड़ी चुनौती होगी। 2024 का चुनाव तय करेगा कि ये फैसले उनकी राजनीतिक स्थिति को कितना मजबूत कर पाते हैं।

युद्ध से गाजा बना बच्चों का कब्रिस्तान, स्वास्थ्य, सुरक्षा शिक्षा से हो रहे वंचित

गाजा, 22 नवंबर (एजेंसियां)।

गाजा में इजराइली के हवाई हमलों में मारे गए हजारों लोगों और भयावह परिस्थितियों के बीच फिलिस्तीनी शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र एजेंसी (यूएनआरडब्ल्यूए) के प्रमुख जनरल फिलिप लाजारिनी ने गहरी चिंता जताई है। विश्व बाल दिवस पर उन्होंने गाजा को बच्चों के लिए कब्रिस्तान बताया है। उन्होंने कहा कि इजराइली हमलों में यहां बच्चे न केवल मारे जा रहे हैं और घायल भी हो रहे हैं, बल्कि उन्हें सुरक्षा, शिक्षा और सामान्य बचपन के अधिकारों से वंचित भी हो गए हैं।

उन्होंने कहा कि गाजा के बच्चों का बचपन छिन चुका है। वे एक खोई हुई पीढ़ी बनने के कगार पर हैं, क्योंकि उन्होंने एक और स्कूल का साल खो दिया है। वेस्ट बैंक के बच्चों की स्थिति का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि वे डर और चिंता के साए में जीने को मजबूर हैं। फिलिस्तीनी समूहों ने गाजा और वेस्ट बैंक में बच्चों की सुरक्षा तय करने के लिए अंतरराष्ट्रीय कार्रवाई की मांग की है।

फिलिस्तीनी विदेश मंत्रालय ने कहा कि इजराइली कार्रवाइयों से सबसे ज्यादा असुरक्षित बच्चे हैं, जो अपने जीवन के मौलिक अधिकारों से वंचित किए जा रहे हैं। मंत्रालय ने चेतावनी दी कि गाजा में लाखों बच्चे खाने और स्वच्छ पानी की कमी का सामना कर रहे हैं। साथ ही वेस्ट बैंक में बच्चों को मनमाने ढंग से हिरासत में लेना और अवैध मुकदमे चलाना उनके अधिकारों का उल्लंघन है।

फिलिस्तीनी राष्ट्रीय परिषद के मुताबिक गाजा के बच्चे अक्टूबर 2023 से भारी मानवीय संकट का सामना कर रहे हैं। बयान में कहा गया कि दुनिया इस नरसंहार को रोकने में असमर्थ है। हमलों और घेराबंदी के कारण बच्चे भूख, प्यास और बीमारियों से अपनी जान गंवा रहे हैं। हजारों बच्चे अनाथ हो चुके हैं। लाजारिनी ने चेतावनी दी है कि अगर हालात जल्द नहीं सुधरे, तो गाजा और वेस्ट बैंक में बच्चों का भविष्य पूरी तरह तबाह हो सकता है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय से तत्काल हस्तक्षेप की अपील करते हुए उन्होंने इस मानवीय संकट को खत्म करने की जरुरत पर जोर दिया।

क्या है ड्रैगन की डेब्ट ट्रैप डिप्लोमेसी... जिससे दहशत में दिख रहा अमेरिका

वाशिंगटन, 22 नवंबर (एजेंसियां)।

चीन इन दिनों बेहद खामोशी से दक्षिण और लैटिन अमेरिका में तेजी से पैर पसार रहा है। हाल ही में पेरू सहित ब्राजील, वेनेजुएला और इक्वाडोर में चीन की मौजूदगी देखने को तब मिली, जब चीन के इन देशों में भारी-भरकम निवेश की बात सामने आई। दक्षिण और लैटिन अमेरिका के ये वे देश हैं, जहां से अमेरिका बेहद पास है। बताया जा रहा हैं कि निवेश के बहाने चीन चारों ओर से अमेरिका घेरने में जुटा है। चीन की इस चाल को डेब्ट ट्रैप डिप्लोमेसी कहा जाता है। ड्रैगन की इस रणनीति से खुद अमेरिका भी टेंशन में है। चीन के इस पूरे मायाजाल को समझते हैं। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने बीते 14 नवंबर को पेरू के चानके बंदरगाह का उद्घाटन कर इस चीन और लैटिन अमेरिका के बीच नए भूमि-समुद्र गलियारे के लिए नई शुरुआत बताया है। इस परियोजना को चीन के बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) के तहत ही पैसे दिए जा रहे हैं। यह परियोजना 3.6 अरब डॉलर की है, जिसने अमेरिका की चिंता बढ़ा दी है, क्योंकि पेरू तक चीन के आने का मतलब है कि प्रशांत महासागर में चीन की मौजूदगी होना। पेरू की राजधानी लीमा से 78 किमी उत्तर में स्थित चानके करीब 60,000 की आबादी वाला एक छोटा मछली पकड़ने वाला शहर है। यह एक प्राकृतिक गहरे पानी का बंदरगाह है। चीन ने 2019 में निर्माण शुरू किया, जिसे चाइना ओशन शिपिंग कंपनी यानी सीओएससीओ ने बनाया है, जिसके पास अब बंदरगाह का 60 प्रतिशत हिस्सा है, जबकि बाकी का स्वामित्व एक स्थानीय कंपनी के पास है। दरअसल, चीन के दक्षिण अमेरिका में डेब्ट ट्रैप डिप्लोमेसी यानी कर्ज दो और फांस लो नीति कहा जाता है। इस टर्म का ईजाद भारतीय जानकार ब्रह्मा चेलानी ने 2017 में नियोलॉजिज्म के रूप में किया था। श्रीलंका के हंबनटोटा बंदरगाह के बारे में कौन नहीं जानता है। सभी को यह पता है कि जब श्रीलंका हंबनटोटा परियोजना के लिए चीनी कर्जे का भुगतान नहीं कर पाया, तब मजबूरन इसका 99 साल के लिए पट्टा एक चीनी कंपनी को देना पड़ा।

मैट गेट्ज नहीं बनेंगे अमेरिका के अटॉर्नी जनरल, ट्रंप ने अब पैम बॉन्डी का चयन किया

वाशिंगटन, 22 नवंबर (एजेंसियां)।

संयुक्त राज्य अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने देश के अटॉर्नी जनरल पद के लिए अब मैट गेट्ज के स्थान पर पैम बॉन्डी का चुनाव किया है। ट्रंप ने एक सप्ताह पहले इस पद के लिए मैट गेट्ज के नाम की घोषणा की थी। पैम साल 2011 से 2019 तक अमेरिका के तीसरे सबसे अधिक आबादी वाले राज्य फ्लोरिडा की अटॉर्नी जनरल पद पर रही हैं। ट्रंप के राष्ट्रपति पद के पहले कार्यकाल के दौरान वह उनकी कैबिनेट में अहम पद पर भी रही हैं।

मैट गेट्ज ने कल अचानक अटॉर्नी जनरल ने बनने की घोषणा की। उनकी इस घोषणा से उनके जानने वाले अचंभित हो गए। दरअसल गेट्ज यौन दुर्व्यवहार जैसे कई गंभीर आरोपों का सामना कर रहे हैं। हालांकि वह इन आरोपों को निराधार बता रहे हैं। मैट गेट्ज के पीछे हटने के बाद ट्रंप ने पैम के नाम का ऐलान करते हुए सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि उनके पास व्यापक अनुभव है। उन्होंने फ्लोरिडा की पहली महिला अटॉर्नी जनरल के रूप में अपराध पर कड़ा रुख अपनाया था।

सनद रहे, ट्रंप के प्रति अपनी वफादारी के लिए मैट सुर्खियों में रहे हैं। कैलिफोर्निया पुलिस ने 2017 में उनके खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोप की जांच की थी। मैट पर 17 साल की नाबालिग से यौन संबंध बनाने के भी आरोप हैं। उन पर पेड सेक्स का आरोप लगा है। ऐसे व्यक्ति को देश के अटॉर्नी जनरल पद के लिए चुने जाने पर विवाद हो रहा था। मैट के खिलाफ लगे सेक्सुअल हैरेसमेंट के आरोप पर हाउस एथिक्स कमेटी जांच कर चुकी है।

खूबसूरती में लंदन फिर टॉप पर, लगातार 10वीं बार जीता वैश्विक खिताब

लंदन, 22 नवंबर (एजेंसियां)।

लंदन ने लगातार 10वीं बार दुनिया के सबसे खूबसूरत और कई सुविधाओं के साथ शहर ने टॉप रैंकिंग हासिल किया है। इस वार्षिक रैंकिंग में लंदन ने न्यूयॉर्क, पेरिस और टोक्यो को पीछे छोड़कर अपना टॉप स्थान बरकरार रखा है। यह रैंकिंग रेजोनेंस नामक ग्लोबल एडवाइजरी फर्म द्वारा जारी की जाती है, जो रियल एस्टेट, पर्यटन और आर्थिक विकास जैसे क्षेत्रों में काम करती है।

इस रिपोर्ट में उन शहरों का आकलन किया गया है, जिनकी आबादी 10 लाख से ज्यादा है। इस साल के विश्लेषण में 30 देशों के 22 हजार से ज्यादा लोगों की राय को शामिल किया गया, जिससे पहली बार सार्वजनिक धारणा को भी मूल्यांकन का हिस्सा बनाया गया। रैंकिंग में कई कारकों का विश्लेषण किया गया, जिसमें सांस्कृतिक विविधता, बिजनेस इंफ्रास्ट्रक्चर, नाइटलाइफ, पर्यावरण की गुणवत्ता, रीजनल एयरपोर्ट की कनेक्टिविटी, शिक्षा और पर्यटन का स्तर शामिल है। लंदन की सांस्कृतिक धरोहर, मजबूत व्यवसायिक बुनियादी ढांचा और वैश्विक अपील इसे बाकी शहरों से अलग बनाती है। रेजोनेंस के अध्यक्ष और सीईओ ने कहा कि महामारी के दौरान लोगों की प्राथमिकताएं बदली है। वे न केवल किफायती, बल्कि बेहतर जीवन स्तर और आकर्षक सुविधाओं वाले शहरों की तलाश कर रहे हैं।

30 देशों के 22 हजार से ज्यादा लोगों ने लंदन को सबसे बेहतरीन शहर माना

रैंकिंग के लिए शहरों का विश्लेषण कई मापदंडों पर किया जाता है, जिसमें सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व, खरीदारी और नाइटलाइफ का अनुभव, शिक्षा के उच्च स्तर वाले विश्वविद्यालयों की उपस्थिति, आर्थिक विकास और बिजनेस के लिए अनुकूल माहौल होता है। लंदन की पहचान न केवल एक ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थल के रूप में है, बल्कि यह एक प्रमुख व्यापारिक केंद्र भी है। इसके अलावा यहां की नाइटलाइफ, मनोरंजन, फैशन, और उच्च-स्तरीय शिक्षा ने इसे लगातार शीर्ष पर बनाए रखा है। इस उपलब्धि से यह साफ है कि लंदन न केवल पर्यटन के लिए बल्कि शिक्षा, रोजगार और निवेश के लिए भी लोगों की पहली पसंद है।

यूएसपीएल 3 में जलवा बिखेरंगे सौरभ नेत्रवलकर, उन्मुक्त चंद, रहकीम कॉर्नवाल और ड्वेन स्मिथ जैसे क्रिकेटर

फ्लोरिडा,22 नवंबर (एजेंसियां)।

यूएसए के क्रिकेटर उन्मुक्त चंद और सौरभ नेत्रवलकर, वेस्टइंडीज के ड्वेन स्मिथ और रहकीम कॉर्नवाल शुक्रवार से फ्लोरिडा के ब्रोवार्ड काउंटी स्टेडियम में शुरू हो रहे यूनाइटेड स्टेट्स प्रीमियर लीग (यूएसपीएल) सीजन 3 में शामिल होने वाले प्रमुख खिलाड़ियों में से हैं। यूएसपीएल का तीसरा सीज़न भी इन खिलाड़ियों की तरह बड़ा और बेहतर होने वाला है। इसमें भाग लेने वाली कैरोलिना ईगल्स, अटलांटा ब्लैककैप्स, कैलिफोर्निया गोल्डन ईगल्स, मैरीलैंड मावेरिक्स, न्यू जर्सी टाइटन्स, न्यूयॉर्क काउबॉय जैसी सभी 6 फ्रेंचाइजी ट्रॉफी के लिए मैदान पर खूब पसीना बहा रही हैं।

शुक्रवार (स्थानीय समयानुसार) से शुरू हो रहे क्रिकेट के इस महाकुंभ का पहला मुकाबला कैरोलिना ईगल्स और कैलिफ़ोर्निया गोल्डन ईगल्स के बीच खेला जाएगा, जबकि इसी दिन के दूसरे मैच में मैरीलैंड मावेरिक्स और अटलांटा ब्लैककैप्स की भिड़ंत देखने को मिलेगी।

अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी के लिए मशहूर ड्वेन स्मिथ मैरीलैंड मेवरिक्स का प्रतिनिधित्व करेंगे, जबकि हार्ड-हिटिंग ऑलराउंडर रहकीम कॉर्नवाल अटलांटा ब्लैककैप्स के कप्तान हैं। आईसीसी टी20 विश्व कप 2024 के दौरान अपनी छाप छोड़ने वाले सौरभ नेत्रवलकर न्यू जर्सी टाइटन्स के लिए खेलेंगे, जबकि पूर्व भारतीय अंडर-19 विश्व कप विजेता कप्तान उन्मुक्त चंद कैलिफोर्निया गोल्डन ईगल्स टीम का हिस्सा होंगे।

सीज़न 3 की पूर्व संध्या पर यूएसपीएल के संस्थापक और अध्यक्ष जयदीप सिंह ने कहा कि, यूएसपीएल सीजन 3 क्रिकेट का उत्सव है, जो वैश्विक प्रतिभाओं और स्थानीय सितारों को अमेरिका में उच्चतम स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए एक साथ लाता है। हम इस सीजन को खिलाड़ियों और प्रशंसकों के लिए यादगार बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

उद्घाटन मैच से पहले अपनी भावनाएं जताते हुए वेस्टइंडीज के बेहतरीन ऑलराउंडर रहकीम कॉर्नवाल ने कहा, अटलांटा ब्लैककैप्स का नेतृत्व करना मेरे लिए सम्मान की बात है। यह बेहतरीन खिलाड़ियों की टीम है और हमें टूर्नामेंट का बेसब्री से इंतजार है। पिछले सीजन में हम सेमीफाइनल में पहुंचे थे और मुझे लगता है कि निश्चित तौर पर इस बार ट्रॉफी हमारी ही होगी।

लीग के प्रत्येक दिन में ट्रिपल-हेडर मुकाबले होंगे ताकि प्रशंसकों को रोजाना एक्शन से भरपूर क्रिकेट देखने को मिले।

न्यूज़ ब्रीफ

ईडन गार्डन्स में झूलन के नाम पर बनेगा स्टैंड

कोलकाता। बंगाल क्रिकेट संघ (कैब) ने कहा है कि अब ईडन गार्डन्स में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी के नाम पर एक स्टैंड बनेगा। कैब के अनुसार ये स्टैंड 'बी ब्लॉक में बनाया जाएगा। इससे पहले झूलन के सम्मान में 'बी ब्लॉक का नाम बदलने का प्रस्ताव कैब की शीर्ष संस्था के समक्ष रखा गया था जिसे स्वीकार कर लिया गया। अब अगले साल 22 जनवरी को भारत और इंग्लैंड के बीच होने वाले टी20 मैच के दौरान इस स्टैंड का अनावरण होगा। इस महिला क्रिकेटर के नाम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड भी है। अभी ईडन गार्डन्स में अभी पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली और दिवंगत पंकज रॉय के अलावा पूर्व बीसीसीआई अध्यक्ष दिवंगत जगमोहन डालमिया और विश्वनाथ दत्त के नाम पर स्टैंड हैं जिसमें अब झूलन का नाम भी जुड़ जाएगा। गोस्वामी ने अपने करियर के दौरान 12 टेस्ट मैचों में 44 विकेट लिए जबकि 204 एकदिवसीय मैच में उनके नाम 255 विकेट लिए और 68 टी20 मैच में 56 विकेट हैं।

पाकिस्तान के पूर्व ऑफ स्पिनर और अंपायर मोहम्मद नजीर का निधन

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व ऑफ स्पिनर और अंपायर मोहम्मद नजीर का निधन हो गया है। नजीर जूनियर के नाम से मशहूर नजीर का लंबी बीमारी के बाद लाहौर में निधन हो गया। वह 78 वर्ष के थे। उन्होंने पाकिस्तान के लिए 14 टेस्ट और चार वनडे मैच खेले। उन्हें सबसे ज्यादा याद अक्टूबर 1969 में न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने पहले टेस्ट मैच में की गई शानदार पारी के लिए किया जाता है। कराची में एक ऐसी पिच पर खेलते हुए जो शुरू से ही स्पिन लेती थी, नजीर ने अपनी पहली पारी में 99 रन देकर 7 विकेट चटकाए। इसके अलावा, उन्होंने बल्ले से नाबाद 29 रन बनाए और दूसरी पारी में भी 17 रन बनाकर नाबाद रहे। टेस्ट मैच ड्रॉ रहा, लेकिन यह एक महत्वपूर्ण मैच साबित हुआ, क्योंकि यह महान हनीफ मोहम्मद का आखिरी टेस्ट था, और उनके छोटे भाई सादिक का पहला। पीसीबी के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने कहा, पीसीबी की ओर से मैं हमारे पूर्व टेस्ट क्रिकेटर मोहम्मद नजीर के निधन पर अपनी संवेदना और दुख व्यक्त करता हूं। हम अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हैं और उनके दोस्तों और परिवार के साथ दुख साझा करते हैं। पाकिस्तान क्रिकेट के लिए उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। घरेलू स्तर पर लगातार अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद, नजीर ने अपनी पहली सीरीज के बाद नवंबर 1980 तक केवल एक और टेस्ट खेला, जब उन्हें वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू सीरीज में खेलने के लिए चुना गया। यह एक और उच्च बिंदु था; उन्होंने सीरीज में तीन बार विव रिचर्ड्स को आउट किया, जिसमें दो बार बोल्ड भी शामिल थे। हालांकि, फैसलाबाद में दूसरे टेस्ट में, नजीर को सिल्वेस्टर क्लार्क ने एक ओवर में लगातार तीन छक्के मारे। उस ओवर में उन्होंने 22 रन दिए जो उस समय का टेस्ट रिकॉर्ड था। वेस्टइंडीज के खिलाफ चार टेस्ट में 16 विकेट लेने के बावजूद, नजीर को फिर से बाहर कर दिया गया और लगभग तीन साल बाद भारत में एक सीरीज में उनकी वापसी हुई।

भारत के खिलाफ मैच के लिए प्रधानमंत्री एकादश टीम में शामिल हुए बोलैंड, कोंस्टास, रेनशॉ

मेलबर्न। स्कॉट बोलैंड कैनबरा में भारत के खिलाफ दो दिवसीय गुलाबी गेंद मैच में प्रधानमंत्री एकादश की ओर से खेलेंगे, ताकि टेस्ट श्रृंखला के दौरान जरूरत पड़ने पर वह खुद को मैच के लिए तैयार रख सकें। सैम कोंस्टास, जिन्होंने भारत ए के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया ए के लिए खेला था, मैट रेनशॉ के साथ खेलेंगे, जिन्हें इस साल की शुरुआत में रिजर्व टेस्ट बल्लेबाज होने के बावजूद उस सीरीज के लिए नजरअंदाज कर दिया गया था। न्यू साउथ वेल्स के ऑलराउंडर जैक एडवर्ड्स टीम का नेतृत्व करेंगे। 30 नवंबर से 1 दिसंबर तक होने वाले मैच के लिए राज्य टीम के साथी ओली डेविस उनके साथ होंगे। राष्ट्रीय चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने कहा, प्रधानमंत्री एकादश का मैच बेहद प्रतिभाशाली टीम के लिए दूसरे टेस्ट से पहले गुलाबी गेंद से खेले जाने वाले एकमात्र मैच में मजबूत भारतीय टीम के खिलाफ प्रभावित करने का अवसर प्रदान करता है। हम टेस्ट टीम के हिस्से के रूप में स्कॉट बोलैंड की मैच फिटनेस को बनाए रखने के अवसर का उपयोग कर रहे हैं।

पर्थ टेस्ट पहला दिन

भारतीय तेज गेंदबाजों ने दिलाई भारत को बेहतरीन वापसी, ऑस्ट्रेलिया ने 67 रन पर खोए 7 विकेट

पर्थ,22 नवंबर (एजेंसियां)।

तेज गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारत ने यहां पर्थ में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच में शानदार वापसी करते हुए पहले दिन का खेल खत्म होने पर केवल 67 रनों पर ऑस्ट्रेलिया के 7 विकेट गिरा दिये। दिन का खेल खत्म होने पर एलेक्स कैरी 19 और मिचेल स्टॉर्क 6 रन बनाकर नाबाद हैं। पहली पारी के आधार पर भारत अभी भी 83 रन आगे है। भारतीय टीम पहली पारी में केवल 150 रनों पर सिमट गई थी।

150 रनों पर ऑल आउट होने के बाद लग रहा था कि भारतीय टीम मैच में पिछड़ जाएगी, लेकिन कप्तान जसप्रीत बुमराह के नेतृत्व में तेज गेंदबाजों ने भारतीय टीम को बेहतरीन वापसी दिलाई।

बुमराह ने ऑस्ट्रेलियाई शीर्ष क्रम को ढहाया

जसप्रीत बुमराह ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलियाई शीर्ष क्रम को झकझोर कर रख दिया। उन्होंने केवल 19 रनों के कुल स्कोर पर नाथन मेकस्विनी (10), उस्मान ख्वाजा (08) और स्टीवन स्मिथ (00) को पवेलियन भेज दिया। इसके बाद हर्षित राणा ने 31 के कुल स्कोर पर ट्रैविस हेड (11) को बोल्ड कर भारत को बड़ी सफलता दिलाई। सिराज ने 38 के कुल स्कोर पर मिचेल मॉर्श को स्लीप में केएल राहुल के हाथों कैच कराकर ऑस्ट्रेलिया को पांचवां झटका दिया।

भारत की पहली पारी 150 रनों पर सिमटी

इससे पहले मैच में भारतीय कप्तान जसप्रीत बुमराह ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। भारतीय बल्लेबाजों ने एक बार फिर निराश किया और पूरी टीम केवल 150 रनों पर सिमट गई। भारत की तरफ से नीतीश रेड्डी ने सर्वाधिक 41 रन बनाए। नीतीश के अलावा ऋषभ पंत ने 37 और केएल राहुल ने 26 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से जोश हेजलवुड ने 4, मिचेल स्टॉर्क, पैट कमिंस और मिचेल मॉर्श ने 2-2 विकेट लिए।

47 के कुल स्कोर पर सिराज ने मार्नस लाबुशेन (02) को एलबीडब्ल्यू कर मैच में अपना दूसरा विकेट लिया और भारत को छठी सफलता दिलाई। 59 के कुल स्कोर पर जसप्रीत बुमराह ने पैट कमिंस को (03) को आउट कर ऑस्ट्रेलिया को सातवां झटका दिया। मैच में बुमराह का यह चौथा विकेट था। इसके बाद कैरी (नाबाद 19) स्टॉर्क (नाबाद 06) ने कोई और नुकसान नहीं होने दिया। दिन का खेल खत्म होने पर ऑस्ट्रेलिया ने 7 विकेट पर 67 रन बनाए। भारत की तरफ से जसप्रीत बुमराह ने 4, मोहम्मद सिराज ने 2 और हर्षित राणा ने 1 विकेट लिया।

अंतरराष्ट्रीय कबड्डी महासंघ ने डब्ल्यूएसकेएल 2025 को दी मंजूरी

नई दिल्ली, 22 नवंबर (एजेंसियां)।

अंतरराष्ट्रीय कबड्डी महासंघ (आईकेएफ) ने आधिकारिक तौर पर विश्व सुपर कबड्डी लीग (डब्ल्यूएसकेएल) 2025 के आयोजन की अनुमति दे दी है। लीग का आयोजन दक्षिण पूर्व एशियाई कबड्डी महासंघ (एसईएकेएफ) और थाईलैंड कबड्डी एसोसिएशन मिलकर करने जा रहा है। आईकेएफ ने डब्ल्यूएसकेएल की आयोजक संस्था एसजे अपलिफ्ट कबड्डी प्राइवेट लिमिटेड को एक बधाई देते हुए एक नोट जारी किया, जिसमें कबड्डी के प्रति उनके समर्पण और दृष्टिकोण की सराहना की गई है। उन्होंने कहा, कबड्डी लीग शुरू करना छोटी बात नहीं है, इसके लिए न केवल खेल की गहरी समझ की आवश्यकता है, बल्कि इस पारंपरिक खेल को बढ़ावा देने के लिए असाधारण कौशल और प्रतिबद्धता भी बेहद जरूरी है। उन्होंने आगे कहा, आपके प्रयास युवा एथलीटों को प्रेरित करेंगे और कबड्डी के विकास और लोकप्रियता में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। डब्लूएसकेएल में आईकेएफ सदस्य देशों के खिलाड़ी शामिल होंगे। मैदान पर आने से पहले खिलाड़ियों की नीलामी की जाएगी, जिससे न केवल खिलाड़ियों को अपना कौशल दिखाने का अवसर मिलेगा, बल्कि उनको प्रोत्साहन मिलने के साथ ही लीग को विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त टूर्नामेंट का दर्जा भी प्राप्त होगा। दक्षिण पूर्व एशियाई कबड्डी फेडरेशन (एसईएकेएफ) ने एसजे अपलिफ्ट कबड्डी प्राइवेट लिमिटेड को 15 साल की अवधि के लिए डब्लूएसकेएल आयोजित करने का पूर्ण और विशेष अधिकार प्रदान किया है, ताकि लीग के विकास और सफलता के लिए दीर्घकालिक दृष्टिकोण सुनिश्चित किया जा सके।

सहवाग के बेटे आर्यवीर ने कूचबिहार ट्रॉफी में दोहरा शतक लगाया

नई दिल्ली,22 नवंबर (एजेंसियां)।

पूर्व क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए कूचबिहार ट्रॉफी में दोहरा शतक लगाया है। आर्यवीर ने दिल्ली की ओर से खेलते हुए मेघायल के खिलाफ दूसरे दिन का खेल समाप्त होने के समय नाबाद 200 रन बनाये। इस मैच में मेघालय की टीम पहली पारी में 260 रन पर सिमट गयी। वहीं दिल्ली के दो विकेट पर 468 रन हो गये हैं। इस प्रकार दिल्ली की टीम के पास पहली पारी के आधार पर 208 रन की बढ़त हो गई है। आर्यवीर भी पिता की तरह ही आक्रामक बल्लेबाजी करते हैं। आर्यवीर ने अपनी इस पारी में 34 चौके और 2 छक्के लगाए हैं। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 87.34 का रहा है। सहवाग के बेटे ने वीनू मांकड़ ट्रॉफी में डेब्यू करते ही अपनी बल्लेबाजी से सबका ध्यान है। उन्होंने अंडर 19 प्रतिस्पर्धा में 49 रन की शानदार पारी खेली थी। इस प्रकार दिल्ली को मणिपुर के खिलाफ मैच में 6 विकेट से जीत मिली थी। आर्यवीर ने अपने साथी सलामी बल्लेबाज अर्णव बग्गा के साथ मिलकर 180 रनों की साझेदारी की। बग्गा ने 114 रन की पारी खेली थी। मेघालय की टीम पहली पारी में 260 रन पर सिमट गयी। वहीं दिल्ली की ओर से तेज गेंदबाज उधव मोहन ने सबसे ज्यादा 4 विकेट लिए।

आईपीएल 2025 की शुरुआत 14 मार्च से, 25 मई को खेला जाएगा फाइनल

नई दिल्ली,22 नवंबर (एजेंसियां)।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने एक अभूतपूर्व कदम उठाते हुए अगले तीन इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) सीजन की तारीखों की घोषणा कर दी है। सबसे ज़्यादा दिलचस्पी 2025 सीजन पर है, जो 14 मार्च (शुक्रवार) से 25 मई (रविवार) तक चलेगा। इसके अलावा 2026 सीजन 15 मार्च (रविवार) से 31 मई (रविवार) तक और 2027 का सीजन 14 मार्च (रविवार) से 30 मई (रविवार) तक आयोजित किया जाएगा।

ईएसपीएनक्रिकइंफो के अनुसार, गुरुवार को फ्रैंचाइजी को भेजे गए ईमेल में, आईपीएल ने टूर्नामेंट की तारीखों को विंडो बताया, लेकिन संभावना है कि ये अंतिम तिथियां हो सकती हैं। 2025 के सीजन में 74 मैच होंगे, जो पिछले तीन सीजन के बराबर है। हालांकि, यह संख्या आईपीएल द्वारा 2022 में सूचीबद्ध 84 मैचों से दस कम है, जब 2023-27 चक्र के लिए मीडिया अधिकार बेचे गए थे। नए अधिकार चक्र के लिए निविदा दस्तावेज में, आईपीएल ने प्रति सत्र अलग-अलग मैचों की संख्या सूचीबद्ध की थी: 2023 और 2024 में 74-74 मैच, 2025 और 2026 में 84-84 मैच और 2027 में सौदे के अंतिम वर्ष के लिए अधिकतम 94 मैच।

विदेशी खिलाड़ियों ने पूरी उपलब्धता का संकेत दिया

फ्रैंचाइज़ी को एक बड़ा बढ़ावा देते हुए, अधिकांश पूर्ण सदस्य देशों के विदेशी खिलाड़ियों को आईपीएल में अगले तीन वर्षों तक खेलने के लिए अपने-अपने बोर्ड से मंजूरी मिल गई है। इसमें पाकिस्तान शामिल नहीं है, जिसके खिलाड़ी दोनों देशों की सरकारों के बीच राजनीतिक गतिरोध के कारण 2008 में उद्घाटन सत्र के बाद से आईपीएल में नहीं खेले हैं।

अर्जुन पुरस्कार विजेता नसरीन शेख खो-खो विश्व कप के लिए पूरी तरह तैयार

नसरीन ने अपनी बहन के सपने को पूरा करने के लिए शुरू किया खो खो का सफर

नई दिल्ली,22 नवंबर (एजेंसियां)।

भारत की नसरीन शेख, 13-19 जनवरी को भारत में होने वाले खो-खो विश्व कप के पहले संस्करण के लिए उत्साहित हैं। उन्होंने बताया कि कप्तान और चौथी एशियाई चैंपियनशिप स्वर्ण पदक विजेता बनने का उनका सफ़र आसान नहीं था। नसरीन की खो-खो यात्रा तीसरी कक्षा में शुरू हुई, क्योंकि उनकी बड़ी बहन भी खो-खो खिलाड़ी थीं, लेकिन उन्हें अपने सपने को पूरा करने के लिए अपने परिवार से समर्थन नहीं मिला। इसलिए, अपनी बहन से प्रेरणा और समर्थन पाकर, नसरीन ने अपनी बहन के सपने को पूरा करने के लिए सफ़र शुरू किया।

नसरीन ने विज्ञप्ति में कहा, मेरी बड़ी बहन को खो-खो खेलने का मौका नहीं मिल पाया। वह परिवार में सबसे बड़ी थी और उस समय हमारी आर्थिक स्थिति इतनी अच्छी नहीं थी कि हम उसे किसी भी खेल में शामिल कर सकें। मैं उस समय बहुत छोटी थी और उसे नेशनल्स में खेलने की अनुमति नहीं थी। इसलिए उसने मुझे भारत के लिए खेलने और स्वर्ण पदक जीतने के अपने सपने को पूरा करने के लिए प्रेरित किया। उसने मेरी अच्छी तरह से देखभाल की और क्योंकि उसे मौका नहीं मिला, उसने अपना पूरा ध्यान मुझ पर केंद्रित किया और पहली बार मुझे लगा कि मुझे खो-खो खेलना चाहिए, वह मेरी बड़ी बहन को देखने के बाद था।

सड़क किनारे बाजार में बर्तन बेचने वाले अपने पिता के साथ एक साधारण पृष्ठभूमि से आने वाली नसरीन ने कभी भी मुश्किलों का सामना नहीं किया। खेल में उनके योगदान के कारण उन्हें पिछले साल अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया। अब उनका लक्ष्य आगामी खो-खो विश्व कप में अपना जलवा बिखेरकर अपने परिवार और देश को गौरवान्वित करना है और उन्होंने बताया कि कैसे यह टूर्नामेंट खो-खो खिलाड़ियों को लोगों की पहचान और प्यार दिलाने में मदद कर सकता है। उन्होंने कहा, जब मैंने तीसरी कक्षा में खेलना शुरू किया, तो मैंने भी खो-खो विश्व कप में खेलने का सपना देखा था, जिससे खिलाड़ियों को पहचान और लोकप्रियता मिल सके। अब, हमें आखिरकार इस आगामी खो-खो विश्व कप से पहचान मिलने जा रही है। यह हमारे लिए गर्व की बात है। नसरीन ने यह भी बताया कि कैसे खेल विज्ञान की शुरूआत ने शरीर की कमज़ोरी और फिटनेस को उजागर करके चोट लगने के जोखिम को कम किया है। उन्होंने कहा, हम खेल विज्ञान के माध्यम से अपनी फिटनेस के बारे में जागरूक हो रहे हैं। यह हमें अपनी कमज़ोरियों को पहचानने में भी मदद करता है, जिन्हें हम आसानी से दूर कर सकते हैं। हमें लगता है कि हम फिट हैं, लेकिन इससे हमें यह पता लगाने में मदद मिलती है कि हमारे शरीर का कौन सा हिस्सा कमज़ोर है और चोट का कारण बन रहा है। इस प्रकार, हम उस पर काम कर सकते हैं। मैं इस अवधारणा से बहुत खुश हूँ।

जिंका लॉजिस्टिक्स ने लिस्टिंग से निवेशकों को किया निराश, बिकवाली के दबाव में टूटे शेयर

नई दिल्ली,22 नवंबर (एजेंसियां)।

ट्रक ऑपरेटरों को ब्लैकबक ट्रेड नेम से डिजिटल प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराने वाली कंपनी जिंका लॉजिस्टिक्स सॉल्यूशंस के शेयर लगभग 3 प्रतिशत प्रीमियम के साथ शेयर बाजार में लिस्ट हुए। हालांकि लिस्टिंग के तुरंत बाद बिकवाली शुरू हो जाने के कारण कंपनी के आईपीओ निवेशकों की खुशी थोड़ी ही देर में खत्म हो गई। बिकवाली के दबाव के कारण ये शेयर 3 प्रतिशत से अधिक लुढ़क गया। बाजार में लगातार जारी खरीद-बिक्री के बीच कंपनी के शेयर 8.85 रुपये यानी 3.24 प्रतिशत की गिरावट के साथ 264.15 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे।

आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 273 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर इसकी लिस्टिंग 279.05 रुपये के स्तर पर हुई, जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर इस शेयर ने 280.90 रुपये के स्तर पर लिस्ट होकर दस्तक दी थी। जिंका लॉजिस्टिक्स सॉल्यूशंस का 1,114.72 करोड़ रुपये का आईपीओ 13 से 18 नवंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। ये आईपीओ ओवरऑल 1.87 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 2.72 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में भी 2.72 गुना सब्सक्रिप्शन आया था, जबकि रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 1.70 गुना और एम्पलाइज के लिए रिजर्व पोर्शन 9.86 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत कंपनी ने 550 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए हैं। इसके अलावा 1 रुपये फेस वैल्यू वाले 2,06,85,800 शेयर की ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिए बिक्री की गई है। नए शेयर से मिलने वाले पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपनी एनबीएफसी सब्सिडियरी ब्लैकबक फिनसर्व में निवेश करने, प्रोडक्ट डेवलपमेंट करने, सेल्स और मार्केटिंग नेटवर्क को मजबूत करने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी।

न्यूज ब्रीफ

केन्या सरकार ने अडानी ग्रुप के प्रोजेक्ट्स को रद्द करने का ऐलान किया, अडानी समूह के अधिकारियों के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप का मामला

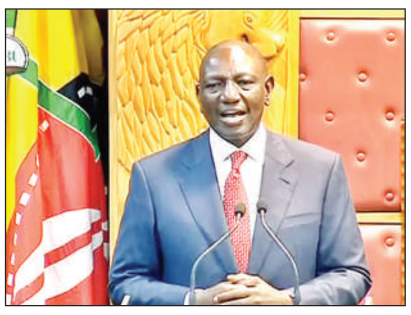

नई दिल्ली। केन्या के राष्ट्रपति विलियम रूटो ने अडानी ग्रुप से जुड़ी दो प्रमुख परियोजनाओं को रद्द करने की घोषणा की। यह कदम अमेरिकी अदालत द्वारा गौतम अडानी, उनके भतीजे सागर अडानी और अन्य अधिकारियों के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप लगाने के बाद उठाया गया है। उन पर भारतीय सरकारी अधिकारियों को रिश्वत देकर सोलर एनर्जी कॉन्ट्रैक्ट हासिल करने का आरोप है। पहला केन्या के मुख्य हवाई अड्डे के विस्तार के लिए खरीद प्रक्रिया थी, जबकि दूसरा पावर ट्रंसमिशन लाइनों के निर्माण के लिए 700 मिलियन डॉलर का ऊर्जा सौदा था, जिस पर पहले ऊर्जा मंत्रालय ने अडानी समूह की सहायक कंपनी के साथ हस्ताक्षर किए थे। बिजनेसमैन गौतम अडानी पर अमेरिकी कोर्ट ने भारत में सोलर कॉन्ट्रैक्ट हासिल करने के लिए मन मुताबिक शर्तों के बदले भारतीय अधिकारियों को 26.5 करोड़ डॉलर (लगभग 2,200 करोड़ रुपए) की रिश्वत देने का आरोप लगाया है। भारत के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति अडानी तथा उनके भतीजे सागर अडानी सहित सात अन्य पर महंगी सौर ऊर्जा खरीदने के लिए आंध्र प्रदेश और ओडिशा के अधिकारियों को रिश्वत देने का आरोप लगाया गया है। हालांकि, इसमें अधिकारियों के नाम का खुलासा नहीं किया गया है। अडानी समूह ने 2021 में स्थानीय रूप से विनिर्मित सौर सेल और मॉड्यूल आधारित संयंत्रों का उपयोग करके उत्पन्न 8,000 मेगावाट (आठ गीगावाट) बिजली की आपूर्ति के लिए बोली जीती थी, लेकिन समूह बिजली खरीदने वाली राज्य सरकारों की मूल्य अपेक्षाओं को पूरा नहीं कर सका। अमेरिकी अधिकारियों ने दो अलग-अलग मामलों में अडानी पर रिश्वत देने और प्रतिभूति धोखाधड़ी का आरोप लगाया है। इसमें न्यूयॉर्क की एक अदालत में अमेरिकी न्याय विभाग की तरफ से दायर एक आपराधिक मामला है।

एचएमएसआई सीआरएफ1100 अफ्रीका ट्विन की कुछ इकाइयां वापस मंगाएगी

नई दिल्ली । होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) ने कहा कि वह थ्रॉटल ऑपरेशन

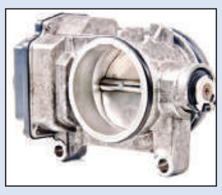

(इंजन) से जुड़ी समस्याओं को ठीक करने के लिए सीआरएफ1100 अफ्रीका ट्विन की कुछ इकाइयों को वापस मंगा रही है। कंपनी ने कहा कि स्वैच्छिक वापसी वैश्विक बाजार की कार्रवाई के अनुरूप है। यह निर्देश फरवरी, 2022 और अक्टूबर, 2022 के बीच बनीं इस रोमांचक मोटरसाइकिल की कुछ इकाइयों को प्रभावित करेगा। एचएमएसआई ने कहा कि कंपनी ने मोटरसाइकिल की इंजन संबंधी एक खामी की पहचान की है। इसमें कहा गया है कि एक्सीलरेशन के दौरान, पहिया नियंत्रण प्रणाली अप्रत्याशित रूप से सक्रिय हो सकती है, जिससे कुछ मामलों में संतुलन बिगड़ सकता है। एचएमएसआई ने कहा कि सुधारात्मक उपाय के रूप में होंडा प्रभावित मोटरसाइकिलों में ईसीयू सॉफ्टवेयर को सही प्रोग्रामिंग के साथ अपडेट करेगी। बयान में कहा गया है कि वाहन की वारंटी स्थिति पर ध्यान दिए बिना यह कार्य निःशुल्क किया जाएगा ।

केंद्रीय मंत्री वैष्णव ने जर्मन कंपनियों को भारत में निवेश के लिए किया आमंत्रित, भारत में लगभग हर क्षेत्र में 1,800 से अधिक वैश्विक क्षमता केंद्र हैं

नई दिल्ली। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने जर्मन कंपनियों को भारत में निवेश करने के लिए आमंत्रित किया है। उन्होंने कहा कि यह एक विश्वसनीय साझेदार है जो राजनीतिक और आर्थिक स्थिरता प्रदान करता है। हाल ही में स्टटगार्ट में टीवी9 ग्लोबल समिट में वैष्णव ने कहा कि भारत लगातार छह से आठ प्रतिशत की दर से वृद्धि कर रहा है और आने वाले कई वर्षों तक इस गति को जारी रखने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि अपनी आपूर्ति श्रृंखला में भारत को शामिल करने पर विचार करें। भारत में लगभग हर क्षेत्र में 1,800 से अधिक वैश्विक क्षमता केंद्र हैं। हम आईटी में विश्व-प्रसिद्ध क्षमताओं के साथ प्रतिभाओं का एक विशाल पूल प्रदान करते हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा, हमारी सरकार की सफलता इस तथ्य में झलकती है कि अच्छी अर्थव्यवस्था अच्छी राजनीति भी बना सकती है। जबकि कई लोकतांत्रिक देशों को उथल-पुथल का सामना करना पड़ा है, भारत एक भरोसेमंद भागीदार बना हुआ है, जो राजनीतिक और आर्थिक स्थिरता दोनों प्रदान करता है। वैष्णव ने कहा कि भारत का बहीखाता बहुत अच्छा है, कर्ज जीडीपी का 57 प्रतिशत है, जो अन्य बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में देखे गए कर्ज के स्तर से काफी कम है। उन्होंने कहा कि यह सफलता कोई संयोग नहीं है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

संविधान से ...

क्योंकि यह आपातकाल के दौरान पारित किया गया था। इन शब्दों को शामिल करने का मतलब लोगों को विशिष्ट विचारधाराओं का पालन करने के लिए मजबूर करना था। उन्होंने कहा कि जब प्रस्तावना एक कट-ऑफ तारीख के साथ आती है, तो इसमें नए शब्द कैसे जोड़े जा सकते हैं?

वहीं, मामले में एक अन्य याची वकील अश्विनी वैष्णव ने कहा कि वह समाजवाद और धर्मनिरपेक्षता की अवधारणाओं के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन प्रस्तावना में उन्हें शामिल करने का विरोध करते हैं। इस पर पीठ ने कहा कि संविधान का अनुच्छेद 368 संसद को संविधान में संशोधन करने की शक्ति देता है और इसके विस्तार में प्रस्तावना भी आती है।

वक्फ पर...

उल्लेखनीय है कि वक्फ बोर्ड के संशोधन कानून की समीक्षा रिपोर्ट सोमवार को शीतकालीन संसद सत्र के शुरू होने के पहले हफ्ते के आखिरी दिन पेश की जानी है। केंद्र सरकार ने सोमवार से शुरू हो रहे शीतकालीन संसद सत्र में वक्फ संशोधन बिल और मुस्लिम वक्फ (निरसन) बिल समेत कुल 15 विधेयक पेश करने के लिए सूचीबद्ध किए हैं। इनमें से पांच विधेयक एकदम नए हैं। पांच नए विधेयकों में से एक सहकारिता विश्वविद्यालय स्थापित करना है। इसके अलावा वक्फ संशोधन बिल समेत लंबित विधेयक पर रिपोर्ट को लोकसभा में पेश किया जाना है। शीत सत्र 20 दिसंबर को समाप्त होना है। सरकार पंजाब कोर्ट (संशोधन) बिल, मर्चेंट शिपिंग बिल, कोस्टल शिपिंग बिल व भारतीय बंदरगाह बिल भी पेश करेगी।

वक्फ संशोधन विधेयक-2024 पर गठित संयुक्त संसदीय समिति के अध्यक्ष जगदंबिका पाल का कहना है कि समिति की रिपोर्ट लगभग तैयार है और इसे समय से सदन को भेजा जाएगा। हालांकि विपक्ष को इसपर आपत्ति है और विपक्ष समिति का कार्यकाल बढ़ाना चाहता है। संयुक्त संसदीय समिति की गुरुवार को पार्लियामेंट हाउस एनक्सी में बैठक हुई। बैठक में अल्पसंख्यक मंत्रालय से रिपोर्ट पर बिंदुवार टिप्पणियां ली गई। समिति के अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने कहा कि हमने विधेयक पर विस्तार से चर्चा की है और विभिन्न हित धारकों से विस्तृत टिप्पणियां ली हैं। हमारी मसौदा रिपोर्ट तैयार है और सर्वसम्मति के साथ हम इसे सदन को भेजेंगे। विपक्ष के अलग रुख पर जगदंबिका पाल ने कहा कि विपक्ष के लोग चाहे तो लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात कर सकते हैं। समिति के कार्यकाल को लेकर निर्णय लेने का फैसला सदन और लोकसभा अध्यक्ष के पास है। संभावना जताई जा रही है कि वक्फ पर बनी जेपीसी 25 नवंबर से शुरू हो रहे संसद के शीतकालीन सत्र के प्रथम सप्ताह में अपनी रिपोर्ट पेश कर सकती है। हालांकि विपक्ष इस पर और अधिक विस्तार से और अन्य बिंदुओं पर चर्चा चाहता है और इसका कार्यकाल बढ़ाना चाहता है।

उल्लेखनीय है कि 22 अगस्त से संयुक्त संसदीय समिति वक्फ संशोधन विधेयक पर लगभग 25 बैठकें कर चुकी है। वहीं अल्पसंख्यक मंत्रालय से भी समिति के पांच बैठकें हो चुकी हैं जिसमें विस्तार से विभिन्न विषयों पर टिप्पणियां ली गई हैं। लोकसभा में 8 अगस्त को अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरण रिजिजू ने वक्फ (संशोधन) विधेयक 2024 पेश किया था। साथ ही इससे जुड़े निष्क्रिय हो चुके पुराने अधिनियम को कागजों से हटाने के लिए मुसलमान वक्फ (निरसन) विधेयक 2024 पेश किया था। नए विधेयक का नाम एकीकृत वक्फ प्रबंधन, सशक्तिकरण, दक्षता और विकास अधिनियम होगा। अंग्रेजी में इसे यूनिफाइड वर्क मैनेजमेंट एंपावरमेंट एफिशिएंट एंड डेवलपमेंट एक्ट कहा जाएगा।

सरकार ने सोमवार 25 नवंबर से शुरू हो रहे संसद के शीतकालीन सत्र के लिए वक्फ संशोधन विधेयक समेत 16 विधेयक सूचीबद्ध किए हैं। इनमें पांच नए विधेयक भी शामिल हैं। इन पांच नए प्रस्तावित कानूनों में एक सहकारी विश्वविद्यालय स्थापना से जुड़ा विधेयक भी है। लंबित विधेयकों में वक्फ (संशोधन) विधेयक भी शामिल है जिसे दोनों सदनों की संयुक्त समिति की ओर से लोकसभा में अपनी रिपोर्ट सौंपने के बाद विचार और पारित करने के लिए सूचीबद्ध किया गया है। समिति को शीतकालीन सत्र के पहले सप्ताह के आखिरी दिन अपनी रिपोर्ट सौंपने के लिए कहा गया था। पैनल के विपक्षी सदस्य विधेयक का अध्ययन करने के लिए और समय चाहते हैं और उन्होंने भाजपा सांसद जगदंबिका पाल की अगुआई वाले पैनल की तेज गति के खिलाफ लोकसभा अध्यक्ष को पत्र लिखा है। समिति की अब तक 27 बैठकें हो चुकी हैं, जो इस बात का संकेत है कि पैनल शीतकालीन सत्र में संसद को अपनी रिपोर्ट सौंपने के लिए उत्सुक है।

शीतकालीन सत्र 20 दिसंबर तक चलेगा। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली समिति की रिपोर्ट पर आधारित एक राष्ट्र एक चुनाव से जुड़ा कोई विधेयक फिलहाल सूचीबद्ध नहीं है। मंत्रिमंडल इस रिपोर्ट को मंजूरी दे चुका है। सरकार की ओर से सूचीबद्ध अन्य विधेयक पंजाब न्यायालय (संशोधन) विधेयक है। इसके अलावा, तटीय नौवहन विधेयक और भारतीय बंदरगाह विधेयक को भी पेश और पारित करने के लिए सूचीबद्ध किया गया है। वक्फ (संशोधन) विधेयक और मुसलमान वक्फ (निरसन) विधेयक सहित आठ विधेयक लोकसभा में लंबित हैं। दो अन्य राज्यसभा के पास हैं।

नरेंद्र मोदी सरकार संसद के आगामी शीतकालीन सत्र में पांच नए विधेयक लाने और विवादास्पद वक्फ (संशोधन) विधेयक सहित दस विधेयकों को पारित कराने का प्रयास करेगी। इस सत्र में मणिपुर में हिंसा और सेबी की अध्यक्ष माधवी पुरी बुच के खिलाफ आरोपों को लेकर विपक्ष और सरकार के बीच ताजा टकराव होने की संभावना है। अब वक्फ बिल की रिपोर्ट पेश करने के समय पर घमासान, विपक्ष ने जेपीसी अध्यक्ष के फैसले का किया विरोध।

संतों और किसानों ने ...

इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने हाथों में जमीर हटाओ, जमीन बचाओ, रायता देशदा आस्थी, वक्फ हटाओ, अन्नदाता बचाओ नारे लिखी तख्तियां ले रखा था।

प्रदर्शन के दौरान अंडोला मठ के संत सिद्धलिंग स्वामी ने प्रदेश के अल्पसंख्यक मंत्री बी जेड जमीर अहमद पर सांप्रदायिकता फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि प्रदेशभर के मठ, मंदिरों, किसानों की जमीनों को नोटिस जारी करके मंत्री ने सांप्रदायिक जहर उगलने का काम किया है। उनका व्यवहार एक मंत्री की तरह कम और पाकिस्तान के एजेंट की तरह अधिक है। हिंदू संत ने आरोप लगाया वे वक्फ अदालतों का आयोजन करके अल्पसंख्यकों को खुश करने की कोशिशें कर रहे हैं। सिद्धलिंग स्वामी ने पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान का जिक्र किया कि एक बार उन्होंने कहा था कि 2047 तक भारत एक इस्लामिक राष्ट्र बन जाएगा, जमीर अहमद द्वारा धार्मिक स्थलों और मठ, मंदिरों को वक्फ संपत्तियों में बदलने की कोशिश इस दिशा में पहला कदम है। इस बीच इस विरोध प्रदर्शन को व्यापारिक संगठनों ने भी अपना समर्थन दिया है। विरोध मार्च के दौरान पूरा सर्राफा बाजार, किराना, भांडे बाजार और पकड़ा बाजार भी बंद रहे।

भारत के संघीय ....

मंत्रालय यह जांच कर रहा है कि क्या यह विधेयक केंद्र के प्रस्तावित वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ है और इसमें वक्फ संपत्तियों को लेकर किन प्रावधानों को शामिल किया गया है। साथ ही, यह भी देखा जा रहा है कि इस विधेयक में अल्पसंख्यकों के लिए कोई विशेष प्रावधान या घोषणाएं तो नहीं हैं।भारत में वक्फ बोर्डों का गठन धार्मिक संपत्तियों के संरक्षण और उनके प्रबंधन के लिए किया गया था। लेकिन समय के साथ इन बोर्डों पर भ्रष्टाचार, अनियमितताओं और संपत्ति हड़पने जैसे आरोप लगते रहे हैं। वक्फ संपत्तियों को लेकर अक्सर विवाद सामने आते हैं, जहां कई बार सरकारी या निजी संपत्तियों को वक्फ घोषित कर दिया जाता है। यह न केवल संपत्ति के मालिकों के अधिकारों का हनन करता है, बल्कि पारदर्शिता की कमी के चलते कानूनी पचड़ों का कारण भी बनता है।ममता बनर्जी की सरकार पर लंबे समय से मुस्लिम तुष्टिकरण के आरोप लगते रहे हैं। इमामों और मुअज्जिनों को भत्ता देने का निर्णय हो, या अल्पसंख्यक समुदायों को विशेष योजनाओं का लाभ पहुंचाने की बात, ममता बनर्जी पर यह आरोप है कि वह अपने वोट बैंक को मजबूत करने के लिए इन कदमों का सहारा लेती हैं। उनके हालिया वक्फ विधेयक को भी इन्हीं आरोपों के चश्मे से देखा जा रहा है। आलोचकों का कहना है कि यह विधेयक राज्य की मुस्लिम आबादी को संतुष्ट करने का एक प्रयास है, जो चुनावों में ममता सरकार के लिए महत्वपूर्ण हो सकता है।

वहीं केंद्र सरकार ने वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन को अधिक पारदर्शी और न्यायसंगत बनाने के लिए वक्फ संशोधन कानून 2024 को 8 अगस्त, 2024 को लोकसभा में पेश किया गया था। जिनका उद्देश्य वक्फ बोर्ड के काम को सुव्यवस्थित करना और वक्फ संपत्तियों का कुशल प्रबंधन सुनिश्चित करना है, जिससे संपत्ति विवादों को रोका जा सके। लेकिन तृणमूल कांग्रेस ने इसे संघीय ढांचे के खिलाफ बताया है। उनका दावा है कि वक्फ बोर्ड राज्यों का विषय है और केंद्र सरकार का इसमें हस्तक्षेप करना संविधान के खिलाफ है।पश्चिम बंगाल विधानसभा का शीतकालीन सत्र 25 नवंबर से शुरू हो रहा है, जहां ममता सरकार वक्फ विधेयक को पेश करने की योजना बना रही है। उम्मीद है कि इसे पेश करने के लिए किसी मुस्लिम विधायक को जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। दूसरी ओर, भाजपा इस विधेयक पर पैनी नजर बनाए हुए है। भाजपा विधायकों का कहना है कि यह विधेयक अल्पसंख्यक तुष्टिकरण का एक और उदाहरण है और वे इसे विधानसभा में कड़े विरोध के साथ चुनौती देंगे। इससे सत्ताधारी तृणमूल और विपक्षी भाजपा के बीच तीखा टकराव देखने को मिल सकता है।

ममता बनर्जी का प्रस्तावित वक्फ विधेयक एक बार फिर उनकी राजनीति के केंद्र में अल्पसंख्यक तुष्टिकरण के आरोपों को खड़ा करता है। वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन और पारदर्शिता को लेकर पहले से ही विवाद और दुष्प्रभाव चर्चा में रहे हैं। ऐसे में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि यह विधेयक कितना प्रभावी साबित होता है और क्या यह वास्तव में राज्य की मुस्लिम आबादी की जरूरतों को पूरा करता है या फिर केवल राजनीतिक ध्रुवीकरण का एक साधन बनता है।

हिंदू विरोधी...

यह यात्रा धार्मिक और राजनीतिक हलकों में चर्चा का विषय बनी हुई है, खासकर कांग्रेस के भीतर।

बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री की हिंदू एकता यात्रा में बड़ी संख्या में लोग शामिल हो रहे हैं। बालाजी मंदिर बागेश्वर धाम से आज बागेश्वर धाम के जयकारे और सनातन एकता, हिंदू एकता का उद्घोष कर पंडित धीरेन्द्र शास्त्री की पदयात्रा का शुभारंभ हुआ। इस पदयात्रा में देश के कई प्रमुख पीठाधीश्वर, साधु-संत, महात्मा और गणमान्य शामिल होंगे। यह पदयात्रा पहले दिन ग्राम गढ़ा तिराहा से होते हुए लगभग 20 किमी दूर ग्राम कदारी तक पहुंचेगी। चार दिनों तक यह यात्रा छतरपुर जिले में ही रहेगी। यह यात्रा 160 किमी की होगी, जो 29 नवंबर को ओरछा के रामराजा मंदिर पहुंचेगी। इस पदयात्रा का उद्देश्य सनातन का जागरण और जातीय भेदभाव, छुआछूत एवं अगड़े-पिछड़े का भेद मिटाना और सामाजिक एकता को प्रोत्साहित करना है।यात्रा में ऐसे 15 रथ तैयार किए गए हैं, जिनमें गौरथ, महापुरुषों के रथ, बागेश्वर बालाजी का रथ, बागेश्वर धाम का संकल्प रथ शामिल हैं। इस पदयात्रा के दौरान 25 नवंबर को मऊरानीपुर में संजय दत्त, पहलवान खली, जैसे कई लोग अपनी प्रस्तुति देंगे। 26 को गुजरात के लोकगायक कीर्तिदान गढ़वी और 27 को कन्हैया मित्तल यात्रा में शामिल होंगे। यात्रा के शुभारंभ अवसर पर जगतगुरु तुलसी पीठाधीश्वर श्रीरामभद्राचार्य के द्वारा भगवा ध्वज दिखाया जाना था, लेकिन आकस्मिक रूप से उनका स्वास्थ्य खराब हो जाने के कारण वे उपस्थित नहीं हो सके। इस मौके पर संत गोपालमणि, कथाव्यास संजीवकृष्ण ठाकुर, इंद्रेश उपाध्याय, हनुमान गढ़ी अयोध्या के महंत राजू दास महाराज एवं सुदामा कुटी वृंदावन के महंत मौजूद रहे। यात्रा में मलूक पीठाधीश्वर राजेन्द्र दास, जगतगुरू राघवाचार्य, जाने-माने कथाव्यास अनिरुद्धाचार्य, कृष्णचन्द्र ठाकुर, मृदुलकांत, मनोज मोहन, तुलसीवन से कौशिक महाराज, ऋषिकेश से चिदानंद मुनि, गोरेलाल कुंज से किशोरदास महाराज, भिंड से दंदरौआ सरकार, महाराष्ट्र से गोविंददेव गिरि, वृंदावन से पुण्डरीक गोस्वामी, तुलसी पीठाधीश्वर के उत्तराधिकारी रामचन्द्रदास, सतुआ बाबा प्रयागराज, दीनबंधु दास, बल्लभाचार्य जैसे शीर्ष कोटि के संत शामिल होंगे।

भगवान हनुमान...

उन्होंने आशंका जताई कि यह घटना जानबूझकर की गई हो सकती है। स्थानीय लोग और पुजारी अब विद्वानों से सलाह लेकर हनुमान जी की मूर्ति को फिर से स्थापित करने की योजना बना रहे हैं।

भारतीय जनता पार्टी के नेता विष्णु वर्धन रेड्डी ने घटना को लेकर राज्य की सत्तारूढ़ कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, तेलंगाना के अंबातिपल्ली अमरेश्वर मंदिर में हनुमान जी की मूर्ति जलाए जाने की घटना हिंदू मंदिरों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल उठाती है। राहुल गांधी और अन्य कांग्रेस नेताओं की चुप्पी चौंकाने वाली है। राज्य पुलिस ऐसे हमलों को रोकने में क्यों नाकाम हो रही है? इससे पहले तेलंगाना के कुरमागुडा क्षेत्र में स्थित मुथ्यालम्मा मंदिर को भी क्षतिग्रस्त किया गया था। इस मामले में सीसीटीवी फुटेज के आधार पर सलीम सलमान ठाकुर नाम के व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया था, जिसने अपराध स्वीकार किया था।

हिंदू श्रद्धालुओं ...

कथित मस्जिद के माध्यम से ना सिर्फ हिंदू समाज से पैसा और श्रद्धा की लूट कर रहे हैं अपितु, लगता है कि भविष्य में हिंदुओं की अयोध्या में बाबरी ढांचा बनाने की फिराक में भी हैं, जो हिंदू समाज अच्छी तरह समझ रहा है। वावर को भगवान अय्यप्पा का फास्ट फ्रेंड बताने की मुसलमीन गैंग द्वारा गढ़ी गईं मनगढ़ंत कहानियों पर अब पूर्ण विराम लगाना होगा विनोद बंसल ने राज्य सरकार पर आरोप लगाया कि वह श्रद्धालुओं से तिलक लगाने और प्रसाद के लिए भारी रकम वसूल रही है, जबकि भगवान को अर्पण का कोई प्रा-वधान नहीं है। उन्होंने कहा कि यह सरेआम श्रद्धालुओं की भावनाओं और विश्वास के साथ धोखाधड़ी है। विनोद बंसल ने कहा, राज्य सरकार का देवस्वम बोर्ड भगवान् को अर्पित किए बिना भी भक्तों से प्रसाद के नाम पर भरी रकम एंठ कर अपनी तिजोरी भर रहा है। जो कि एक सरेआम धोखेबाजी और श्रद्धा व विश्वास के साथ आघात है। सरकार तिलक लगाने के भी श्रद्धालुओं से 10 रुपए वसूलती है। कोई कुल पुरोहित पूजा कराना चाहे तो उसको अनुमति नहीं है सबरीमाला तीर्थ यात्रा के दौरान भक्तों को कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। यात्रा मार्ग पर न तो साफ पानी की व्यवस्था है, न ही भोजन और शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाएं। हलाल भोजन और मुस्लिम होटलों में भोजन के लिए भक्तों को मजबूर किया जा रहा है। विनोद बंसल ने राज्य सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा- सरकार की उदासीनता के चलते मार्ग में अनेक असुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है। तीन दिन पूर्व ही 16 नवंबर से प्रारंभ हुई मण्डल पूजा मार्ग में न पीने को जल है, न मार्ग में भोजन, न शौचालय है, न वाहन व्यवस्था न चिकित्सा सुविधा है। यदि है तो गंदगी का अंबार, हलाल का खाना और जिहादियों के होटल में भोजन की मजबूरी। सुविधा की मांग हेतु समाज यदि खड़ा भी होता है तो उसका दमन कर झूठे केस लगाते हैं। ऊपर से मुख्यमंत्री कहते हैं कि यदि सुविधाएं कम हैं तो श्रद्धालुओं की संख्या सीमित करो विहिप के प्रवक्ता ने इस मामले में इंडी गठबंधन की चुप्पी पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि हिंदुओं के इस पवित्र तीर्थ को समाप्त करने के कम्युजिहादी षड्यंत्रों पर सम्पूर्ण इंडी गठबंधन की चुप्पी उसके हिंदू द्रोही चरित्र को तो पुनः उजागर करती ही है, साथ ही दक्षिण भारत के प्रति उनकी उदासीनता को भी दर्शाती है। राज्य सरकार को जागना होगा अन्यथा हिंदू समाज इसे और बर्दाश्त नहीं करेगा।

सबरीमाला हिंदू धर्म का एक महत्वपूर्ण तीर्थस्थल है, जहां हर साल लाखों श्रद्धालु भगवान अय्यप्पा के दर्शन के लिए आते हैं। 41 दिनों के कठिन व्रत और निष्ठा से की गई इस यात्रा का धार्मिक महत्व अतुलनीय है। ऐसे में, वावर मस्जिद के माध्यम से श्रद्धालुओं की आस्था को भटकाने और जबरन पूजन कराने का आरोप हिंदू समाज के लिए अस्वीकार्य है। केरल सरकार को सबरीमाला के श्रद्धालुओं की सुविधाओं और उनकी धार्मिक आस्थाओं का सम्मान करना होगा। विहिप ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार इन मुद्दों पर ध्यान नहीं देती, तो हिंदू समाज इसके खिलाफ खड़ा होगा।

भारत के अंदरूनी...

पार्टी प्रमुख एवं पूर्व सीएम नवीन पटनायक ने सभी आरोपों को निराधार और गलत बताया है। उन्होंने बताया कि 2021 में बिजली खरीद समझौता दो सरकारी एजेंसियों के बीच था। किसी भी प्राइवेट पार्टी के बीच यह समझौता नहीं किया गया था। यह केंद्र सरकार की एक योजना का हिस्सा है जिसे मैन्युफैक्चरिंग लिंक्ड सोलर स्कीम कहा जाता है। यह समझौता एसईसीआई द्वारा 500 एमडब्ल्यू नवीकरणीय ऊर्जा खरीदने के लिए था। अडाणी समूह समेत किसी भी प्राइवेट पार्टी के बीच यह समझौता नहीं किया गया था।इससे पहले आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने भी अडाणी समूह पर लगे आरोपों पर प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने बताया कि उनके पास पिछली वाईएसआरसीपी सरकार और अडाणी समूह से जुड़े रिश्वत घोटाले से संबंधित अमेरिका में दायर चार्जशीट रिपोर्ट है।

सीएम नायडू ने बताया कि पांच महीनों से 2019 से लेकर 2024 के बीच हुए भ्रष्टाचार के आरोपों पर टीडीपी सरकार चर्चा कर रही है। वाइएसआरसीपी सरकार और अडाणी समूह पर लगे आरोपों पर सीएम नायडू ने कहा कि इससे दक्षिणी राज्य की छवि को नुकसान पहुंचा है। हालांकि, वाईएसआरसीपी ने अपने ऊपर लगे आरोपों को खारिज कर दिया। पार्टी ने बताया कि अडाणी समूह के साथ कोई सीधा समझौता नहीं हुआ है।

भारत के दूसरे सबसे अमीर शख्स गौतम अडाणी सहित सात लोगों पर अमेरिका के न्याय विभाग ने आरोप लगाया है कि उन्होंने आंध्र प्रदेश और ओड़ीशा सरकार के अधिकारियों को महंगी सौर उर्जा खरीदने के लिए रिश्वत दी। इससे अडाणी समूह को अडाणी समूह को अगले बीस वर्षों में दो अरब डॉलर से ज्यादा का मुनाफा हो सकता था। हालांकि, अडाणी समूह ने इन आरोपों को खारिज किया है और कहा है कि अमेरिकी अभियोजकों के आरोप बेबुनियाद हैं और समूह सभी कानूनों का पालन करता है।उल्लेखनीय है कि अमेरिकी कोर्ट में जो दस्तावेज दिए गए हैं, उनमें इन गड़बड़ियों को 2021 से 2022 के बीच के होने का आरोप लगाया गया है।

इस दौरान हुई गड़बड़ियों को चार राज्यों का जिक्र किया गया है। इन राज्यों में छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और ओड़ीशा शामिल हैं। बताए गए दौर में इन चारों राज्यों में न तो भाजपा की सरकार थी और न ही इन राज्यों में भाजपा समर्थित सरकार थी। चारों राज्यों में कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों की सरकारें थीं। यह पूरा मामला जुलाई 2021 से फरवरी 2022 के बीच का है। अमेरिकी कोर्ट के केस में जिन चार राज्यों का नाम आता है, उनमें छत्तीसगढ़ की एसडीसी का नाम आता है। तब छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल की, कांग्रेस की सरकार थी।दस्तावेजों में आंध्र प्रदेश में सर्वाधिक लेन देन की बात सामने आती है। तब आंध्र प्रदेश में वाईएसआर कांग्रेस की सरकार थी। दस्तावेज में तमिलनाडु का नाम आता है। तब वहां कांग्रेस के सहयोगी डीएमके की सरकार थी। ओड़ीशा में तब बीजद की सरकार थी। इन चार राज्यों का नाम अमेरिका में दायर दस्तावेजों में आया है। इन चारों ही राज्यों में भाजपा की नहीं, कांग्रेस और उनके सहयोगियों की सरकारें थीं।

जीवन के सारे दुख दूर करने के लिए शनि के साथ करें हनुमान जी का पूजन

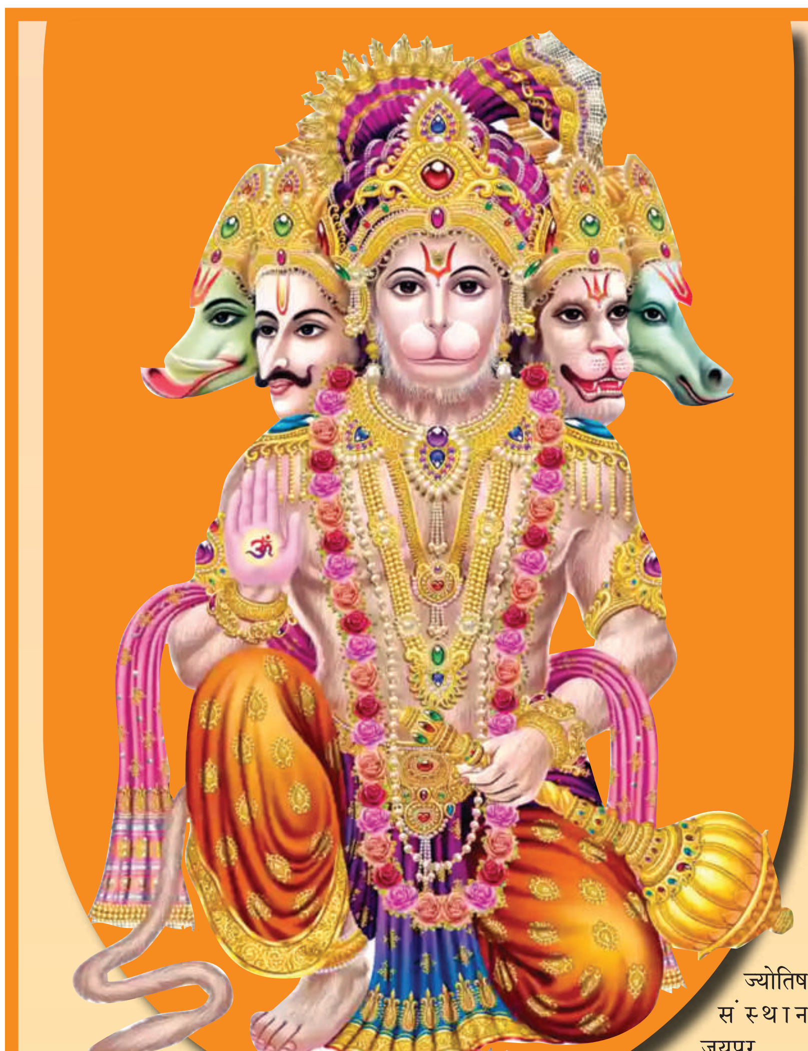

हमारे जीवन काल में किए जाने वाले कर्मों पर निगाह रखने व उसके अनुसार ही फल प्रदान करने के चलते शनिदेव को न्याय का देवता भी कहा जाता है। लेकिन शनि देव के दंड के विधान यानि आपके अनुचित कर्मों पर दिए जाने वाले दंड के कारण शनि का नाम सुनते ही लोगों के मन में भय बैठ जाता है। ऐसे में तकरीबन हर कोई जाने अंजाने में किए अनुचित कर्मों के दंड से मुक्ति पाने के लिए तमाम प्रयास भी करता है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि दरअसल ज्योतिष में शनि देवता को न्याय का देवता कहा जाता है। माना जाता है कि वह सभी के कर्मों का फल देते हैं। वहीं सनातन धर्म के अनुसार सप्ताह में शनिवार को शनिदेव पूजा के लिए विशेष दिन माना गया है। ज्योतिष की मान्यता है कि शनिवार का कारक ग्रह शनि ही है। कोई भी बुरा काम उनसे छिपा नहीं शनिदेव हर एक बुरे काम का फल मनुष्य को ज़रूर देते हैं। जो गलती जानकर की गई उसके लिए भी और जो अंजाने में हुईए दोनों ही गलतियों पर शनिदेव अपनी नजर रखते हैंए इसीलिए उनकी पूजा का बहुत महत्व है।

शनिदेव के साथ ही इस दिन हनुमानजी की पूजा करने की परंपरा पुराने समय से चली आ रही है। इस संबंध में कई कथा प्रचलित हैं। एक ओर जहां शनिदेव हनुमान जी 11वें रुद्रावतार के गुरु सूर्य देव के पुत्र हैं। वहीं शनि भगवान शिव के शिष्य भी हैं। पपौराणिक कथा के अनुसार प्राचीन समय में शनिदेव को अपनी शक्ति पर घमंड हो गया था। जब उन्हें मालुम हुआ कि हनुमानजी भी बहुत शक्तिशाली हैं तो शनिदेव उनसे युद्ध करने पहुंच गए। शनिदेव ने हनुमानजी को ललकारा। उस समय वे अपने आराध्य प्रभु श्रीराम का ध्यान कर रहे थे।

हनुमानजी ने शनि को लौट जाने के लिए कहाए लेकिन शनि युद्ध के लिए बार-बार उन्हें ललकार रहे थे। हनुमानजी भी क्रोधित हो गए और युद्ध के लिए तैयार हो गए। दोनों के बीच युद्ध शुरू हो गया। हनुमानजी ने शनिदेव पर ऐसे प्रहार किएए जिनसे वे बच नहीं सके और घायल हो गए। इसके बाद शनि ने क्षमा याचना की। हनुमानजी ने क्षमा किया और घावों पर लगाने के लिए तेल दिया। तेल लगाते ही शनि के घाव ठीक हो और दर्द खत्म हो गया। शनि ने हनुमानजी से कहा अब जो भी भक्त आपकी पूजा करेंगेए उन्हें शनि के दोष का सामना नहीं करना पड़ेगा। तभी से शनि के साथ ही हनुमानजी की पूजा करने की परंपरा शुरू हो गई।

एक अन्य कथा के मुताबिक शनि को रावण की कैद से हनुमान जी ने निकाला था ऐसे में शनि कैद में मिले घावों से शनिदेव को दर्द का अहसास हो रहा था। इसे देखते हुए हनुमानजी ने शनिदेव को घावों पर लगाने के लिए तेल दिया। तेल लगाते ही शनि के घाव ठीक हो और दर्द खत्म हो गया। शनि ने हनुमानजी से कहा अब जो भी भक्त आपकी पूजा करेंगे उन्हें शनि के दोष का सामना नहीं करना पड़ेगा। तभी से शनि के साथ ही हनुमानजी की पूजा करने की परंपरा शुरू हो गई।

जानिए हनुमानजी के 6 स्वरूप और उनका महत्व

वीर हनुमान– किवीर हनुमान साहस बल पराक्रम और आत्मविश्वास का प्रतीक हैं। इस स्वरूप में हनुमानजी ने राक्षसों का संहार किया था। वीर हनुमान की पूजा से हमारा साहस और आत्मविश्वास बढ़ता है।

सूर्यमुखी हनुमान– सूर्यदेव हनुमानजी के गुरु हैं। जिस तस्वीर में हनुमानजी सूर्य की उपासना कर रहे हैं या सूर्य की ओर देख रहे हैंए उस स्वरूप की पूजा करने पर हमारी एकाग्रता बढ़ती है। ज्ञान में बढ़ोतरी होती है। घर.परिवार और समाज में मान.सम्मान मिलता है।

भक्त हनुमान– इस स्वरूप में हनुमानजी श्रीराम की भक्ति में लीन दिखाई देते हैं। जो लोग इस स्वरूप की पूजा करते हैंए उनकी एकाग्रता बढ़ती है। व्यक्ति का मन धर्म.कर्म में लगा रहता है।

दक्षिणामुखी हनुमान – हनुमानजी की जिस प्रतिमा जिसका मुख दक्षिण दिशा की ओर होता हैए वह हनुमानजी का दक्षिणमुखी स्वरूप है। दक्षिण दिशा काल यानी यमराज की दिशा मानी जाती है। हनुमानजी रुद्र यानी शिवजी के अवतार हैंए जो काल के नियंत्रक हैं। इसलिए दक्षिणामुखी हनुमान की पूजा करने पर मृत्यु भय और चिंताओं से मुक्ति मिलती है।

उत्तरामुखी हनुमान – देवी-देवताओं की दिशा उत्तर मानी गई है। इसी दिशा में सभी देवी-देवताओं का वास है। हनुमानजी की जिस प्रतिमा का मुख उत्तर दिशा की ओर हैए वह हनुमानजी का उत्तरामुखी स्वरूप है। इस स्वरूप की पूजा करने पर सभी देवी-देवताओं की कृपा भी प्राप्त होती है। घर-परिवार में शुभ और मंगल वातावरण रहता है।

सेवक हनुमान – इस स्वरूप में हनुमानजी श्रीराम की सेवा करते हुए दिखते हैं। इस स्वरूप की पूजा करने पर हमारे मन में सेवा करने का भाव जागता है। घर-परिवार के लिए समर्पण की भावना आती है। माता-पिता और वरिष्ठ लोगों की कृपा मिलती है।

शनिदेव की पूजा करने की विधि

हर शनिवार शनि देवता कि पूजा की जाती है। मान्यता है कि अगर पूजा सही तरीके से की जाए तो इससे शनिदेव की असीम कृपा मिलती है और ग्रहों की दशा भी सुधरती है। हर शनिवार मंदिर में सरसों के तेल का दीया जलाएं ध्यान रखें कि यह दीया उनकी मूर्ति के आगे नहीं बल्कि मंदिर में रखी उनकी शिला के सामने जलाएं और रखें। अगर आस-पास शनि मंदिर ना हो तो पीपल के पेड़ के आगे तेल का दीया जलाएं। अगर वो भी ना हो तो सरसों का तेल गरीब को दान करें। शनिदेव को तेल के साथ ही तिल काली उदड़ या कोई काली वस्तु भी भेंट करें। भेंट के बाद शनि मंत्र या फिर शनि चालीसा का जाप करें। शनि पूजा के बाद हनुमान जी की पूजा करें उनकी मूर्ति पर सिन्दूर लगाएं और केला अर्पित करें। शनिदेव की पूजा के दौरान इस मंत्र का जाप करें।

ॐ प्रां प्रीं प्रौं स: शनैश्चराय नमः।।

ध्यान रहे शनिवार के दिन भक्तों को हनुमान पूजन के उपरांत ही शनि पूजन करना चाहिए। शनिदेव के पूजन समय सरसों के तेल का दीपक अवश्य जलायें। माना जाता है कि शनिवार के दिन हनुमान जी के पूजन के बाद शनि देव का पूजन करने से घर में खुशहाली आती है।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

नौकरी मिलने में आ रही है रुकावट तो करें हनुमान चालीसा का पाठ

पढ़ाई के बाद एक सही नौकरी ढूंढना सबसे मुश्किल काम होता है और आज के समय में युवाओं के लिए नौकरी की तलाश करना परेशानी का सबब होता है। कई बार बहुत मेहनत करने पर भी जब हर जगह इंटरव्यू में असफलता मिलने लगती है तो व्यक्ति हताश और निराश हो जाता है। ऐसे में व्यक्ति को समझ नहीं आता है कि इतनी मेहनत के बावजूद भी सफलता क्यों नहीं मिल पा रही है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर - जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि ज्योतिष शास्त्र कहता है कि आपका कर्म करना जितना आवश्यक होता है उतनी ही आवश्यक भाग्य का साथ देना भी होता है। यदि आपकी नौकरी में बार-बार बाधाएं आ रही हैं और एक सही नौकरी नहीं मिल पा रही है तो आप कुछ उपायों को कर सकते हैं। मान्यता है कि सही दिशा में प्रयास करने के साथ ही यदि ये उपाय भी किए जाएं तो आपकी नौकरी संबंधित समस्याओं का अंत होता है।

इंटरव्यू पर जाने से पहले करें हनुमान चालीसा का पाठ

यदि आप इंटरव्यू देने जाते हैं और हर बार असफल हो जाते हैं तो ये उपाय आपके लिए फायदेमंद हो सकता है। जिस दिन आपको इंटरव्यू के लिए जाना हो उससे पहले एक नींबू और लौंग लेकर किसी हनुमान मंदिर में जाएं, अब चार लौंग लेकर नींबू में चारो ओर गाढ़ दें। इसके बाद इस नींबू को हाथ में लेकर हनुमान जी की प्रतिमा के सामने 'ऊं श्री हनुमंते नम:' इस मंत्र का 108 बार जाप करें। इसके बाद यह नींबू हनुमान जी के चरणों से स्पर्श करवाकर इसे अपने साथ वापस ले आएं और जब आपको इंटरव्यू देने जाना हो तो इसे साथ ले जाएं। नौकरी प्राप्ति के लिए यह उपाय अचूक माना जाता है। यदि नौकरी में बाधाएं बनी हुई हैं तो प्रतिदिन हनुमान चालीसा का पाठ करना भी लाभप्रद रहता है इससे आपके कार्यों में आने वाली सभी बाधाएं दूर होती हैं।

शिव जी को अर्पित करें अक्षत

यदि आप नौकरी की तलाश में हैं और आपको अपने अनुरूप नौकरी नहीं मिल पा रही है या फिर नौकरी मिलने में बाधाएं आ रही हैं तो सोमवार के दिन व्रत रखना चाहिए और किसी शिव मंदिर में जाकर शिवलिंग पर अभिषेक करने के साथ ही अक्षत अर्पित करने चाहिए लेकिन इस बात का ध्यान रखें कि चावल टूटे हुए नहीं होने चाहिए। नौकरी के लिए ये उपाय बहुत कारगर माना जाता है।

शनिदेव की आराधना

यदि आपके कार्यों और नौकरी में बाधाएं बनी हुई हैं और लगातार प्रयास करने पर भी बार-बार असफलता हाथ लग रही है तो आपको शनिदेव का पूजन करना चाहिए। प्रत्येक शनिवार को शनिदेव के लिए सरसों के तेल का दीपक प्रज्वलित करना चाहिए और 'ऊं शं शनैश्चराय नम:' का कम से कम 108 बार जाप अवश्य करना चाहिए। मान्यता है कि शनिदेव की कृपा से आपके जीवन और नौकरी में आने वाली सभी बाधाएं दूर होती हैं।

देवउठनी एकादशी के साथ ही शुरू हो चुके हैं मांगलिक कार्य, घर-घर गूंज रहे हैं मंगल और विवाह गीत

भारतीय पंचांग का आधार विज्ञान ऋतु चक्र है। भारतीय संस्कृति में परंपरा का अनुशासन देखते ही बनता है। चातुर्मास में मंगल कार्य निषिद्ध होते हैं, अतएव सबको बड़े चाव से इंतजार होता है देवोत्थानी अथवा देवउठनी एकादशी का। इस एकादशी (जो मंगलवार को थी) के साथ ही ढोलक की थाप गूंज उठती है और विवाह आदि मंगल आयोजनों का शुभारंभ हो जाता है।

ढोलक रानी को न्योता

विवाह के लिए शुभ मुहूर्त वाले दिन प्रारंभ होने के अवसर पर एकादशी के दिन सर्वप्रथम ढोलक पुजाई की जाती है और गमकने लगती है इसकी थाप-

ढोलक रानी मोरे नेवते आइउ।
ढोलक रानी मोर नित उठी आइउ।।
भए मा आइउ छठी म आइउ।
ढोलक रानी मोरे बरही म आइउ।।
मुड़नी म आइउ छेदनी आइउ।।

और इसी तरह ढोलक रानी को जनेऊ से लेकर विवाह और नाती-पनाती के जन्म के शुभ अवसर पर शगुन मानने के लिए गाकर न्योता जाता है। पितरों को याद किया जाता है, इसके बाद देवी सुमिरन। इसमें भी अनुशासन है, पांच या सात या फिर नौ गीत उठाए जाते हैं-

अमृत की बरसे बदरिया,
अंबे मां की दुअरिया।
दादुर मोर पपिहा बोलें,
कोयल सुनावे रागनियां।
अंबे मां की दुअरिया।।

गीतों के केंद्र में श्रीराम सृष्टि नियम से चलती है और इस नियम के नियंता है सृष्टिपालक भगवान विष्णु। श्रीराम विष्णु के अवतार हैं, मर्यादा पुरुषोत्तम हैं, भारत के चित्त में विराजते हैं, राम चरित अति पावन है, वे उत्तम संस्कार के प्रणेता हैं और इसलिए संस्कार गीतों के केंद्र में भगवान श्रीराम हैं-

इन गलियन में लइयो रे रघुनाथ बन्ना को,
अंग में जामा सोहे प्यारे बनरा को,
कलगी में लाल लगइयो रे रघुनाथ बन्ना को।।

लोकसंस्कृति में ब्याह का अर्थ ही है राम सिया का ब्याह! इसीलिए सिया रानी का सुहाग गंगा जमुना की धार की तरह अमर रहे, यही कामना सुहाग में गाई जाती है। अयोध्या में कनक भवन में आज भी यही गूंज सुनाई देती है-

सिया रानी का अचल सुहाग रहे।
राजा राम के सिर पर ताज रहे।।
जब तकले सीस अहिवात रहे।
गंगा जमुना की धारा बहती रहे।।
नित कनक बिहारी बिराज रहे।
नित भरा पूरा दरबार रहे।।

प्रीत में पगी गारी लोकमानस में राम-जानकी के प्रति अपनत्व का भाव इस तरह बसा है कि वे आज भी अपने स्वजनों के विवाह संस्कार में राम-सीता के विवाह गीत गाते हैं। हर वर में राम, हर वधु में सीता देखते हैं। जनक और सुनैना हर कन्या के पिता-माता हैं और दशरथ व कौशल्या वर के पिता-माता-

देखो आज बड़ी भीड़ जनक अंगना।
बागों में राम जी जामा सम्हाले।।

सिया चुनरी सम्हाले जनक अंगना।
देखो आज बड़ी भीड़ जनक अंगना।।

अवध में राम की महिमा है, लेकिन मिथिला में राम पहुना हैं। मिथिलावासी मानते हैं कि मिथिला आकर राम पूर्ण हुए और 'सियाराम' हुए। राम आमजन के इतने अपने हैं कि मिथिलावासी उन्हें निश्छल भाव से गारी भी सुना देते हैं। वे मानते हैं कि मड़वा पर बैठाकर राम को, उनके कुल को गारी देने का सौभाग्य मिला है। उनको, कितनी ही हंसी-ठिठोली की उनके साथ-

राम जी से पूछें जनकपुर की नारी।
बता द बबुवा लोगवा देत काहे गारी।।
तोहरा से पूछूं ए धनुषधारी,
एक भाई गोर काहे एक भाई कारी।
बता द बबुआ लोगवा देत काहे गारी।।

रूठने-मनाने की रिश्तेदारी, ब्याह-शादी में जब तक ठिठोली न हो, नाते रिश्तेदारी में नोक-झोंक न हो तो कैसा उत्सव! मुंडन हो या जनेऊ या फिर विवाह, कोई उत्सव तो तभी मनता है जब पूरा परिवार साथ हो। मगर जहां परिवार में सब एक साथ हुए, तो कोई न कोई रूठने-बिगड़ने का प्रसंग अवश्य होता है और फिर मनाने का सिलसिला।

समय बीत जाने पर ये स्मृतियां ही रिश्तों को नेह की डोर से जोड़ती हैं। विवाह दो परिवारों का मिलन है। मैं ऐसे लोगों को जानती हूं जहां वर पक्ष के पिता-माता का गारी गाकर स्वागत नहीं किया गया तो उन्होंने इसे अपमान माना और कहकर गारी गवाई। न गारी गाने वालों की हंसी रुक रही थी न सुनने वालों की-

समधिनिया हरजाई न्योता लेके आईं,
लै आई लड्डू ले आई पेड़ा
हलवईया भतार संगे ले के आईं

मांगलिक उत्सव परिवार को जोड़ने के लिए बने हैं। दबी शिकायतें हो या अनकही हिकायतें, मुंडन-जनेऊ-शादी ब्याह के अवसर पर गाए जाने वाले गीतों में सब कुछ कह दिया जाता है।

'सैयां तेरी बहना बड़ी नखरेवाली'
'सासू के बोल कठोर दैया मर गई मर गई'
'इस घर में मेरा गुजारा नहीं ननदी'
'मैं गोरी सैयां काले मिले मेरे ऐसे नसीब'
'मार दिया रे रसगुल्ला घुमाय के'

ये गीत मनोविनोद के लिए हैं, शगुन के बीच प्रसन्नता का स्तर उठाने के लिए बनाए गए और अनिवार्यतः गाए जाते हैं। उत्सव का उद्देश्य आनंद प्राप्ति है, आनंद हर उत्सव की ऊष्मा है, एकादशी से उठी ढोलक की अनुगूंज अनंतकाल तक सबके घर में मंगल जगाती रहे!

प्रदोष व्रत के दिन आजमाएं ये उपाय, प्राप्त होगा मनचाहा करियर और महादेव होंगे प्रसन्न

पंचांग के अनुसार, मार्गशीर्ष माह के कृष्ण पक्ष में प्रदोष व्रत 28 नवंबर को है। धार्मिक मान्यता कि इस दिन महादेव और मां पार्वती की विधिपूर्वक पूजा और व्रत करने से घर में खुशियों का आगमन होता है। अगर आप जीवन में किसी समस्या का सामना कर रहें हैं, तो प्रदोष व्रत के दिन कुछ उपाय के जरिए परेशानी को दूर सकते हैं।

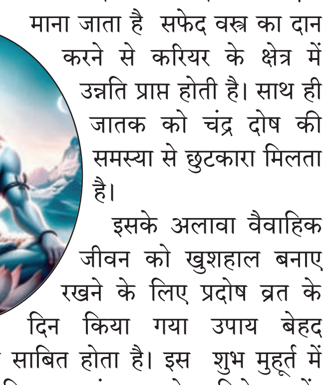

प्रदोष व्रत शुभ मुहूर्त – पचांग के अनुसार, मार्गशीर्ष माह के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि 28 नवंबर को सुबह 06 बजकर 23 मिनट पर शुरू होगी। इसके अगले दिन यानी 29 नवंबर को सुबह 08 बजकर 39 मिनट पर समाप्त होगी। इस 28 नवंबर को मार्गशीर्ष माह का पहला प्रदोष व्रत मनाया जाएगा। इस दिन पूजा करने का शुभ मुहूर्त शाम को 05 बजकर 24 मिनट से लेकर 08 बजकर 06 मिनट तक है। गुरुवार के दिन पड़ने के चलते यह गुरु प्रदोष व्रत कहलाएगा।

प्रदोष व्रत के उपाय – भगवान शिव सफेद रंग प्रिय है। ऐसे में प्रदोष व्रत के दिन सफेद वस्त्र धारण करना बहुत शुभ माना जाता है। यदि आप मनचाहा करियर प्राप्त करना चाहते हैं, तो प्रदोष व्रत के दिन महादेव की पूजा करें और गरीब लोगों में सफेद वस्त्र का दान करें। ऐसा माना जाता है सफेद वस्त्र का दान करने से करियर के क्षेत्र में उन्नति प्राप्त होती है। साथ ही जातक को चंद्र दोष की समस्या से छुटकारा मिलता है।

इसके अलावा वैवाहिक जीवन को खुशहाल बनाए रखने के लिए प्रदोष व्रत के दिन किया गया उपाय बेहद फलदायी साबित होता है। इस शुभ मुहूर्त में भगवान शिव का पंचामृत से अभिषेक करें। मान्यता है कि इस उपाय को करने से वैवाहिक रिश्ते में मधुरता आती है और वैवाहिक जीवन में आ रही समस्या दूर होती है।

इसके अलावा प्रदोष व्रत के दिन भगवान शिव की पूजा-अर्चना करें। इस दौरान शिवलिंग पर और शक्कर अर्पित करें। माना जाता है कि इस टोटके को करने से धन संबंधी समस्या खत्म होती है और महादेव प्रसन्न होते हैं।

गृह प्रवेश करते समय इन बातों का रखें ध्यान जीवन भर नहीं होगी धन की कमी

सनातन धर्म में वास्तु शास्त्र का विशेष महत्व है। भूमि खरीदारी से लेकर गृह निर्माण और गृह प्रवेश के समय वास्तु नियमों का पालन किया जाता है। वहीं, गृह प्रवेश के बाद भी वास्तु के अनुसार ही घर को सजाना चाहिए। अनदेखी करने से गृह के स्वामी पर अशुभ या बुरा प्रभाव पड़ता है। वास्तु शास्त्र के जानकर हमेशा वास्तु नियमों का पालन करने की सलाह देते हैं। अगर आप भी खरमास से पहले गृह प्रवेश करने की प्लानिंग कर रहे हैं, तो वास्तु के इन नियमों का जरूर पालन करें। इन नियमों का पालन करने से घर में सुख, शांति और समृद्धि बनी रहती है।

गृह प्रवेश वास्तु टिप्स – जानकारों की मानें तो रविवार और मंगलवार के दिन गृह प्रवेश नहीं करना चाहिए। शास्त्र में रविवार और मंगलवार के दिन गृह प्रवेश करना वर्जित है। इसके साथ ही रिक्ता यानी प्रतिपदा तिथि पर भी गृह प्रवेश न करें।

मूल, अश्लेषा, ज्येष्ठा और आर्द्रा नक्षत्र में गृह प्रवेश करना शुभ नहीं होता है। अतः नक्षत्र का विचार अवश्य करें। अगर ग्रह स्थिति कुछ इस प्रकार है, तो इन नक्षत्रों के संयोग में गृह प्रवेश न करें। ऐसा करने से धन हानि हो सकती है।

वास्तु शास्त्र के जानकारों की मानें तो विशाखा नक्षत्र में गृह प्रवेश करने से घर पर बड़ी विपत्ति आती है। इस स्थिति में कोई अनहोनी होने का खतरा रहता है। इसके लिए विशाखा नक्षत्र का भी परित्याग करना चाहिए। इसके साथ ही मघा और भरणी नक्षत्र में भी गृह प्रवेश न करें।

मार्गशीर्ष माह में गृह प्रवेश करना मध्यम शुभ माना जाता है। वहीं, माघ, फाल्गुन, ज्येष्ठ और वैशाख महीने में गृह प्रवेश करना सर्वश्रेष्ठ माना जाता है। इन महीनों में गृह प्रवेश करने से धन और वंश में वृद्धि होती है।

वास्तु जानकारों की मानें तो कृष्ण और शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि तक गृह प्रवेश कर सकते हैं। इसमें रिक्त तिथि का परित्याग करना चाहिए। इसके साथ ही रविवार और मंगलवार के दिन भी गृह प्रवेश न करें। चैत्र महीने में गृह प्रवेश करने से गृह के स्वामी को धन की हानि होती है।

ग्रह प्रवेश के लिए सावन का महीना भी बेहद शुभ माना जाता है। हालांकि, चातुर्मास के दौरान मांगलिक कार्य नहीं किया जाता है। इसके लिए ज्योतिष सावन के महीने में गृह प्रवेश न करने की सलाह देते हैं।

बड़े पर्दे पर फिर दिखेगी सलमान-करिश्मा की जोड़ी

23 साल बाद बीवी नंबर 1 हो रही री-रिलीज

अकसर लोगों को यह कहते सुना होगा कि शोले और दिलवाले दुल्हनिया ले जैसी आइकॉनिग फिल्में जब थिएटर में रिलीज हुई होंगी तो थिएटर में क्या नजारा रहा होगा। अब इस फील को पूरा करने के लिए आइकॉनिक फिल्मों को री-रिलीज करने चलन हो गया है। हाल ही में शाहरुख खान की कई फिल्में री-रिलीज हुईं, जिसमें वीर जारा और कल हो हो शामिल हैं।वहीं, शाहरुख खान और सलमान खान की ब्लॉकबस्टर फिल्म करण-अर्जुन भी दोबारा रिलीज हो चुकी है। अब सलमान खान, सुष्मिता सेन और अनिल कपूर स्टारर फैमिली ड्रामा और एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर वाली फिल्म बीवी नं 1 थिएटर में री-रिलीज होने जा रही है। बीवी नं 1 का नया ट्रेलर भी रिलीज हुआ है।एक्टर और फिल्म प्रोड्यसर जैकी भगनानी ने आज गुरुवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर कर फिल्म बीवी नंबर 1 के री-रिलीज की जानकारी दी है। जैकी ने लिखा है, यह ऑफिशियल है, बीवी नं 1 का ट्रेलर रिलीज हो गया है, धवन की बिगेस्ट एंटरटेनर फिल्म बीवी नं 1 को थिएरट में दोबारा देखने के लिए तैयार रहें, यह 29 नंवबर को रिलीज हो रही है।बता दें, इस फिल्म को वरुण धवन के पिता डेविड धवन ने डायरेक्ट किया था। फिल्म में सलमान खान की पत्नी का रोल करिश्मा कपूर प्ले किया था। वहीं, फिल्म में सलमान खान का सुष्मिता सेन से एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर था। वहीं, अनिल कपूर फिल्म में करिश्मा कपूर की मदद करने आते हैं और सलमान खान की अक्ल ठिकाने लगाते हैं। साल 1999 में रिलीज हुई फिल्म बीवी नं 1 सलमान खान के करियर सुपरहिट फिल्म है। बता दें, 12 करोड़ रुपये के बजट में बनी फिल्म बीवी नं 1 ने बॉक्स ऑफिस पर तकरीबन 50 करोड़ रुपये का बिजनेस किया था।

साडी पहन आमना शरीफ ने शेयर किया हॉट लुक

टीवी की हॉट अभिनेत्री आमना शरीफ हमेशा अपने ग्लैमरस लुक्स और बोल्ड फैशन स्टेटमेंट्स के कारण सोशल मीडिया पर लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। वो जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर साझा हैं तो उनका हर एक लुक फैंस के बीच छा जाता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन फोटोज में उनका कातिलाना अवतार देखकर फैंस दीवाने हो गए हैं।अपने एक्टिंग और लुक्स से लोगों को अपना दीवाना बनाने एक्ट्रेस आमना शरीफ आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उनका हर एक लुक सोशल मीडिया पर आते ही छा जाता है।अब हाल ही में एक्ट्रेस आमना शरीफ ने अपने लेटेस्ट एथनिक लुक में फोटोशूट करवाया है, जिसकी फोटोज सोशल मीडिया पर काफी तेजी से वायरल हो रही फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस ने लाइट ग्रीन कलर की नेट लुक में साड़ी पहनी हुई है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक सिजलिंग अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं।बालों का जुड़ा बांधकर साथ ही उनपर गजरा लगाकर, कानों में इयररिंग्स और मिनिमल मेकअप के एक्ट्रेस आमना शरीफ ने अपने इस आउटलुक को कंप्लीट किया है।एक्ट्रेस जब भी सोशल मीडिया पर अपनी फोटोज शेयर करती हैं तो फैंस उनकी हर एक फोटोज पर लाइक्स और कॉमेंट्स करते नहीं थकते हैं।एक्ट्रेस जब भी सोशल मीडिया पर अपनी फोटोज शेयर करती हैं तो फैंस उनकी एक फोटोज पर लाइक्स और कॉमेंट्स करते नहीं थकते हैं।

वायरल हुआ रश्मिका मंदाना का पुराना वीडियो

दिखा रही हैं अपनी सगाई की अंगूठी

'एनिमल' फेम साउथ इंडियन एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना इन दिनों अपकमिंग फिल्म 'पुष्पा 2' को लेकर लाइमलाइट में हैं। इसमें उनके अपोजिट एक्टर अल्लू है। 'पुष्पा' के पहले पार्ट में भी यही जोड़ी थी। फिल्म 5 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। फिलहाल रश्मिका का एक पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। ये वीडियो उनकी सगाई का है जो कन्नड़ एक्टर रक्षित शेट्टी के साथ हुई थी। दोनों अपनी-अपनी अंगूठी दिखाते नजर आ रहे हैं।

रश्मिका ने साल 2017 में रक्षित के साथ सगाई की थी। रश्मिका ने साल 2016 में रक्षित के साथ कन्नड़ फिल्म 'किरिक पार्टी' से डेब्यू किया था। इसी फिल्म के साथ दोनों ने एक-दूसरे को डेट करना शुरू कर दिया था 3 जुलाई 2017 को दोनों ने सगाई कर ली थी। तब रश्मिका 21 साल की थीं और रक्षित 34 साल के थे। एक साल बाद ही सितंबर 2018 में दोनों ने अचानक ही सगाई टूटने का ऐलान कर दिया था। इसके पीछे वजह क्या थी इस बारे में किसी कोई खुलासा नहीं किया था।

रिपोर्टों के अनुसार रश्मिका और रक्षित भले ही अलग हो चुके हैं लेकिन उनकी दोस्ती कायम है। पूर्व में रक्षित ने एक इंटरव्यू में कहा था कि मैं और रश्मिका कभी-कभार एक-दूसरे को मैसेज करते हैं। जब भी मेरी फिल्म रिलीज होती है तो मुझे शुभकामनाएं देती है और जब भी उसकी फिल्म रिलीज होती है तो मैं उसे बधाई देता हूं। उल्लेखनीय है इन दिनों रश्मिका का नाम साउथ इंडियन एक्टर विजय देवरकोंडा से जोड़ा जा रहा है। हालांकि दोनों ने ही एक बार भी खुलकर प्यार का इजहार नहीं किया।

तमन्ना भाटिया की सिकंदर का मुकद्दर का ट्रेलर जारी

29 नवंबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी फिल्म

तमन्ना भाटिया, अविनाश तिवारी और जिमी शेरगिल स्टारर मच अवेटेड फिल्म सिकंदर का मुकद्दर का ट्रेलर हाल ही में रिलीज हुआ। फिल्म में हाई प्रोफाइल हीरों की लूट की दिलचस्प और थ्रिलिंग कहानी बताई गई है। फिल्म में जिम्मी शेरगिल खतरनाक पुलिस वाले की भूमिका में हैं जो तमन्ना और अविनाश तिवारी के पीछे पड़े हुए हैं। फिल्म 29 नवंबर, 2024 को स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर प्रीमियर होगी।सिकंदर का मुकद्दर 2 मिनट, 28 सेकंड का ट्रेलर एक फोन कॉल के साथ शुरू होता है जो एक हाई-प्रोफाइल हीरे की प्रदर्शनी में डकैती की जानकारी देता है, जिसमें बंदूकों से लैस लुटेरे हैं। जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ती है, मुख्य पुलिस अधिकारी जिम्मी शेरगिल का शक तीन लोगों पर जाता है। मंगेश देसाई (राजीव मेहता), कामिनी सिंह (तमन्ना भाटिया) और सिकंदर शर्मा (अविनाश तिवारी)। सिकंदर इस आरोप से मुकर जाता है और कामिनी के साथ कहीं दूर भागने का प्लान बनाता है। फिर भी, उसका अतीत उसे परेशान करता रहता है, इंस्पेक्टर जसविंदर सिंह (जिमी शेरगिल) आखिरी तक उसका पीछा छोड़ता।सिकंदर जसविंदर से भिड़ जाता है, उसे मुंबई से बाहर निकालने और पिछले 15 सालों से उसके जीवन को उलट-पुलट करने के लिए जिम्मेदार ठहराता है। ट्रेलर जसविंदर के डायलॉग के साथ खत्म होता है। जिसमें वह कहता है, आपकी बायोपिक का टाइटल सिकंदर का मुकद्दर है और मैं निर्देशक हूं। अब आगे पुलिस चोर को पकड़ने में कामयाब होती है कि नहीं और वे अपना जुर्म कुबुल करते है या नहीं ये तो फिल्म देखने के बाद ही पता चलेगा।

राज कुंद्रा ने पत्नी शिल्पा शेट्टी से कहा हर पल सेलिब्रेशन जैसा बनाया

शादी के 15 साल पूरे होने पर राज कुंद्रा ने अपनी पत्नी शिल्पा शेट्टी के लिए एक भावुक नोट लिखा है। उन्होंने कहा कि वह हर पल को उनके लिए सेलिब्रेशन की तरह कराती हैं।

राज ने 'इंस्टाग्राम' पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें दोनों साथ में डांस करते नजर आ रहे हैं। उन्होंने कैप्शन दिया, मेरे जीवन के प्यार को 15वीं सालगिरह की शुभकामनाएं। हर धड़कन, मोड़ पर और जीवन की चुनौतियों और खुशियों में हमने एक-दूसरे का हाथ थामकर डांस है। उन्होंने आगे कहा, आप हर पल को एक सेलिब्रेशन की तरह महसूस कराती हैं और मैं आपके प्यार, विश्वास, शक्ति और समर्थन के लिए आभारी हूं। जीवन में प्यार, हंसी और डांस के कई और साल हों। हमेशा प्यार करता हूं।

शिल्पा ने भी अपने 'इंस्टाग्राम' पर एक शेयर किया, जिसमें दोनों एक तांगे की सवारी का आनंद लेते नजर आ रहे हैं। उन्होंने कैप्शन दिया, 15 साल और गिनती नहीं।।। हैप्पी एनिवर्सरी कुकी। आप हर सवारी को सही बनाती हैं, यहां तक कि डरावनी सवारी को भी। आगे भी कई रोमांच, सवारी और वर्षों के लिए बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी ने 2009 में राज कुंद्रा से सगाई की थी। उनके साथ वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) क्रिकेट टीम राजस्थान रॉयल्स की को-ओनर थीं। नवंबर 2009 में दोनों ने शादी की। एक्ट्रेस ने 2012 में बेटे वियान को जन्म दिया। कपल के 15 फरवरी 2020 को के जरिए एक लड़की हुई। काम की बात करें तो शिल्पा ने थ्रिलर फिल्म 'बाजीगर' से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी और 'धड़कन', 'दस', 'लाइफ इन ए।।। मेट्रो' और 'दोस्ताना' जैसी फिल्मों में अपनी भूमिकाओं के लिए फेमस हैं।उन्होंने 2021 में कॉमेडी 'हंगामा 2' के साथ पर वापसी की। हाल ही में शिल्पा रोहित शेट्टी की सीरीज 'इंडियन पुलिस फोर्स' में सिद्धार्थ मल्होत्रा और विवेक ओबेरॉय के साथ नजर आईं।एक्ट्रेस की अगली फिल्म प्रेम द्वारा निर्देशित कन्नड़ एक्शन 'केडी - द डेविल' में नजर आएंगी। इस फिल्म में ध्रुव सरजा, रेशमा नानाया, वी। रविचंद्रन, अरविंद, जीशु सेनगुप्ता, नोरा फतेही और संजय दत्त जैसे कलाकार हैं।

शादी समारोह में धनुष और नयनतारा ने एक दूसरे को किया नजरअंदाज

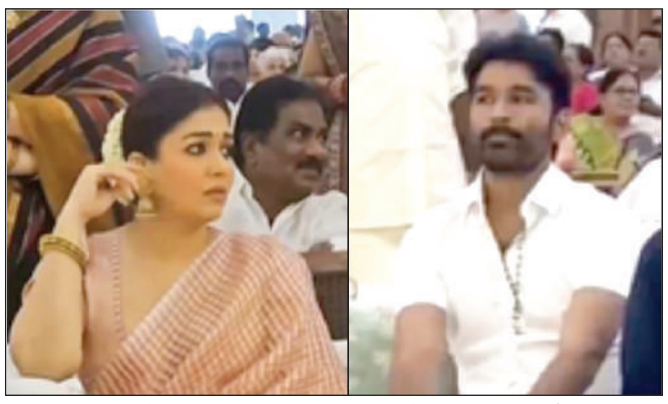

एक शादी समारोह में साउथ की फिल्म अभिनेत्री नयनतारा और सुपरस्टार धनुष ने एक दूसरे को नजरअंदाज किया है। सोशल मीडिया पर इसका एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। सोशल मीडिया पर फेन पेज द्वारा एक वीडियो पोस्ट किया है। जिसमें दोनों स्टार शादी समारोह में आगे की लाइन में बैठे हुए नजर आ रहे हैं। नयनतारा गुलाबी साड़ी पहने हुए नजर आ रही हैं और उनके साथ उनके पति विग्नेश भी हैं। वहीं धनुष अन्य मेहमानों के साथ बातचीत करते हुए देखे गए हैं। यह क्लिप सोशल प्लेटफॉर्म पर वायरल हो गई। 18 नवंबर को नेटफ्लिक्स पर नयनतारा की डॉक्यूमेंट्री नयनतारा: बियॉन्ड द फेयरीटेल रिलीज हुई है। इस डॉक्यूमेंट्री की वजह से दोनों स्टार्स में विवाद पैदा हुआ है। बात यहां तक पहुंच चुकी है कि अभिनेता ने अभिनेत्री को कानूनी नोटिस के साथ 10 करोड़ की मांग भी की है। अभिनेत्री नयनतारा ने सोशल मीडिया पोस्ट पर लिखे एक पत्र में खुलासा किया है कि अभिनेता द्वारा कथित कॉपीराइट उल्लंघन के लिए 10 करोड़ रुपए की मांग की गई है। क्योंकि डॉक्यूमेंट्री में उनके प्रोडक्शन नानम राउडी धान के बीटीएस फुटेज शामिल हैं।

नयनतारा यह पत्र 16 नवंबर को लिखा था, जब अभिनेता द्वारा उन्हें कानूनी नोटिस भेजा गया था। अभिनेत्री ने इस पत्र में अभिनेता धनुष के खिलाफ जमकर भड़ास निकाली। नयनतारा ने लिखा है कि आप इंडस्ट्री में स्थापित अभिनेता हैं। आपको आपके पिता, भाई का समर्थन मिला है। हम सभी हैं कि सिनेमा मेरे जैसे लोगों के लिए अस्तित्व की लड़ाई है। क्योंकि मेरा इस इंडस्ट्री में कोई गॉडफादर नहीं है। मैं आज जिस पद पर हूं, वहां तक पहुंचने के लिए मैंने संघर्ष किया है। मैं इसका श्रेय अपनी कार्य नीति को दूंगी। बता दें कि नयनतारा के ओपन लेटर के बाद धनुष के वकीलों के द्वारा भी एक स्टेटमेंट जारी किया गया। स्टेटमेंट में नयनतारा के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की बात कही गई है। स्टेटमेंट में कहा गया है कि अगर नयनतारा 24 घंटे के भीतर 10 करोड़ रुपए का हर्जाना नहीं भरेंगी तो कानूनी की जाएगी।

कंगना रनौत की फिल्म इमरजेंसी को मिली नई रिलीज की तारीख

कंगना रनौत स्टारर पॉलिटिकल ड्रामा फिल्म इमरजेंसी को एक बार फिर रिलीज डेट मिल गई है। कई बार पोस्टपोन होने के बाद इमरजेंसी अब साल 2025 में रिलीज होने जा रही है। कंगना रनौत ने सोशल मीडिया पर आकर फिल्म इमरजेंसी की नई रिलीज डेट का एलान किया है। इमरजेंसी लंबे समय से चर्चा विवादों में हैं। सीबीएफएसी यानि सेंबर बोर्ड से सर्टिफिकेट मिलने के बाद कई दिनों बाद कंगना रनौत ने अपनी फिल्म इमरजेंसी की रिलीज डेट का एलान कर दिया है। इमरजेंसी 17 जनवरी 2025 में रिलीज होने जा रही हैकंगना रनौत ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पोस्ट में फिल्म इमरजेंसी की डेट का एलान किया है। कंगना ने अपने पोस्ट में लिखा है, 17 जनवरी 2025, भारत की सबसे शक्तिशाली महिला की बड़ी कहानी जिसने भारत की मंजिल को बदला, इमरजेंसी सिनेमाघरों में आ रही है। वहीं, फिल्म की रिलीज डेट के एलान के साथ फिल्म का नया पोस्टर भी किया है।बता दें, बीती 14 अगस्त 2024 को फिल्म इमरजेंसी का ट्रेलर रिलीज हुआ था। वहीं, इमरजेंसी का ट्रेलर देखने के बाद सिख कम्यूनिटी खुद को आंतकवादी की छवि में देख, भड़क उठे और फिल्म को रिलीज करने पर कंगना रनौत और सेंसर बोर्ड को धमकी देने लगे। धीरे-धीरे गर्म होता गया और फिर जैसे ही विवाद की चिंगारी कम हुई सेंसर बोर्ड ने कुछ सीन कट करने के बाद फिल्म को हरी झंडी दे दी।इमरजेंसी पहले 14 जून 2024 और फिर 6 सितंबर 2024 को रिलीज होनी थी, लेकिन सिख कम्यूनिटी के भारी विरोध के चलते फिल्म नहीं हो सकी। फिल्म में कंगना रनौत भारत की पहली महिला प्रधानमंत्री श्रीमति इंदिरा गांधी का रोल करने जा रही हैं। फिल्म में कई अनुपम खेर, श्रेयस तलपड़े, सतिश कौशिक, मिलिंद सोमन और महिमा चौधरी समेत कई स्टार्स अहम रोल में नजर आने वाले हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज शिव पंचाक्षर मंत्र का जप करें , सुहागन स्त्रियों को फल और मिष्ठान देवें । आय के स्रोतों में वृद्धि में होगी, जिससे आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। सकारात्मक सोच व आत्मविश्वास कार्यों में सफलता दिलाएगा। प्रॉपर्टी में निवेश से लाभ होगा । परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजनों–मित्रों का भरपूर सहयोग मिलेगा, जिससे आपके अंदर एक नई ऊर्जा आएगी। सेहत का लेकर सा–वधानी बरतें। छात्रों के लिए समय कठिन परिश्रम वाला रहेगा परन्तु सफलता मिलेगी ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज सुबह कर दर्शन करें सूर्य नमस्कार करें आरोग्यता और शुभता मिलेगी । बुजुर्गों के आशीर्वाद से व्यापार अच्छा चलेगा और धनलाभ की स्थिति बनेगी। नौकरी में तरक्की के योग रहेंगे। कार्यभार की अधिकता रहेगी, लेकिन अपनी योग्यता और क्षमताओं का भरपूर लाभ उठायेंगे। आय के स्रोत बढ़ेंगे और आकस्मिक धनलाभ की संभावना रहेगी। मित्रों से सहयोग प्राप्त होगा। परिवार का माहौल आपके अनुकूल रहेगा। शाम के वक्त चीटियों को शक्कर डालें

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज थोडी मुश्किलें आ सकती हैं परन्तु चिंता करने की आवश्यकता नही हैं ईष्टदेव का ध्यान करें और ब्राह्मण को शक्कर का दान करें । अनावश्यक खर्च बढने से चिंतित रहेंगे, जिससे क्रोध की अधिकता रहेगी। बिना सोचे किसी कार्य की शुरुआत न करें, अन्यथा नुकसान की संभावना रहेगी।
सामाजिक और धार्मिक कार्यों के प्रति रुझान बढ़ेगा। क्रोध पर नियंत्रण एवं वाणी पर संयम रखें, अन्यथा किसी विवाद में फंस सकते हैं। परिवार मे सन्तोष का माहौल रहेगा ।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आर्थिक लाभ बनता हुआ दिख रहा हैं कारोबार में स्थिति अनुकूल रहेगी । आय के स्रोत बढ़ाने के प्रयास सफल होंगे। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी, लेकिन कड़ी मेहनत से कार्यों में सफलता प्राप्त होगी। पुराने मित्रों से सुखद मिलन होगा। संतान के लिए कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेना पड़ सकता है। परिवार के साथ कुछ अच्छे पलों का आनंद उठा सकते हैं। सुख–सुविधाओं में वृद्धि होगी। दाम्पत्य जीवन सुखमय बनाने के लिए संयम की आवश्यकता हैं ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज शरीर मे थकान ज्यादा रहेगी ध्यान और योग दिनचर्या मे शामिल करें । व्यापार–धंधा अच्छा चलेगा और धनलाभ की स्थिति रहेगी, लेकिन अनावश्यक खर्च की भी अधिकता रहेगी। सहयोगी कार्य में व्यवधान उत्पन्न कर सकते हैं, इसलिए संभलकर रहने की आवश्यकता है। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता और भागदौड़ की स्थिति रहेगी। किसी से विवाद होने की परिस्थिति मे अपने क्रोध पर नियंत्रण रखना बहुत आवश्यक हैं ।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज कारोबार के लिए तो दिन अच्छा हैं घरेलू उलझनें रहेगी , बडे बुजुर्गो से मध्यस्था कराने से बाते सुलझ जांएगी आप को परिश्रम करना पडेगा तभी काम मनोकुल होगा , लेकिन अनावश्यक खर्च बढ़ने से आर्थिक स्थिति प्रतिकूल हो सकती है। लेन–देन में सावधानी बरतें। धर्म–कर्म के प्रति आस्था बढ़ेगी। दोस्तों से व्यवहार अच्छा रहेगा । नंदी महाराज को दलीया और गुड खिलाए , तुलसी का पौधा सींचे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज का दिन और माहौल दोनों बढीया हैं कामकाज में कमी रहेगी दूसरे स्रोत से धनलाभ की स्थिति रहेगी। व्यापारिक यात्रा के योग रहेंगे, जो लाभदायक रहेगी। विद्यार्थियों को अधिक परिश्रम करना होगा। वाहन या किसी तरह की संपत्ति भी खरीदने में रुचि ले सकते हैं। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजनों का भरपूर सहयोग मिले–गा। दाम्पत्य जीवन खुशहाल रहेगा। बेरोजगारी दूर होगी । चहलकदमी करें शरीर तंदरुस्त रहेगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज परिश्रम ज्यादा करना कार्यक्षेत्र में मुश्किलें पैदा होंगी छोटी–छोटी परेशानियां आ सकती हैं, लेकिन अपने प्रयासों और कड़ी मेहनत से कार्यों में सफल होंगे, जिससे मनोबल बढ़ेगा और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। जरूरी कार्य समय पर पूरे होंगे। सामाजिक कार्यों के प्रति रूझान बढ़ेगा। स्वास्थ्य की अनदेखी न करें। मित्रों से मुलाकात प्रसन्नता देगी। आपका पारिवारिक जीवन थोड़ा संघर्षमय रह सकता है। यात्रा का योग बन रहा हैं दूध का दान करके यात्रा आरंभ करें ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा । प्रॉपर्टी और शेयर बाजार में निवेश लाभदायक रहेगा। बुजुर्गों के आशीर्वाद से कार्यों में सफलता मिलेगी और सुख–समृद्धि में वृद्धि होगी। परिवार का माहौल आनंदमय रहेगा। काम की अधिकता से थकान का अनुभव कर सकते हैं। क्रोध पर नियंत्रण रखें। किसी मांगलिक आयोजन में शामिल हो सकते है शापिंग पर खर्चा होगा सुख सुविधाओं पर व्यय अधिक होगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज का दिन बहतर सुविधाओं वाला रहेगा । किसी नये कार्य की शुरुआत कर सकते हैं। बेरोजगारों को नौकरी के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। परिवार में मंगल कार्यों का आयोजन हो सकता है। वाहन या किसी तरह की संपत्ति भी खरीदने के योग बन रहे हैं। घरेलू जीवन में प्रतिकूलता का सामना करना पड़ सकता है। परिवार में किसी सदस्य से अनबन हो सकती है। संबंधों में मधुरता बनाए रखने के लिए संयम रखना आवश्यक है। शाम को दूध का सेवन करें स्वास्थ्य अच्छा रहेगा ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज सुबह मंदिर दर्शन करें कार्यसिद्धि होगी विरोधी शान्त रहेंगे व्यापार में धन प्राप्ति के योग हैं। कारोबार में काम की अधिकता रहेगी लेकिन कठिन परिश्रम से कार्यों में सफलता मिल सकती है। परिवार के किसी उत्सव में खर्च की अधिकता रहेगी। परिवार में वाद–विवाद की स्थिति बन सकती है, इसलिए समझदारी का परिचय देते हुए परिवार समस्याओं को सुलझाने का प्रयास करें। शिवपार्वती का पूजन करें दाम्पत्यजीवन सुखमय रहेगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज समय उलझनों मे बितेगा अनजान व्यक्ति पर भरोसा नही करें। अपनी मेहनत पर विश्वास करें और आगे बढ़ते रहें। अपने प्रयासों से कार्यों में सफलता मिलेगी। जीमन–जायदाद के सौदे करने से पहले बुजुर्गों की सलाह अवश्य लें। किसी नवीन कार्य की शुरुआत कर सकते हैं। धर्म–कर्म के प्रति आस्था बढ़ेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और दाम्पत्य जीवन खुशहाल रहेगा। मित्रों के साथ यात्रा का समय बन रहा हैं संबंध मे मधुरता रहेगी स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

शनिवार का पंचांग

दिनांक : 23 नवंबर 2024 , शनिवार
विक्रम संवत : 2081
मास : मार्गशीर्ष ,कृष्ण पक्ष
तिथि : अष्टमी रात्रि 08:00 तक
नक्षत्र : मघा रात्रि 07:28 तक
योग : ऐन्द्र प्रातः 11:40 तक
करण : बालव प्रातः 07:00 तक
चन्द्रराशि : सिंह
सूर्योदय : 06:25 , सूर्यास्त 05:39 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:22 , सूर्यास्त 05:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:15 , सूर्यास्त 05:41 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:15 , सूर्यास्त 05:32 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : गण्डमूल रात्रि 08:00 तक , कालाष्टमी , काल भैरव जयंती

※ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ※
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

एसआई भर्ती पेपर लीक मामला

दस आरोपियों को मिली जमानत, 9 की खारिज

जयपुर,22 नवंबर (एजेंसियां)।
राजस्थान में एसआई भर्ती पेपर लीक मामले में गिरफ्तार हुए 10 आरोपियों को राजस्थान हाई कोर्ट से जमानत मिल गई है। 19 लोगों ने याचिका लगाई थी, जिसमें की खारिज कर दी गई। इस फैसले ने न केवल इस घोटाले के कानूनी पहलू को फिर से केंद्र में ला दिया, बल्कि राज्य की राजनीति और प्रशासन की पारदर्शिता पर भी कई सवाल खड़े किए हैं। कोर्ट ने शुक्रवार को जमानत देने के बाद इन आरोपियों के खिलाफ की दिशा और मामले की गंभीरता पर ध्यान केंद्रित किया। यह मामला न केवल भर्ती प्रक्रिया की साख पर सवाल उठाता है, बल्कि राज्य सरकार की कार्रवाई की निष्पक्षता पर भी चिंताएं पैदा करता है।

राजस्थान हाई कोर्ट ने अब तक करीब 12 आरोपियों को जमानत दी है, जिनमें नामी आरोपी जैसे करणपाल, एकता, मनोहर, और सुरेंद्र शामिल हैं। इस फैसले के बाद यह सवाल उठता है कि

राजनीति और कानूनी तर्कों का विश्लेषण

क्या जमानत का यह फैसला सही प्रक्रिया के तहत लिया गया? कोर्ट ने इस मामले की सुनवाई के बाद अपना निर्णय रिजर्व किया था और अब जमानत दी है, लेकिन यह निर्णय कानूनी रूप से ठोस है या नहीं। यह समय ही बताएगा। इस पूरे मामले को एक नया मोड़ दिया है, जिससे यह धारणा बन रही है कि इस मामले की जांच और निर्णय प्रभावित हो सकते हैं। साथ ही, यह भी देखा गया है कि जमानत मिलने बाद आरोपियों पर राजनीतिक आरोप लगाए गए हैं, और इस घोटाले के राजनीतिक रंग को लेकर भी कई बयान सामने आए हैं।

इससे पहले, राजस्थान हाई कोर्ट ने एसआई भर्ती के तहत चयनित अफसरों की आउट परेड पर रोक लगाई थी और साथ ही कर्मचारियों की पोस्टिंग भी रद्द कर दी थी। कोर्ट ने कहा था कि इस भर्ती के तहत नियुक्ति और आउट परेड हाई कोर्ट के आदेशों के अधीन रहेंगे, जब तक कि इस मामले में अंतिम फैसला नहीं आ जाता। इस फैसले ने सरकारी अधिकारियों के खिलाफ उठते सवालों को भी तेज कर दिया है। राजस्थान पुलिस मुख्यालय और राज्य सरकार पर अब दबाव बढ़ गया है कि वे इस भर्ती को लेकर ठोस कदम उठाएं। एसओजी की रिपोर्ट और महाधिवक्ता की राय ने इस मामले को और अधिक जटिल बना दिया है। विशेष रूप से, यह रिपोर्ट यह करती है कि इस भर्ती को रद्द किया जाए और 2021 में परीक्षा देने वाले सभी उम्मीदवारों से फिर से परीक्षा ली जाए। यह कदम राज्य सरकार के लिए एक राजनीतिक चुनौती बन सकता है, क्योंकि इससे कई उम्मीदवारों की उम्मीदों पर पानी फिर सकता है, जिनका चयन इस प्रक्रिया में हुआ था।

सुप्रीम कोर्ट के निर्णयों के आधार पर, यह देखा गया है कि यदि किसी भर्ती में चयनित उम्मीदवारों की प्रक्रिया में गड़बड़ी पाई जाती है, तो वह भर्ती रद्द की जा सकती है। ऐसे मामलों में, जहां चयनित उम्मीदवारों बीच किसी तरह का भेदभाव किया गया हो या अगर चयन प्रक्रिया में फर्जीवाड़ा हुआ हो, तो सरकार को उक्त भर्ती को रद्द करना ही होता है। इस मामले में, कई उम्मीदवारों ने आरोप लगाया है कि वे वास्तविक योग्य थे लेकिन पेपर लीक की वजह से उनका चयन हो सका, जो इस भर्ती को और भी विवादित बनाता है।राजस्थान के एसआई भर्ती पेपर लीक मामले में जमानत का फैसला कई दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है। यह कानूनी प्रक्रियाओं की पारदर्शिता और प्रभावशीलता पर सवाल उठाता है, साथ ही राजनीति की भूमिका को भी उजागर करता है। इस के आगामी फैसले राज्य की प्रशासनिक व्यवस्था की साख को प्रभावित करेंगे। हैं।

सीआईडी सीबी रेंज सेल जोधपुर की कार्रवाई

विदेशी कोयले में मिलावट कर चोरी में इनामी सहित दो अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

जयपुर,22 नवंबर (एजेंसियां)।
सीआईडी क्राइम ब्रांच रेंज सेल जोधपुर की टीम ने विदेशी कोयले में कर चोरी करने के मामले में सांचौर थाने में दर्ज मुकदमे में वांछित 11000 के इनामी समा याकूब इब्राहिम पुत्र याकूब इब्राहिम (36) सहित मिठू मथडा इब्राहिम पुत्र इब्राहिम भाई मथडा निवासी गांधीधाम जिला कच्छ गुजरात को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। मामले में दोनों आरोपी पिछले महीनों से फरार चल रहे थे।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस अपराध एवं एजीटीएफ दिनेश एमएन ने बताया कि फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सीआईडी सीबी रेंज सेल जोधपुर श्री सुभाष चंद्र के नेतृत्व में गठित की गई हेड कांस्टेबल सुमेर सिंह, कांस्टेबल सुरेंद्र सिंह एवं कांस्टेबल प्रेम कुमार की टीम द्वारा गुजरात के गांधीधाम पहुंच इनामी समा याकूब इब्राहिम के साथ मामले में वांछित मिठू

मथडा इब्राहिम को गिरफ्तार किया गया है।

एडीजी श्री दिनेश एमएन ने बताया कि रशिया, इंडोनेशिया व यूएसए से महंगा कोयला गुजरात बंदरगाह पहुंचता है। उसके बाद ट्रकों में भरकर जगह पर भेजा जाता है। इस दौरान बदमाश ट्रक चालकों से मिलीभगत कर कोयले को अपने स्थान पर उतार कर नकली कोयले की मिलावट कर वापस गाड़ी को आगे भेज देते है। वहीं असली कोयले को फर्जी बिलो के जरिए दूसरे लोगों को बेचा जाता है।

एमएन ने बताया इस गोरखधंधे पर लगाम लगाने पिछले साल अप्रैल महीने में उनके निर्देशन में सीआईडी सीबी की विभिन्न टीमों द्वारा स्थानीय पुलिस के साथ एक साथ 13 जिलों में कार्रवाई की गई। सांचौर थानांतर्गत माखूपुरा में रीको क्षेत्र स्थित एक फैक्ट्री में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर 93 टन कोयला किया गया।

मौके से पकड़े गये रविभाई मकवाना व रायशी काटुंआ निवासी जिला कच्छ गुजरात ने पुलिस पूछताछ में गुजरात के काण्डला बंदरगाह से कोयला भर कर लेकर आने वाले ट्रक चालकों से सम्पर्क कर इस बाड़े में सील तोड़ एक ट्रक में से करीब दो–तीन टन कोयला निकालकर उतने ही वजन का घटिया कोयला मिलाकर वापस ट्रक को सील कर भेजना बताया। आरोपी बाड़े में एकत्रित किये गये महंगे कोयले को अन्य ट्रक के अन्दर लोड करके ट्रक के सील लगाकर फैक्ट्रियों में भेजते थे। कोयला मंगवाने का काम जगूभाई ठक्कर, सलीम भाई उर्फ याकूब व मिठू निवासी गांधीधाम द्वारा किया जाता, एकत्रित कोयला महेन्द्र भाई भानुसाती व प्रवीण भाई गुप्ता निवासी गांधीधाम को इनके द्वारा बेचा जाता।

एमएन ने बताया कि विदेशों से आयातित कोयले में मिलावट एवं चोरी के मामले में गत वर्ष चलाए गए अभियान में पाली के थाना गुड़ाएंदला, बाड़मेर के थाना व सिणधरी, जोधपुर ग्रामीण के थाना लोहावट व फलोदी, जालौर जिले के थाना सांचौर, बीकानेर के थाना बीछवाल थानों में प्रकरण दर्ज हुए थे। जिसमे फरार चल रहे 15 आरोपियों पर पुलिस मुख्यालय से 11–11 हजार रुपये के इनाम की घोषणा की गई थी।

राजस्थान हाईकोर्ट ने मानसिक विमंदित के प्रकरण में लिया स्व प्रसंज्ञान

झुंझुनू कलेक्टर से दो सप्ताह में मांगा जवाब

जोधपुर,22 नवंबर (एजेंसियां)।

राजस्थान उच्च न्यायालय ने 22 नवम्बर 2024 को मीडिया में प्रकाशित एक समाचार रिपोर्ट के बाद उजागर हुई घटना का स्व प्रसंज्ञान लिया, जिसमें राजकीय भगवान दास खेतन अस्पताल झुंझुनू में एक मानसिक विमंदित को मृत घोषित कर दिया गया था उसके शव को डीप फ्रीजर में रखा गया था। जब शव को अंतिम संस्कार के लिए श्मशान घाट ले गए और चिता पर लिटाया गया तो उसकी सांस चलने लगी जिसे चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया था। अब उसका उसी अस्पताल आईसीयू में इलाज चल रहा है।

घटना की गंभीरता को देखते हुए राजस्थान उच्च न्यायालय किशोर न्याय समिति के अध्यक्ष एवं न्यायाधिपति मनोज कुमार गर्ग ने इस मामले में प्रसंज्ञान लेते हुए कहा कि यह घटना जीवन के अधिकार का गंभीर उल्लंघन है। उच्च न्यायालय ने कहा कि यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि सरकारी अधिकारियों की घोर लापरवाही के कारण एक व्यक्ति का जीवन संकट में पड़ गया।

न्यायाधिपति गर्ग ने इस मामले में नोटिस जारी कर प्रमुख सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, जयपुर, जिला कलेक्टर झुंझुनू एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी झुंझुनू को दो के भीतर जवाब प्रस्तुत करने का आदेश दिया है। इस मामले की सुनवाई के लिए अनिरुद्ध पुरोहित को न्याय मित्र में नियुक्त किया है। इसके अलावा, उच्च न्यायालय ने इस मामले को सार्वजनिक हित से जुड़ा मामला मानते हुए इसे जनहित याचिकाओं की सुनवाई करने वाली खंडपीठ के समक्ष करने का आदेश दिया है।

बर्खास्त एचसीएस अनिल नागर को हाईकोर्ट से मिली राहत

चंडीगढ़,22 नवंबर (एजेंसियां)।
भ्रष्टाचार के आरोपों में घिरे और गिरफ्तार किए गए बर्खास्त एचसीएस अधिकारी अनिल नागर को एवं हरियाणा हाई कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। अदालत ने उनकी नियमित जमानत याचिका को मंजूर कर लिया है, जिससे यह मामला एक बार फिर चर्चा में आ गया है।

अनिल नागर, जो अपनी सेवाओं के दौरान भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों में फंसे थे, को इस मामले में गिरफ्तार किया गया था। उन पर आरोप था कि उन्होंने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए अनुचित लाभ प्राप्त किया। इस वजह से उन्हें न केवल गिरफ्तार किया गया, बल्कि उनकी नौकरी से भी बर्खास्त कर दिया गया था। पंजाब एवं हरियाणा हाई ने नागर की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए उन्हें नियमित जमानत देने का फैसला सुनाया। इस फैसले से यह साफ हो गया है कि अदालत ने फिलहाल उन्हें हिरासत में रखने की आवश्यकता नहीं समझी। हालांकि, यह फैसला सिर्फ जमानत तक सीमित है और भ्रष्टाचार के मामले में प्रक्रिया अभी भी जारी रहेगी। अनिल नागर का मामला उन कई घटनाओं में से एक है, जो प्रशासनिक व्यवस्था में पारदर्शिता और ईमानदारी पर सवाल खड़े करती हैं। ऐसे मामलों से सरकारी तंत्र की छवि पर गहरा असर पड़ता है और आम जनता का कम होता है। कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि जमानत का फैसला किसी व्यक्ति को दोषी या निर्दोष साबित नहीं करता। यह केवल एक कानूनी प्रक्रिया का हिस्सा है, जो तब दी जाती है जब अदालत को यह लगता है कि आरोपी जांच सुनवाई में सहयोग करेगा और फरार नहीं होगा। अनिल नागर को मिली राहत के बावजूद, उनके खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच जारी रहेगी। यह देखना दिलचस्प होगा कि इस मामले का अंतिम फैसला क्या होता है और प्रशासनिक भ्रष्टाचार को रोकने के लिए सरकार और न्यायपालिका क्या कदम हैं। यह मामला सिर्फ एक व्यक्ति का नहीं है, बल्कि यह दर्शाता है कि सार्वजनिक प्रशासन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना कितना महत्वपूर्ण है। ऐसे मामलों पर सख्त और निष्पक्ष कार्रवाई से ही लोगों का विश्वास व्यवस्था में बना रह सकता है।

गौतम अडाणी पर अमेरिका से पहले भारत में जांच और कार्रवाई होनी चाहिए : उदयभान

चंडीगढ़,22 नवंबर (एजेंसियां)।
हरियाणा कांग्रेस अध्यक्ष चौधरी उदयभान ने उद्योगपति गौतम अडानी पर लगे आरोपों को बेहद गंभीर बताया है। उन्होंने कहा कि अडानी पर अमेरिका से पहले भारत में जांच और कार्रवाई होनी चाहिए। क्योंकि सेबी के अमेरिकी समकक्ष, प्रतिभूति विनिमय आयोग का आरोप है कि गौतम अडाणी और उनके सात सहयोगियों ने भारत में उच्च–मूल्य वाले सौर ऊर्जा अनुबंधों को हासिल करने के लिए 2,000 करोड़ (250 मिलियन) की रिश्वतखोरी की योजना बनाई। उन्होंने कहा कि अमेरिकी अभियोग में आरोप लगाया गया है कि 2020 और 2024 के बीच, अडानी उनके सह–प्रतिवादियों ने 16,000 करोड़ (2 बिलियन) से अधिक लाभ अर्जित करने वाले अनुबंधों को हासिल करने के लिए भारतीय सरकारी अधिकारियों को रिश्वत की पेशकश की। ये अनुबंध आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, जम्मू–

कश्मीर, ओडिशा और तमिलनाडु राज्यों से संबंधित थे।

यह उल्लेखनीय है कि इनमें से चार राज्यों में बीजेपी दलों का शासन रहा है, जबकि जम्मू और कश्मीर राष्ट्रपति शासन के तहत सीधे केंद्र द्वारा शासित था। वहीं, राजस्थान और महाराष्ट्र जैसे भाजपा शासित राज्यों में हाल ही में अधिक कीमत वाले सौर ऊर्जा के अनुबंधों में भी इसी तरह का पैटर्न देखने को मिलता है। यह कांग्रेस पार्टी के हम अडानी के हैं कौन अभियान को सही साबित करता है, जिसमें प्रधानमंत्री के अडानी के साथ करीबी संबंधों के बारे में 100 सवाल उठाए गए थे।

यह स्पष्ट है कि सफेदपोश अपराध की जांच करने वाली संस्थाएँ – सेबी, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), केंद्रीय जांच ब्यूरो और आयकर विभाग, न केवल विश्वास करने लायक आरोपों के बावजूद अडानी की जांच करने में विफल रहा हैं, बल्कि उच्च अधिकारियों के आदेशों पर उनकी कुछ जाँचों को भी रोक दिया गया है. इसके उलट, इन एजेंसियों का दुरुपयोग प्रधानमंत्री की निगरानी में अडानी द्वारा हवाई अड्डों, बंदरगाहों, कंपनियों और सीमेंट संयंत्रों के अधिग्रहण को सुविधाजनक बनाने के लिए किया गया है।

उदयभान ने कहा कि विपक्षी राजनेताओं को निशाना बनाने, विपक्षी दलों को खत्म करने और विपक्षी मुख्यमंत्रियों को जेल में डालने के लिए भी हथियार बनाया गया है।

बाल श्रम के विरुद्ध की गई बड़ी संयुक्त कार्यवाही

विभिन्न प्रतिष्ठानों से 10 बाल श्रमिक मुक्त करवाए गए

भीलवाड़ा,22 नवंबर (एजेंसियां)।
जिला नमित मेहता के निर्देशानुसार बाल श्रम उन्मूलन के लिए राज्य सरकार द्वारा जारी एसओपी के तहत जिले में बाल श्रम मुक्त करने के लिए बाल अधिकारिता विभाग, श्रम विभाग, मानव तस्करी विरोधी इकाई, प्रताप नगर पुलिस स्टेशन एवं चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 ने संयुक्त रूप से रेस्क्यू ऑपरेशन किया।

इस में 15 प्रतिष्ठानों पर जांच कार्यवाही की गई और 6 प्रतिष्ठानों से 10 बाल श्रमिकों को मुक्त करवाया गया। मुक्त करवाए गए बाल श्रमिकों में जे बी एन कच्ची घानी से 2, श्री देव ऑटो रिपेयर से 2, बालाजी कार वाश से 3, वीर तेजा ऑटो रिपेयर से 1, नाथ कार डेकोर से 1 और एमआरएफ टायर से 1 बाल श्रमिक शामिल हैं। बाल श्रमिकों को बाल कल्याण समिति अध्यक्ष चंद्रकला ओझा, सदस्य विनोद राव के समक्ष प्रस्तुत किया गया। और उन्हें आश्रय गृह में रखवाया गया। इसके अलावा, महालक्ष्मी गजक भंडार आरजिया, पालड़ी में स्थित चद्दर फैक्ट्री चारभुजा सर्विस सेंटर पर कार्यवाही करते हुए बाल श्रमिक नहीं रखने हेतु पाबंद किया गया। रेस्क्यू ऑपरेशन में श्रम विभाग के श्रम निरीक्षक मधुबाला जाट, आशीष यादव, शिव प्रसाद, प्रताप नगर पुलिस स्टेशन के बाल कल्याण अधिकारी उदय लाल एवं प्रताप नगर पुलिस अधिकारी मौजूद रहे। बाल अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक मोहम्मद अशफाक खान ने बताया कि मुक्त करवाए गए ।

सवारियों से भरी कार को तेज रफ्तार कार ने मारी टक्कर

कुरुक्षेत्र,22 नवंबर (एजेंसियां)।
राष्ट्रीय राजमार्ग उमरी के पास शुक्रवार सुबह एक बड़ा सड़क हादसा हुआ। करनाल से कुरुक्षेत्र की ओर आ रही यात्रियों से भरी कार को पीछे से तेज रफ्तार एक अन्य कार ने जोरदार टक्कर दी। टक्कर के बाद कार का संतुलन बिगड़ गया और वह डिवाइडर पर चढ़ गई।

गनीमत रही कि इस हादसे में किसी को गंभीर चोट नहीं आई। हालांकि, सवारी से भरी कार का पिछला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। मौके पर मौजूद ट्रैफिक पुलिस के कर्मचारियों ने बताया टक्कर में चालक को कुछ चोटें आई हैं, लेकिन अन्य यात्रियों को कोई बड़ी चोट नहीं आई। हादसे के कारण मार्ग पर जाम की स्थिति बन गई, लेकिन पुलिस ने समय रहते जाम पर काबू पा लिया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.